सत्यमेव जयते

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

वार्षिक रिपोर्ट

1998-99

विषय - सूची

1.	एक नज़र	1
2.	आकाशवाणी	3
3.	दूरदर्शन	19
4.	फिल्म	32
5.	प्रेस प्रचार	43
6.	समाचारपत्रों का पंजीयन	47
7.	प्रकाशन	49
8.	क्षेत्रीय प्रचार	53
9.	विज्ञापन और दृश्य प्रचार	59
10.	फ़ोटो प्रचार	66
11.	गीत और नाटक	68
12.	गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण	72
13.	योजना और गैर-योजना कार्यक्रम	77
14.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	84
15.	प्रशासन	85

परिशिष्ट

1.	मंत्रालय का सांगठनिक ढांचा	90
2.	वर्ष 1998-99 और 1999-2000 के लिए योजना तथा गैर-योजना बजट का विवरण	92

1

एक नज़र

1.1.1 सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने वर्ष 1998-99 के दौरान रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, समाचारपत्र, प्रकाशन, विज्ञान और नृत्य तथा नाटक जैसे परंपरागत माध्यमों के जरिए जनता तक बेरोक-टोक सूचनाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखा। मंत्रालय ने सेवाएं उपलब्ध कराने में जनहित और व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समाज के सभी वर्गों में ज्ञान और मनोरंजन के प्रसार संबंधी महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा किया।

1.1.2 मंत्रालय की विकास संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए योजना आयोग ने नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2000) में 2970.34 करोड़ रुपये के परिव्यय और वार्षिक योजना 1998-99 के लिए 661.93 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है। 1998-99 के योजनागत संसाधनों का उपयोग बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण सुधार लाने, खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए प्रसारण, स्टूडियो और कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं के विकास में किया गया है। उपग्रह आधारित प्रसारण के जरिए क्षेत्रीय और स्थानीय सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जहां तक सॉफ्टवेयर का सवाल है, इलेक्ट्रॉनिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इकाइयों ने राष्ट्रीय सरोकार के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, जैसे राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, प्राथमिक/

सुप्रसिद्ध गीतकार श्री प्रदीप राष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन से दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करते हुए

वर्ष की प्रमुख उपलब्धियां

- प्रधानमंत्री की ऐतिहासिक लाहौर यात्रा और 1999-2000 के केन्द्रीय बजट का प्रसार भारती द्वारा व्यापक सीधा प्रसारण।
- फिल्म क्षेत्र को मई 1998 में उद्योग का दर्जा दिया गया।
- राज्यों के सूचना तथा सिनेमेटोग्राफी मंत्रियों का तेईसवां सम्मेलन सितंबर 1998 में आयोजित किया गया।
- प्रसार भारती ने दूरदर्शन पर 'स्पोर्ट्स चैनल' शुरु करने का फैसला किया।
- निजी भारतीय उपग्रह चैनल ऑपरेटरों को वी.एस.एन.एल. के जरिए भारतीय भूमि से अपने कार्यक्रमों की अपलिंकिंग की अनुमति दी गई।
- प्रसार संख्या के सभी स्तरों पर, पत्र-पत्रिकाओं के लिए डी.ए.वी..पी. के विज्ञापनों की दरों में एक जनवरी 1999 से करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि की गई।
- किसी विदेशी फिल्मी हस्ती के इस क्षेत्र में जीवन भर के उत्कृष्ट योगदान के लिए 'लाइफ टाइम अचीवमेंट' पुरस्कार शुरू किया गया। पहली बार, यह पुरस्कार इटली के प्रख्यात फिल्म निर्देशक बर्नार्डो बर्तोलुची को प्रदान किया गया।
- भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक ने एक जनवरी 1999 से डेढ़ लाख से ज्यादा अप्रयुक्त शीर्षकों को मुक्त कर दिया।
- आधुनिक सूचना टैक्नोलॉजी के इस्तेमाल में तेजी लाई गई। पत्र सूचना कार्यालय की प्रेस विज्ञप्तियां, फीचर, फोटो तथा ग्राफिक्स अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं।
- गीत और नाटक प्रभाग ने देश भर में 28,000 से ज्यादा प्रदर्शन आयोजित किए।
- 1998 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार कवि प्रदीप को प्रदान किया गया।

बुनियादी शिक्षा, निरक्षरता उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य रक्षा और परिवार कल्याण, कृषि और ग्रामीण विकास पर अपना ध्यान केन्द्रित रखा। इसके साथ-साथ महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों से संबंधित मुद्दों पर भी प्राथमिकता के आधार पर ध्यान दिया गया।

1.1.3 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सूचना तथा सिनेमेटोग्राफी मंत्रियों का 23वां सम्मेलन (सिमकॉन-23) पहली सितंबर, 1998 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित किया गया। इससे पहले 31 अगस्त, 1998 को राज्यों के सूचना सचिवों तथा सूचना और सिनेमेटोग्राफी के प्रभारी निदेशकों की एक दिवसीय अधिकारी स्तर की बैठक हुई। सम्मेलन में फिल्म क्षेत्र को उद्योग का दर्जा दिए जाने, सिनेमा को राज्य सूची से समवर्ती सूची में ले जाने, मनोरंजन कर को युक्तिसंगत बनाने, वीडियो चोरी की समस्या, समाचारपत्र-पत्रिकाओं के निष्क्रिय शीर्षकों का पंजीकरण समाप्त करने और केबल टेलीविजन नेटवर्क (नियमन) अधिनियम, 1995 को लागू करने जैसे विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

1.1.4 मंत्रालय की गतिविधियों को मोटे तौर पर तीन क्षेत्रों में बांटा जा सकता है। ये हैं :—प्रसारण क्षेत्र, फिल्म क्षेत्र और सूचना क्षेत्र। इन तीनों क्षेत्रों के कार्य एक दूसरे के पूरक हैं और उन्हें अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र एक विशिष्ट मीडिया इकाई तथा अन्य संगठनों के माध्यम से इस तरह विभिन्न कार्य करता है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के प्रसार का फायदा समूचे देश को प्राप्त होगा। इन मीडिया इकाइयों में प्रसार भारती निगम (जिसमें आकाशवाणी और दूरदर्शन शामिल हैं) के साथ-साथ पत्र सूचना कार्यालय, प्रकाशन विभाग, गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, फोटो प्रभाग, गीत और नाटक प्रभाग, फिल्म समारोह निदेशालय, फिल्म प्रभाग और भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय शामिल हैं। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केन्द्र, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान-पुणे, सत्यजित राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान-कलकत्ता, भारतीय जनसंचार संस्थान, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, ब्रॉडकास्ट इंजीनियरी कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड से भी मंत्रालय का संबंध है। इलेक्ट्रोनिक माध्यम स्वायत्तशासी संगठन प्रसार भारती के प्रशासकीय नियंत्रण में हैं। इसका गठन प्रसार भारती अधिनियम, 1990 के तहत किया गया है। 1998-99 के दौरान मंत्रालय के विभिन्न संगठनों की गतिविधियों का ब्यौरा अगले अध्यायों में दिया गया है। रिपोर्ट के अंत में परिशिष्ट में मंत्रालय से संबंधित आंकड़े दिए गए हैं।

2

आकाशवाणी

2.1 मुंबई और कलकत्ता में दो निजी स्वामित्व वाले ट्रांसमीटरों के साथ 1927 में भारत में प्रसारण कार्य शुरू हुआ था। सरकार ने 1930 में इन ट्रांसमीटरों को अपने पास ले लिया और भारतीय प्रसारण सेवा के रूप में संचालित करने लगी। इसका नाम 1936 में बदल कर ऑल इंडिया रेडियो रखा गया जो 1957 से आकाशवाणी हो गया। प्रसार भारती नाम से स्वायत्त भारतीय प्रसारण निगम, की स्थापना 23 नवंबर 1997 को आकाशवाणी और दूरदर्शन की गतिविधियों के संचालन के लिए की गई।

नेटवर्क

2.2.1 देश में इस समय आकाशवाणी के 195 केंद्र काम कर रहे हैं जिनमें से 183 पूर्ण-सज्जित केंद्र, नौ रिले केंद्र और तीन विविध भारती के विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र हैं। आकाशवाणी के पास इस समय 302 ट्रांसमीटर हैं। इनमें से 144 मीडियमवेव, 55 शॉर्टवेव और 103 एफ एम ट्रांसमीटर हैं। इन से देश की 97.3 प्रतिशत जनसंख्या के लिए और 90 प्रतिशत इलाके में रेडियो प्रसारण किया जाता है।

2.2.2 इस वर्ष प्रसारण सेवाओं को और सुगठित किया गया है। मौजूदा ट्रांसमीटरों की शक्ति को बढ़ाया गया है और कई केंद्रों में स्टूडियो सुविधाओं को आधुनिक बनाया गया है। माननीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री ने 26 अप्रैल, 1998 को काकीनाड़ा (आंध्र प्रदेश) में एक नये केंद्र का शिलान्यास किया।

नई दिल्ली में आयोजित आकाशवाणी संगीत सम्मेलन, 1998

आकाशवाणी

मार्च 1999 तक तकनीकी तौर पर जिन परियोजनाओं के पूरा होने की आशा है :

रेडियो केंद्र : चमोली (उ.प्र.), धुबरी (असम), कोकराझार (असम), जिरो (अरुणाचल प्रदेश) और चूड़ाचांदपुर (मणिपुर)

परियोजनाएं : जमशेदपुर (सी बी एस)-10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; सिलीगुड़ी (सी बी एस) — 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; कोयम्बटूर (सी बी एस) — 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर और पांडिचेरी-20 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर।

1999-2000 के दौरान जिन परियोजनाओं के पूरा होने का आशा है :

केंद्र

1. भदरवाह (जम्मू और कश्मीर)
2. सराइपल्ली (म.प्र.)
3. मांडला (म.प्र.)
4. चंगलांग सी आर एस (अरुणाचल प्रदेश)
5. खोंसा (सी आर एस) (अरुणाचल प्रदेश)
6. चम्फई (सी आर एस) (मिजोरम)
7. नूतन बाजार (त्रिपुरा)
8. फेक (सी आर एस) (नगालैंड)

ट्रांसमीटर परियोजनायें

1.	रोहतक (हरियाणा)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
2.	दिल्ली-डी	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
3.	सिल्चर (असम)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
4.	तुरा (मेघालय)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
5.	गंगटोक (सिक्किम)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
6.	आइजोल (मिजोरम)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
7.	अम्बिकापुर (म.प्र.)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
8.	भुज (गुजरात)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
9.	रत्नागिरी (महाराष्ट्र)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
10.	तिरुअनंतपुरम (केरल)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
11.	तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
12.	चेन्नई (तमिलनाडु)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
13.	हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	20 कि.वा. मी.वे. ट्रा.
14.	खामपुर (दिल्ली)	33250 कि.वा. शार्ट. वेव ट्रा.
15.	श्रीनगर-सी (जम्मू और कश्मीर)	10 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
16.	जोधपुर (राजस्थान)	6 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
17.	चंडीगढ़	3 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
18.	पटना (बिहार)	3 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
19.	शिलांग (मेघालय)	10 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
20.	इम्फाल (मणिपुर)	10 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
21.	अगरतला (त्रिपुरा)	10 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
22.	राजकोट (गुजरात)	10 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
23.	बड़ोदरा (गुजरात)	10 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
24.	भोपाल (म.प्र.)	3 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
25.	इंदौर (म.प्र.)	3 कि.वा. एफ एम ट्रा. और स्टैंडर्ड
26.	बंगलौर (कर्नाटक)	10 कि.वा. एफ एम ट्रा.
27.	तिरुपति (आंध्र प्रदेश)	3 कि.वा. एफ एम ट्रा.

2.2.3 मथुरा और जयपुर में पुराने 1 कि.वा. मीडियम वेव के ट्रांसमीटरों की जगह नये ट्रांसमीटर लगाए गए हैं। संबलपुर में 20 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर के स्थान पर उच्च शक्ति का 100 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर लगाया गया है। क्यूबर्गा (कर्नाटक) में 10 कि.वा. मीडियम वेव के ट्रांसमीटर को हटा कर 20 कि.वा. मीडियम वेव का ट्रांसमीटर लगाया गया है। रांची में 50 कि.वा. मीडियम वेव का ट्रांसमीटर लगाया गया है जो पूरे बिहार में मीडियम वेव प्राइमरी कवरेज के साथ शॉर्ट-वेव की सुविधा उपलब्ध कराएगा। विदेश सेवा को और सुदृढ़ करने के लिए दिल्ली में 250 कि.वा. के दो उच्च शक्ति के शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर लगाए गए हैं।

2.2.4 पूर्वोत्तर भारत में विलियम नगर (मेघालय), मोन (नगालैंड), तुएनसांग (नगालैंड), नोंगस्टोइन (मेघालय) और सैंहा (मिज़ोरम) में पांच सामुदायिक रेडियो केंद्र स्थापित किए गए हैं।

2.2.5 कटक में स्टूडियो सुविधाओं का विस्तार किया गया है और नवीनतम उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कलकत्ता और गुवाहाटी में स्टूडियो सुविधाओं को नया रूप दिया गया है और नवीनतम उपकरणों से इन्हें आधुनिक बनाया गया है।

आकाशवाणी (आंकड़े एक नजर में)

1.	केंद्र	:	195
2.	ट्रांसमीटर		
	(क) मीडियम वेव	:	144
	(ख) शॉर्ट वेव	:	55
	(ग) एफ एम	:	103
	कुल	:	302
3.	कवरेज		
	क्षेत्रफल के हिसाब से	:	90.0%
	जनसंख्या के हिसाब से:		97.3%

2.2.6 आकाशवाणी के पास तकनीकी रूप से तैयार 23 परियोजनाएं हैं : दिल्ली - दूसरा एफ एम चैनल 5 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; हिसार (हरियाणा) - एल आर एस 6 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; जम्मू (जम्मू और कश्मीर) सी बी एस 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; अलीगढ़ (उ.प्र.) - रिले 6 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; गुवाहाटी (असम) - सी बी एस 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; रांची (बिहार) - सी बी एस 6 कि. वा. एफ एम ट्रांसमीटर; कलकत्ता (प. बंगाल) - दूसरा एफ एम चैनल 5 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; मुम्बई (महा.) - (दूसरा चैनल) 5 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; जबलपुर (म.प्र.) - सी बी एस, 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; बंगलौर (कर्नाटक) - (स्टीरियो) 6 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; तिरुअनंतपुरम (केरल) - कि वी 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; चेन्नई - (त.ना.) (दूसरा एफ एम चैनल) 5 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; विशाखापत्तनम (आ.प्र.) - सी बी एस 10 कि.वा. एफ एम ट्रांसमीटर; इलाहाबाद (उ.प्र.) 20 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर; तवांग (अरुणाचल प्रदेश) 10 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटरं; करसियांग (प.बं.) 50 कि.वा. एस एम ट्रांसमीटर; रांची (बिहार) - 50 कि.वा. शॉर्ट वेव ट्रांसमीटर; विलियमनगर (मेघालय) - सी आर एस 1 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर; मोन (नगालैंड) - सी आर एस 1 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर; त्वेनसांग (नगालैंड) सी आर एस 1 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर; नोंगस्टोइन (मेघालय) 1 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर; सैहा (मिजोरम) 1 कि.वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर; और भुवनेश्वर (उड़ीसा) आर एस टी आई (तकनीकी)।

समाचार सेवा प्रभाग

2.3.1 आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग 39 घंटे और 29 मिनट की कुल अवधि के 314 बुलेटिन रोज प्रसारित करता है। इनमें से 12 घंटे और पांच मिनट के 88 बुलेटिन देश में प्रसारित किए जाते हैं जबकि 42 क्षेत्रीय समाचार एकांश रोज 137 समाचार बुलेटिन प्रसारित करते हैं जिनकी अवधि 18 घंटे और एक मिनट होती है। विदेश सेवा में आकाशवाणी 8 घंटे 59 मिनट के 65 बुलेटिन प्रसारित करता है जो कि 24 भाषाओं (भारतीय और विदेशी) में होते हैं। समाचार सेवा प्रभाग एफ एम चैनल के जरिये भी 24 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है।

2.3.2 आकाशवाणी से अनेक विशेष बुलेटिन भी प्रसारित होते हैं जैसे खेल समाचार, धीमी गति के बुलेटिन और युवाओं के लिए समाचार। हज़ की अवधि में हज़ तीर्थ यात्रियों के लिए दिल्ली से पांच मिनट का विशेष हज़ बुलेटिन प्रसारित किया जाता है। समाचारपत्रों की टिप्पणियां रोज प्रसारित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, प्रभाग, अनेक समाचार-आधारित कार्यक्रम और विश्लेषण अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में प्रसारित करता है। संसद सत्र के दौरान दोनों सदनों की कार्यवाही का ब्यौरा देने वाली समीक्षाएं अंग्रेजी और हिंदी में प्रसारित की जाती हैं। इसी प्रकार से क्षेत्रीय समाचार एकांश भी अपनी राज्य विधायिकाओं की कार्यवाही की समीक्षा पेश करते हैं।

2.3.3 आकाशवाणी के लिए अधिकांश समाचार उनके देशभर में फैले संवाददाताओं से प्राप्त होते हैं। इनके देशभर में 90 नियमित संवाददाता हैं और सात संवाददाता विदेशों में कोलंबो (अभी रिक्त), ढाका, दुबई, प्रिटोरिया, काठमांडू, सिंगापुर और इस्लामाबाद (अभी रिक्त) में तैनात हैं। साथ ही देश के महत्वपूर्ण जिला मुख्यालयों में आकाशवाणी के 246 अंशकालिक संवाददाता हैं। अपने समाचारों को व्यापक रूप देने के लिए प्रभाग, संवाद एजेंसियों की सेवाएं भुगतान के आधार पर प्राप्त करता है। समाचारों का एक अन्य स्रोत सामान्य समाचार कक्ष से जुड़ा अनुश्रवण एकांश (अंग्रेजी और हिंदी) तथा केंद्रीय अनुश्रवण सेवा हैं जो कि विश्व की मुख्य प्रसारण संस्थाओं के बुलेटिनों को मॉनीटर करते हैं।

2.3.4 इस वर्ष के दौरान नौ एफ एम बुलेटिन— छः अंग्रेजी में और तीन हिंदी में — 26 जून, 1998 से शुरू किये गए। इस प्रकार आकाशवाणी के इस लोकप्रिय चैनल पर अब चौबीसों घंटे समाचार सेवा उपलब्ध हो गई है। आकाशवाणी डिब्रूगढ़ से मिशिंग बोली में 5 मिनट का साप्ताहिक समाचार सारांश (हर बुधवार) शुरू किया गया।

2.3.5 इस वर्ष के दौरान की समाचार घटनाओं की कवरेज में प्रमुख हैं - वाजपेयी सरकार द्वारा लोकसभा में विश्वास मत जीतना, बजट, संसद का शीतकालीन सत्र, भारत का पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण, देश की आज़ादी की पचासवीं वर्षगांठ के सिलसिले में आयोजित समारोहों का समापन, गणतंत्र दिवस आयोजन, सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में फिर से जान फूंकने के लिए उठाये गये कदम और प्रो. अमर्त्य सेन द्वारा अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार जीतना। देशभर में घटने वाली राजनीतिक घटनाओं को निष्पक्ष और संतुलित रूप से पेश किया गया। इसके लिए संवाददाताओं के वॉइस-कास्ट, साउंड-बाइटस और विशेषज्ञों की सलाह शामिल की गई।

2.3.6 नई सरकार द्वारा इस साल मई में पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षण और सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इन परीक्षणों के कारणों को बताने के लिए किए राजनयिक प्रयासों को समाचार बुलेटिनों और समाचार-आधारित कार्यक्रमों, जैसे न्यूज-रील, में विशेष रूप से शामिल किया गया। परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर लगे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने के सरकार के प्रयासों को भी ठीक से प्रस्तुत किया गया।

2.3.7 राष्ट्रपति द्वारा जर्मनी, तुर्की, पुर्तगाल और लक्जमबर्ग का दौरा, प्रधानमंत्री का डबरन में गुट-निरपेक्ष शिखर सम्मेलन में भाषण, कोलंबो का सार्क शिखर सम्मेलन और न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र की महासभा की खबरों को सही परिप्रेक्ष्य में उभारा गया। प्रधानमंत्री के विशेष दूत श्री जसवंत सिंह और अमरीका के विदेश उपमंत्री श्री स्ट्रोब टेलबोट के बीच सी टी बी टी के मुद्दे पर मतांतरों को दूर करने के लिये हुई बातचीत को ठीक तरह से कवरेज दी गई।

2.3.8 पर्याप्त कवरेज वाली अन्य महत्वपूर्ण घटनाएं थीं— अर्थव्यवस्था में सुधार के तरीकों की समीक्षा के लिये प्रधानमंत्री द्वारा गठित बड़े उद्योगपतियों की छह विभिन्न समितियां, श्री वाजपेयी द्वारा अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए निर्धारित बहुसूत्रीय कार्यसूची, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन, आयात-निर्यात नीति की घोषणा, ग्यारहवें वित्त आयोग का गठन, राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और वित्त मंत्रियों का सम्मेलन, आर्थिक सम्पादकों का सम्मेलन और रिसर्जेंट इंडिया बॉड द्वारा 4 अरब डॉलर की प्राप्ति।

2.3.9 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और मिजोरम, राजस्थान और मध्यप्रदेश राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव, गुजरात में भड़ोच लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र और कुछ राज्यों में विधानसभा उपचुनावों के कवरेज के लिए व्यापक इंतजाम किए गए। प्रभाग में एक चुनाव-कोष्ठ स्थापित किया गया ताकि दिन-रात परिणामों की तुरंत घोषणा का प्रबंध हो सके। चुनाव से पहले के माहौल पर रोशनी डालता हुआ एक विशेष कार्यक्रम, चुनाव के बाद विश्लेषण पर एक कार्यक्रम और इन राज्यों में उभरती राजनीतिक तस्वीर पर दो रेडियो ब्रिज कार्यक्रम भी प्रसारित किए गए।

2.3.10 भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के साल भर चल रहे समारोहों के समापन भाग की समुचित कवरेज की गई। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति की जाने माने पत्रकार, एन. राम से बातचीत, स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का लालकिले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम संदेश, संसद के केंद्रीय हाल में आयोजित समापन समारोह, ऐतिहासिक राजपथ पर मार्च और विजय चौक के समीप आयोजित अंतिम सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बुलेटिनों में विशेष रूप से शामिल किया गया।

2.3.11 वाजपेयी सरकार द्वारा पाकिस्तान के साथ संबंधों को सुधारने और रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करने की पहल को अच्छी कवरेज दी गई। इस्लामाबाद में हुई विदेश सचिव स्तर की बातचीत और उसके बाद छह पहचाने गये मुद्दों पर नई दिल्ली में हुई अधिकारिक स्तर की बातचीत को ठीक से नोटिस किया गया। सियाचिन ग्लेशियर क्षेत्र में भारतीय सैनिक चौकियों पर कब्जा करने की पाकिस्तान की कोशिश को भारतीय फौजों द्वारा नाकाम करना, आई एन एस कोरा को भारतीय नौसेना में शामिल करना, त्रिशूल को विकासात्मक परीक्षण के रूप में दागना, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का गठन, जम्मू और कश्मीर व देश के अन्य भागों में आतंकवादियों द्वारा पैदा किए खतरे से निपटने के लिए सरकार

द्वारा उठाए गए कदम, सेना के तीनों अंगों का युद्ध अभ्यास जिसमें देश की ताकत को दर्शाया गया और भारत व रूस द्वारा अपने रक्षा समझौते को दस और वर्षों तक बढ़ाने को कवरेज दिया गया।

2.3.12 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कवरेज की विशेष बातें थीं- नैरोबी और दार-ए-सलाम में बम विस्फोट, सूडान और अफगानिस्तान में कथित उग्रवादी ठिकानों पर अमरीकी मिसाइल हमला, अफगानिस्तान के हालात, आठ ईरानी राजनयिकों की हत्या के बाद ईरान और तालिबान प्रशासन के बीच तनाव, इस्राइल और फिलीस्तीन के बीच अंतरिम शांति समझौता, अमरीकी राष्ट्रपति श्री बिल क्लिंटन के मोनिका लेविंस्की के साथ अनुचित संबंधों से जुड़ी खबरें, नाटो और यूगोस्लाविया के बीच कोसोवा के अल्बानियाई लोगों पर हमले को लेकर रस्साकशी, इराक और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बीच शस्त्र निरीक्षण के मुद्दे पर टकराव और नोबेल पुरस्कारों की घोषणाएं।

2.3.13 मुख्य अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं और राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री की अधिकारिक विदेश यात्राओं के लिए विशेष संवाददाताओं को तैनात किया गया। विदेशी प्रतिष्ठित व्यक्तियों के भारत आगमन को भी उचित कवरेज दी गई। बुलगारिया के राष्ट्रपति श्री पीटर स्टोयानोव, मॉरिशस के प्रधानमंत्री श्री नवीन चंद्र रामगुलाम, भूटान के नरेश जिग्मे सिग्मे वांगचुक और स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति श्री फ्लैवियो कोटी कुछ विशेष अतिथियों में से थे।

2.3.14 आकाशवाणी के समाचार बुलेटिनों में प्रसिद्ध व्यक्तियों की मृत्यु तथा धार्मिक और राजनैतिक नेताओं की जयंतियों तथा पुण्य-तिथियों को उचित कवरेज मिली। महत्वपूर्ण दिवसों तथा सप्ताहों के मनाये जाने का प्रचार किया गया।

2.3.15 समाचार बुलेटिनों और समाचार-आधारित कार्यक्रमों में ऐसी योजनाओं और कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया गया जोकि बालिकाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के हित में थी। राष्ट्रीय स्तर पर तथा क्षेत्रीय समाचार एकांशो-दोनों पर ऐसे कार्यक्रम चलाए गए जिनसे सरकार द्वारा लोगों के कल्याण के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी मिल सके।

2.3.16 व्यक्तिगत सेवा और प्रतिभा के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों को अच्छे से कवर किया गया। इनमें अर्थशास्त्र के लिए अमर्त्य सेन का नोबेल पुरस्कार जीतना, सुनील दत्त को सद्भावना पुरस्कार दिया जाना, कवि प्रदीप को 1997 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार मिलना, अली सरदार जाफरी को ज्ञानपीठ पुरस्कार, श्रम पुरस्कार, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, जमनालाल बजाज पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार और शिक्षक दिवस पुरस्कार मुख्य थे।

2.3.17 आकाशवाणी की खेलों को लोकप्रिय बनाने की नीति के तहत मुख्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं को बुलेटिनों में शामिल किया गया।

. . . . . .

2.4.1 आकाशवाणी का विदेश सेवा प्रभाग भारत और विश्व के बाकी हिस्सों के बीच महत्वपूर्ण संपर्क कायम करता है, खासकर उन देशों में जहां भारतीय मूल की जनसंख्या अधिक होने के कारण भारत के हित उनसे जुड़े हैं। विदेश सेवा प्रसारण के जरिये राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भारतीय दृष्टिकोण पेश किया जाता है। 25 भाषाओं में विभिन्न कार्यक्रम प्रतिदिन लगभग सात घंटे की अवधि के लिए प्रसारित किए जाते हैं। इनमें से 16 विदेशी और 9 भारतीय हैं।

2.4.2 1998-99 के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के सभी सम्मेलनों, संगोष्ठियों, परिचर्चाओं, फिल्म तथा व्यापार उत्सवों को टिप्पणियों, रेडियो रिपोर्ट तथा साक्षात्कारों के रूप में व्यापक कवरेज दी गई। कवरेज में कोलंबो का सार्क शिखर सम्मेलन, डरबन का गुट-निरपेक्ष शिखर सम्मेलन, प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी का संयुक्त राष्ट्र से संबोधन, अर्मत्य सेन को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिलना आदि शामिल थे। इसी प्रकार से विदेशी विशिष्ट अतिथियों जैसे बांग्ला देश की प्रधानमंत्री बेगम शेख हसीना, मालदीव के राष्ट्रपति श्री मैमून अब्दुल गयूम, मॉरिशस के प्रधानमंत्री श्री रामगुलाम की भारत यात्रा और भारत के राष्ट्रपति श्री के. आर. नारायणन की पेरू, जर्मनी और नेपाल यात्रा व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की ओमान, अमरीका और फ्रांस की यात्रा को भी पूरी कवरेज दी गई।

2.4.3 राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए भारत की परमाणु परीक्षण की मजबूरी का पूरा प्रचार करने के लिए विशेष पहल की गई। भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के आयोजनों के प्रचार के लिए 1998-99 में विशेष कार्यक्रम चलाए गए।

2.4.4 नई उदार आर्थिक नीति के व्यापक प्रचार के लिए जी ओ एस (अंग्रेजी) और हिंदी सेवाओं को सरकारी योजनाओं के ब्यौरे तथा भारत में नये निवेश माहौल के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों के बारे में जानकारी देने के लिए चुस्त और सक्षम बनाया गया--खासकर प्रवासी भारतीयों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को। उर्दू, सिंधी तथा पंजाबी सेवाएं प्रगतिशील तथा अग्रसर होते ऐसे भारत की छवि बनाने में जुटी हैं जो लोकतंत्र, समाजवाद, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सह-अस्तित्व की भावनाओं में विश्वास रखता है। विदेश सेवा प्रभाग का निरंतर प्रयास रहा है कि पाकिस्तानी मीडिया द्वारा चलाए जा रहे झूठे तथा

आधारहीन प्रचार, खासकर कश्मीर में उग्रवाद के बारे में, दुष्प्रचार का मुकाबला किया जाए।

2.4.5 विदेश सेवा प्रभाग द्वारा सार्क देशों, पश्चिम एशिया, खाड़ी और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के लिए प्रसारणों में रात 9.00 बजे का अंग्रेजी का राष्ट्रीय बुलेटिन भी शामिल किया जाता है। विदेश सेवा प्रभाग हर शनिवार को संयुक्त राष्ट्र समाचार, विश्व के विभिन्न भागों में प्रसारित करता है।

2.4.6 विदेश सेवा प्रभाग, कार्यक्रम विनिमय योजना, के तहत संगीत, भाषणों तथा कार्यक्रमों को लगभग सौ देशों और विदेशी प्रसारण संस्थाओं को देता है।

2.4.7 प्रभाग अंग्रेजी में मासिक कार्यक्रम पत्रिका 'इंडिया कॉलिंग' निकालता है जिसमें प्रभाग द्वारा प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी रहती है।

राष्ट्रीय चैनल

2.5.1 आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल की शुरुआत 18 मई 1988 को हुई। इस चैनल को रात्रि सेवा के रूप में शाम 6.50 से सुबह 6.10 के बीच प्रसारित किया जाता है। यह 64 प्रतिशत इलाके और लगभग 76 प्रतिशत जनसंख्या तक पहुंच रखता है। इसमें जानकारी और मनोरंजन का संतुलित समावेश रहता है। इस चैनल के कार्यक्रमों का स्वरूप समूचे देश की सांस्कृतिक विविधता और देश के मूल्यों को समग्रता से व्यक्त करना है। भारतीय साहित्य को लोकप्रिय बनाने के लिए 'एक कहानी' कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं की चुनिंदा बेहतरीन लघु कहानियों का नाटकीय रूपांतर पेश किया जाता है। 'बस्ती बस्ती - नगर नगर' एक अन्य कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को देशभर के पर्यटक स्थलों के बारे में जानकारी देना है। रातभर केवल राष्ट्रीय चैनल से हिंदी और अंग्रेजी में बारी-बारी से हर घंटे समाचार बुलेटिन प्रसारित किए जाते हैं। जब भी संसद का सत्र चल रहा होता है तो इस चैनल के श्रोताओं के लिए प्रश्नकाल की रिकार्डिंग प्रसारित की जाती है। रमज़ान के पवित्र महीने में राष्ट्रीय चैनल से तड़के विशेष कार्यक्रम 'सहरगही' प्रसारित किया जाता है।

विज्ञापन

2.6.1 आकाशवाणी ने 1 नवम्बर, 1967 से विज्ञापन देना शुरू किया जो अब 99 प्राइमरी चैनल केंद्रों, 20 विविध भारती केंद्रों, 74 स्थानीय रेडियो केंद्रों और चार एफ एम स्टीरियो चैनलों पर दिए जाते हैं। राष्ट्रीय चैनल, नई दिल्ली और पूर्वोत्तर सेवा, शिलांग से भी विज्ञापन देने की अनुमति है।

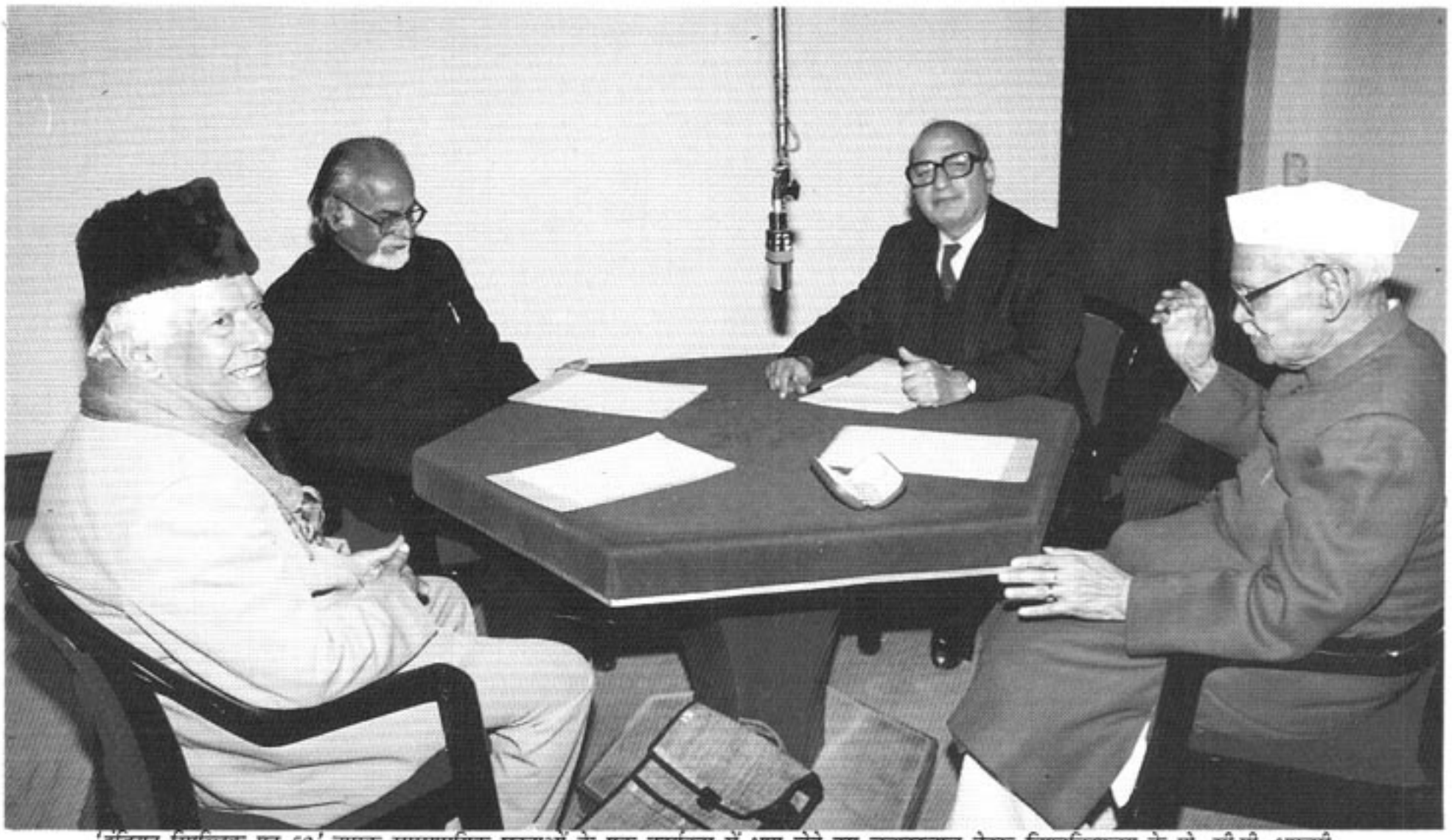

'इंडियन रिपब्लिक एट 50' नामक समसामयिक घटनाओं के एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. सी.पी. भाम्बरी, पूर्व प्रधानमंत्री श्री इंदर कुमार गुजराल, पत्रकार श्री इंदर मल्होत्रा तथा पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा

2.6.2 आजकल हालांकि विज्ञापन आय का मुख्य स्रोत है, कुछ हिस्सा एफ.एम. लाइसेंस शुल्क से भी प्राप्त होता है। लोकप्रिय विविध भारती सेवा 30 केंद्रों के साथ-साथ मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और गुवाहाटी के शार्ट वेव ट्रांसमीटरों से दिन में 14 घंटे से ज्यादा का मनोरंजन उपलब्ध कराती है। आकाशवाणी ने 1997-98 में कुल 93.44 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। वर्ष 1998-99 के लिए लक्ष्य 100 करोड़ रुपये रखा गया है। सितम्बर के अंत तक 44.76 करोड़ रुपये की आय हो चुकी थी। 1975-76 से 1998-99 तक रेडियो विज्ञापनों से होने वाली आय के आंकड़े तालिका में दिए गए हैं।

2.6.3 विविध भारती ने पहली बार बाहर वालों के लिए प्रायोजित कार्यक्रमों के निर्माण का काम लिया। पहला कार्यक्रम एच.एम.टी. बंगलौर के लिए 13 कड़ियों का धारावाहिक 'एच.एम.टी. समय समीक्षा' था जिसे 30 विज्ञापन सेवा केंद्रों से प्रसारित किया जा रहा है।

2.6.4 आकाशवाणी ने चारों महानगरों में चौबीसों घंटे का प्रसारण निजी पार्टियों को अधिकतम बोली के आधार पर देने की योजना बनाई है जिसके लिए निविदाएं मार्च 1998 में आमंत्रित की गई थीं। इसके अतिरिक्त बंगलौर, जालंधर, कटक और पणजी में एफ.एम. चैनलों पर 9 घंटे का समय निजी पार्टियों को देने की योजना है। आबंटन पहली मई, 1998 से किए जाने की योजना थी मगर विभिन्न उच्चन्यायालयों में मुकदमों और न्यायालयों द्वारा स्थगन आदेश दिए जाने के कारण यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी।

2.6.5 एफ.एम. चैनलों पर 26 जून, 1998 से निजी पार्टियों द्वारा खाली किए गए समय पर आजकल आकाशवाणी अपने कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। आकाशवाणी प्रायोजकों से आय प्राप्त कर रहा है और इन चैनलों पर विज्ञापन समय भी बेच रहा है। ऐसी आय निजी पार्टियों द्वारा आकाशवाणी को मिल रही लाइसेंस शुल्क से ज्यादा है। आकाशवाणी एफ.एम. चैनलों पर प्रायोजित कार्यक्रमों को शुरू करने की योजना बना रहा है। यह एक अंतरिम कदम होगा जो न्यायालयों में चल रहे मुकदमों के निपटान के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी होने तक चलेगा। आकाशवाणी के विज्ञापन समय की बिक्री का काम व्यापक रूप से किया जा रहा है और प्राप्त आय पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

2.7.1 आकाशवाणी का अभिलेखागार, प्रत्यंकन और कार्यक्रम विनिमय सेवा का मुख्य एकांश है। इसके पास विभिन्न फॉर्मेट के लगभग 47,000 टेप हैं जिसमें हिंदुस्तानी और कर्नाटक शैली के गायन व वाद्य संगीत तथा लोकसंगीत व सुगम संगीत के 12,000 टेप शामिल हैं। संग्रहालय में जानी-मानी हस्तियों जैसे महात्मा गांधी, रवीन्द्र नाथ ठाकुर, सुभाष चंद्र बोस, डा. बी. आर. अम्बेडकर, सरदार पटेल तथा सरोजिनी नायडू की आवाजों की महत्वपूर्ण रिकार्डिंग के अलावा सभी राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषणों के अलग संग्रह हैं। अभी अभिलेखागार में प्रधानमंत्री के भाषणों के 13,000 से ज्यादा टेप हैं जिनमें से 3,000 सिर्फ पंडित नेहरू के हैं। 5,100 टेप राष्ट्रपतियों के भाषणों के हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की सहायता से चल रही एक परियोजना के तहत अभिलेखागार की सभी रिकार्डिंग कॉम्पेक्ट डिस्क पर अंतरित की जा रही हैं। ये डिस्क अब इस्तेमाल की जा रही टेपों का स्थान लेंगे। अब तक भाषणों और संगीत के 235 सी.डी. तैयार किए जा चुके हैं।

2.7.2 इस साल अभिलेखागार ने महात्मा गांधी, पं. नेहरू और नेताजी सुभाषचंद्र बोस के भाषणों के अंशों को मिलाकर एक कार्यक्रम बनाया है जो भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के समापन समारोह के अवसर पर 15 अगस्त, 1998 को संसद के केंद्रीय हाल में चलाया गया।

2.7.3 अभिलेखागार में इस साल 175 टेप संग्रह में शामिल किए गए जिनमें श्याम बेनेगल, डा. नगेंद्र, मृणाल सेन, गोपाल दास, डा. विद्यानिवास मिश्र की रेडियो जीवनियां तथा पंडित जसराज, वीणा सहस्त्रबुद्धे, बसंतराव घोरपड़कर और सूर्यकांत खलदकर की अभिलेखीय रिकार्डिंग है।

2.8.1 इस एकांश का मुख्य उद्देश्य केंद्रों की जरूरतों के अनुसार एकांश के संग्रहालय से अच्छी किस्म के कार्यक्रमों का आदान-प्रदान करवाना है। संगीत और बातचीत/कथनों की रिकॉर्डिंग के लगभग 8,000 टेप हैं। इनमें से रामचरित मानस गान, आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार जीतने वाले कार्यक्रम और बांग्ला, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, संस्कृत तमिल और तेलुगू के भाषा पाठ भी हैं।

2.8.2 प्रत्यंकन तथा कार्यक्रम विनिमय सेवा एक द्विमासिक पत्रिका 'विनिमय' प्रकाशित करता है जिसमें उपलब्ध विदेशी कार्यक्रमों, कर्नाटक व हिंदुस्तानी संगीत (गायन तथा वाद्य), संगीतमय कार्यक्रमों के अन्य रूपों जैसे आर्केस्ट्रा धुनें, मंच गीत, लोक तथा जनजातीय संगीत आदि, व बोले हुए शब्दों पर आधारित कार्यक्रमों—फीचर, नाटक, चार्ता, ऑपेरा, साक्षात्कार आदि की जानकारी होती है और इसे आकाशवाणी के केंद्रों में वितरित किया जाता है। इसमें हमारे उपग्रह प्रसारण की जानकारी भी होती है जिसका इस्तेमाल हर रोज केंद्रों की

विविध भारती और प्राथमिक चैनलों पर विज्ञापन प्रसारण से प्राप्त आय

(रुपये में)

वर्ष	विविध भारती	प्राथमिक चैनलों से अर्जित सकल राजस्व		
		चरण-I	चरण-II	कुल योग
1975-76	6,25,87,679	-	-	6,25,87,679
1976-77	6,85,54,222	-	-	6,85,54,222
1977-78	7,82,06,252	-	-	7,82,06,252
1978-79	8,90,75,436	-	-	8,90,75,436
1979-80	10,31,43,702	-	-	10,31,43,702
1980-81	12,51,32,824	-	-	12,51,32,824
1981-82	15,23,44,716	-	-	15,23,44,716
1982-83	15,39,89,422	72,64,000	-	16,12,53,422
1983-84	16,00,34,250	42,30,500	-	16,42,64,750
1984-85	15,93,58,046	66,78,500	-	16,60,31,546
1985-86	17,54,89,035	50,06,275	2,13,84,761	20,22,80,071
1986-87	17,71,77,765	1,06,68,575	5,20,92,195	23,99,38,535
1987-88	19,26,24,082	88,13,025	8,51,62,751	28,66,01,858
1988-89	21,99,92,445	84,81,675	9,60,45,546	32,45,20,666
1989-90	23,72,28,116	68,02,372	10,59,36,265	35,06,55,753
1990-91	25,25,09,742	64,71,500	13,40,37,000	39,30,18,255
1991-92	34,89,00,000	83,62,000	17,00,68,000	52,73,00,000
1992-93	37,66,00,000	1,38,00,000	19,87,00,000	58,91,00,000
1993-94	36,96,00,000	1,93,00,000	25,46,00,000	64,35,00,000
1994-95	35,44,00,000	58,00,000	28,27,00,000	64,39,00,000
1995-96	37,32,30,000	1,45,48,000	42,19,79,000	80,97,57,000
1996-97	35,65,00,000	2,72,00,000	41,26,00,000	79,63,00,000
1997-98	34,74,59,415	2,13,12,300	56,56,61,715	93,44,33,430
1998-99 (सितंबर 98 तक)	22,01,56,272	94,32,200	21,80,54,855	44,76,43,327

जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है।

प्रत्यकंन एकांश

2.9 राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न भागों और विदेशों में दिए गए भाषणों को आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों और समाचार सेवा प्रभाग से प्राप्त किया जाता है। एकांश ने जनवरी, 1998 से नवंबर 1998 की अवधि में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के 117 भाषणों के टेप प्राप्त किए।

केन्द्रीय टेप बैंक

2.10 केन्द्रीय टेप बैंक आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों की एक-दूसरे से अच्छे कार्यक्रमों के आदान-प्रदान सम्बंधी मांगें पूरी करता है। इस समय इस बैंक ने आकाशवाणी के 194 केन्द्रों को 76 हजार टेप वितरित किए हैं। यह बैंक नए तथा विकासशील केंद्रों को भी टेप देता है।

विदेशी कार्यक्रम पुस्तकालय

2.11 विदेशी कार्यक्रम एकांश सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न देशों से श्रेष्ठतम कार्यक्रम सामग्री प्राप्त करता है। इस एकांश ने 1998 के दौरान सार्क सचिवालय से 9 कार्यक्रम प्राप्त किए। फ्रांस से 214 कार्यक्रम, इ्यूश वेले (जर्मनी) से 126 कार्यक्रम, बुलगारिया से 8 कार्यक्रम,

पर्यावरण के लिए विश्व रेडियो से एक कार्यक्रम, पेइचिंग से 2 कार्यक्रम, स्वीडन से 3 कार्यक्रम, आस्ट्रेलिया से 17 कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र से 158 कार्यक्रम प्राप्त किए। इन कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और ये ऑडियो मैगनेटिक टेपों और इनसैट 2-सी और इनसैट 2 सी 3 के जरिए विभिन्न केंद्रों को भेजे गए।

2.12 प्रत्यकंन और कार्यक्रम विनिमय सेवा इनसैट 1-डी और इनसैट 2-ए और इनसैट-1 डी के आर एन चैनलों के माध्यम से उपग्रह प्रसारण भी करती है। आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों ने भविष्य में इस्तेमाल के लिए विभिन्न प्रकार के 500 कार्यक्रम रिकार्ड कर रखे हैं।

2.13 केंद्रीय अनुश्रवण सेवा महत्वपूर्ण विदेशी रेडियो और टेलीविजन नेटवर्कों के समाचारों और समाचार-आधारित कार्यक्रमों का अनुश्रवण करती है। वर्ष के दौरान संगठन औसतन प्रतिदिन 15 रेडियो और 3 टेलीविजन नेटवर्कों के क्रमश: 110 प्रसारणों और 28 टेलीकास्टों पर नजर रखता है। ये प्रसारण/टेलीकास्ट 8 भाषाओं में अनुश्रवित किए जाते हैं जिनमें से एक विदेशी है। अनुश्रवण सेवा रोज मॉनीटर की गई समूची सामग्री की रिपोर्ट तैयार करती है। रोजाना रिपोर्ट के अलावा यह दो साप्ताहिक रिपोर्टें भी तैयार करती है—एक रिपोर्ट में उस सप्ताह के महत्वपूर्ण समाचारों का विश्लेषण किया जाता है जबकि दूसरी विशेष साप्ताहिक रिपोर्ट कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के रेडियो और टेलीविजन नेटवर्क से किए गए भारत-विरोधी दुष्प्रचार के बारे में होती है। इन रिपोर्टों को भारत सरकार के अनेक विभागों/मंत्रालयों में चुने हुए वरिष्ठ अधिकारियों के पास भेजा जाता है ताकि भारत के हितों से जुड़े समाचारों की उन्हें पूरी जानकारी हो। सी एम एस के दो क्षेत्रीय एकांश जम्मू और कलकत्ता में हैं।

2.14.1 कर्मचारी प्रशिक्षण केंद्र (कार्यक्रम) की स्थापना 1948 में दिल्ली में आकाशवाणी महानिदेशालय के सम्बद्ध कार्यालय के रूप में की गई थी और पहली जनवरी, 1990 से यह अधीनस्थ कार्यालय बन गया। यह संस्थान आकाशवाणी के कार्यक्रम कर्मचारियों के विभिन्न कैडरों, जिसमें आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रशासनिक कर्मचारी भी शामिल हैं, को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है। एक ऐसा संस्थान कटक में भी है और हैदराबाद, शिलांग, अहमदाबाद, तिरुअनंतपुरम और लखनऊ में स्थित पांच क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों में इन क्षेत्रों के रेडियो केंद्रों की जरूरतों को पूरा किया जाता है। यह केंद्र प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए विभिन्न विभागीय परीक्षाएं भी आयोजित करता है। एक वर्ष में औसतन दिल्ली और कटक के कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान और पांचों क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान मिलकर 75 से 80 पाठ्यक्रम आयोजित करते हैं और 1100-1200 कार्यक्रम व प्रशासनिक कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। 1998-99 के दौरान, कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली द्वारा 24 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और प्रसार भारती पर 3 सेमिनार आयोजित करने का प्रस्ताव है। प्रत्येक क्षेत्रीय संस्थान द्वारा कार्यक्रम और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए 12 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने की आशा है। अप्रैल, 1998 से नवंबर, 1998 के बीच दिल्ली के प्रशिक्षण संस्थान ने 15 पाठ्यक्रम आयोजित किए और 225 लोगों को प्रशिक्षण दिया। इस साल प्रशिक्षण का मुख्य जोर बेहतर कार्यक्रम पेश करने की तकनीकों, विज्ञापन सेवा का प्रसारण और विपणन, प्रोफोर्मा लेखा, नाटक तथा फीचर पर है।

2.14.2 किंग्सवे कैंप (दिल्ली) में स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) आकाशवाणी और दूरदर्शन के तकनीकी कर्मियों की प्रशिक्षण जरूरतों को पूरा करता है। हेल्परों, वरिष्ठ टेक्नीशियनों और वरिष्ठ इंजिनियरिंग सहायकों की उच्चत्तर कैडरों में तरक्की के लिए विभागीय प्रतियोगी परीक्षा और आकाशवाणी व दूरदर्शन में इंजीनियरिंग सहायकों की भर्ती के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेवारी भी इस संस्थान की है।

2.14.3 पहली अप्रैल 1998 से 30 नवंबर 1998 के दौरान कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) ने 71 पाठ्यक्रम आयोजित किए और 1,190 अफसरों को प्रशिक्षित किया। इस साल क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) भुवनेश्वर में स्थापित किया गया।

2.1.5 श्रोता अनुसंधान एकांश आकाशवाणी के कार्यक्रमों को बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश देता है और लक्षित श्रोताओं पर उनके असर का आकलन करता है। इस वर्ष एकांश ने बड़े और छोटे निम्न अध्ययनों की योजना बनाई और पूरे किए :

1) 23 स्थानों पर प्राइमरी और विज्ञापन सेवा के चैनलों को रेडियो प्रोग्राम लिसनरशिप (आर.पी.एल.) रेटिंग देने के लिए व्यापक सर्वेक्षण;

2) मार्च 1998 में 11 स्थानों के लिए किए गए आर पी एल रेटिंग सर्वेक्षणों की रिपोर्ट को पूरा करना;

3) आकाशवाणी बंगलौर में स्त्रियों के लिए उद्यमशीलता पर नए कार्यक्रम 'विकासिनी' का विश्लेषण और केस अध्ययन;

4) तथ्यों और आंकड़ों की लघु पुस्तिका का प्रकाशन संकलन और संपादन;

5) जम्मू कश्मीर में रेडियो और उसके श्रोताओं पर रिपोर्ट;

6) विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों पर स्थानीय कार्यक्रमों के दस त्वरित सर्वेक्षण;

7) पांच आकाशवाणी केंद्रों की रूपरेखा;

8) आकाशवाणी कलकत्ता के कार्यक्रम 'प्रात्यहिकी' पर टेलीफोन सर्वेक्षण।

1998-99 के आखिरी तीन महीनों (जनवरी-मार्च), में चार सामान्य श्रोता सर्वेक्षण और जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्रों में रेडियो सुनने के बारे में सर्वेक्षण मुख्य अध्ययन होंगे।

2.16 आकाशवाणी ने अनेक अधिकारियों को विदेश प्रशिक्षण और सम्मेलनों में हिस्सा लेने के लिए भेजा। इनमें इंजिनियरिंग और कार्यक्रम-दोनों ही ओर के कर्मी शामिल थे। आकाशवाणी ने अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और इस साल ए बी यू की प्रतियोगिता में बच्चों की श्रेणी के कार्यक्रम में पहला पुरस्कार जीता। आकाशवाणी भवानीपटना के प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव श्री पद्म लोचन दास द्वारा निर्मित फीचर 'ए मेगा बर्गमिया' यह पुरस्कार जीता। कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (टी) के निदेशक श्री आर.के. सिंह द्वारा लिखे गए तकनीकी लेख 'नॉलेज बेसड कंप्यूटर सिस्टम फॉर ब्रॉडकॉस्ट ट्रांसमीटर फाल्ट डाइगनोसिस' पर आकाशवाणी को प्रशस्ति-पत्र मिला। कॉमनवैल्थ ब्रॉडकास्टिंग एसोसिएशन हर साल लघु कथाओं की प्रतियोगिता आयोजित करती है। इस वर्ष की ओवर ऑल विजेता नई दिल्ली की श्रीमती सुजाता संक्रांति राव रही। आकाशवाणी ने इस प्रतियोगिता को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका अदा की। 1999 के शुरू में आकाशवाणी और बी.बी.सी. अपने कार्यक्रम अधिकारियों के लिए 'सेक्स एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ' पर कम अवधि का संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएंगे।

2.17 पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर एक धारावाहिक 'ये कहां आ गए हम' हिन्दी-भाषी क्षेत्रों के 31 आकाशवाणी केंद्रों और मुंबई से सप्ताह में दो बार प्रसारित किया जाता है। यह धारावाहिक विश्व पर्यावरण दिवस यानी 5 जून, 1998 से शुरू हुआ। पारिवारिक जिंदगी पर एक धारावाहिक 'तिनका-तिनका सुख' हिंदीभाषी क्षेत्रों के 27 आकाशवाणी केंद्रों मे प्रसारित किया जाता है। श्रोताओं के अनुरोध पर इस धारावाहिक को एक पुस्तक के रूप में लाया गया है। इसका विमोचन 12 नवंबर, 1998 को किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका, 'विज्ञान भारती' महीने के हर चौथे बुधवार को प्रसारित की जाती है।

2.18.1 फीचरों के राष्ट्रीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के उन मुददों को उठाया जाता है जो सालभर छाए रहे। इस एकांश की मुख्य उपलब्धि डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की रेडियो जीवनी है। इसके पश्चात उनकी जिंदगी, काम और भविष्य की योजनाओं के बारे में साक्षात्कार किया गया जिसे जून 1998 में प्रसारित किया गया। एक अन्य बड़ी उपलब्धि 'सिंधु नदी' पर बनाए गए वृत्तचित्र का जुलाई 1998 में प्रसारण था। इस कार्यक्रम में सिंधु घाटी में 5,000 सालों के इतिहास और मानव सभ्यता की जानकारी दी गई। इसमें उन समस्याओं पर खास जोर दिया गया जिनका भारत, जल-बंटवारे और नदी की चौकसी के बारे में सामना कर रहा है। भारत-पाक संबंधों पर बनाया एक फीचर 'इंडिया एंड पाकिस्तान—इन सर्च ऑफ डॉयलाग एंड कंफ्लूयंस' सितम्बर 1998 में प्रसारित किया गया। अप्रैल 1998 में बालिकाओं के अधिकारों पर कार्यक्रम और अक्तूबर 1998 में 'ऑटिस्म' पर बने वृत्तचित्र 'द अनचेनड मेलोडी' को प्रसारित किया गया। दिसंबर 1998 में 'कंसेप्ट ऑफ यूनिवर्सल ह्यूमेनिज्म फॉर ग्लोबल पीस' फीचर का प्रस्ताव था।

2.18.2 केंद्रीय अंग्रेजी फीचर एकांश में सामान्य कार्यक्रमों के साथ-साथ नवंबर 1998 से 'कश्मीर' पर कार्यक्रमों की शृंखला का प्रसारण शुरू किया है। एक वृत्तचित्र 'भारत के संयुक्त राष्ट्र के साथ संबंध' के जनवरी 1999 में प्रसारण की योजना है। 'भारतीय अर्थव्यवस्था—स्वदेशी के अनेक रूप' फीचर का फरवरी 1999 और 'पूर्वोत्तर की अनछुई संपत्ति' फीचर के मार्च 1999 में प्रसारण की योजना है।

2.19.1 केंद्रीय हिंदी फीचर एकांश ने जनवरी 1998 और अक्तूबर 1998 के बीच 22 राष्ट्रीय फीचर प्रसारित किए। अनेक विषयों, जैसे, भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्षों में ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र, आदि विषयों पर राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाने के अलावा विभिन्न अन्य विषयों पर फीचर बनाये गए, जैसे सजा पा रही औरतों के बच्चे, तिहाड़—विश्व में सर्वाधिक बंदियों वाला जेल, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, ताज पर प्रदूषण का

प्रभाव, पारिवारिक न्यायालय, हरिद्वार महाकुंभ, पीने के पानी की समस्या, तटीय मछुआरे, हैम रेडियो, सूदूर संवेदन और फूलों का निर्यात। इस अवधि के दौरान जाने-माने गांधीवादी नेता गुलजारी लाल नंदा और महान उर्दू शायर मिर्ज़ा गालिब जैसी हस्तियों और उनके सृजनात्मक पहलुओं पर कार्यक्रम बनाए गए। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा लिखा गया राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' और इस गीत की राष्ट्रीय आंदोलन में भूमिका पर एक कार्यक्रम प्रसारित किया गया। एकांश, फीचर निर्माण के मामले में विभिन्न आकाशवाणी केंद्रों से राष्ट्रीय स्तर की हिस्सेदारी सुनिश्चित करता है। इस शृंखला में इस साल आकाशवाणी जैसलमेर द्वारा गढ़सिसर सरोवर पर बनाया फीचर प्रसारित किया गया।

2.19.2 केंद्रीय हिंदी फीचर एकांश आजकल आंखों की बीमारी, 'कोयला-ऊर्जा स्रोत' तथा कश्मीर में संस्कृति और विकास के बारे में फीचरों के निर्माण में जुटा है। पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की संस्कृति और विकास पर फीचर के अलावा जनवरी से मार्च 1998 के बीच दो नई फीचर शृंखलाएं शुरू करने की योजना है। इनमें से एक बीसवीं शताब्दी के मूल्यांकन से संबंधित है जबकि दूसरी जाने-माने भक्त और सूफी संतों और उनके व्यक्तित्व तथा सृजनात्मक पहलुओं पर होगी।

भाषण

2.20 1998 का सरदार पटेल स्मारक व्याख्यान जाने-माने वैज्ञानिक डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा 28 अक्तूबर, 1998 को दिया गया। इस वर्ष का विषय था 'राष्ट्र के लिए दूसरा दृष्टिकोण : विकसित भारत'। डा. राजेन्द्र प्रसाद स्मारक व्याखान 1998 'सांस्कृतिक बहुलतावाद और विमर्श' विषय पर 27 नवंबर, 1998 को. जाने-माने लेखक और समीक्षक डा. नामवर सिंह ने दिया। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आकाशवाणी 'सर्वभाषा कवि सम्मेलन' आयोजित करता है। इस साल यह 18 जनवरी, 1999 को लखनऊ में आयोजित किया गया जिसका प्रसारण 25 जनवरी, 1999 को किया गया। भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर साहित्य, फिल्मों, संस्कृति, विज्ञान और युवाओं पर एक-एक राष्ट्रीय पत्रिका कार्यक्रम जनवरी 1998 से शुरू किए गए हैं। इसे राष्ट्रीय हुक-अप पर सप्ताह में हर बुधवार को प्रसारित किया जाता है।

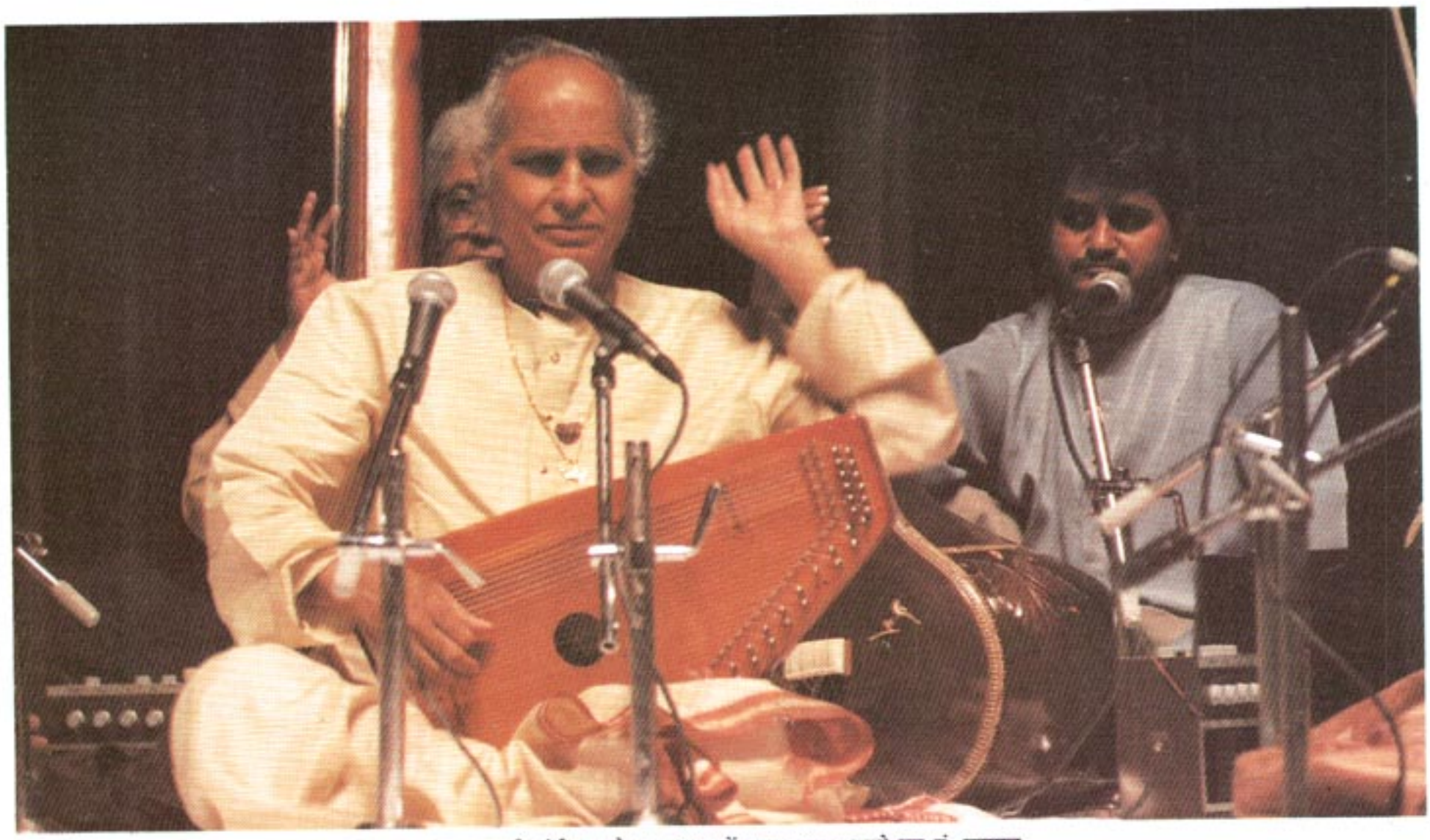

आकाशवाणी संगीत सम्मेलन, 1998 में गायन प्रस्तुत करते हुए पं. जसराज

संगीत

2.22.1 भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों ने आमंत्रित श्रोताओं के सम्मुख 150 से ज्यादा संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें देश के सुगम, शास्त्रीय और लोक संगीत के जाने-माने और लोकप्रिय कलाकारों ने हिस्सा लिया। आकाशवाणी ने दिल्ली में 1 अगस्त, 1998 को एक शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें उस्ताद अमजद अली खान और डा. एम. बालमुरलीकृष्णन ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के समापन के सिलसिले में था। भारत के राष्ट्रपति ने कार्यक्रम में हिस्सा लेकर इसकी शोभा बढ़ाई। उन्हें राष्ट्रप्रेम के गीतों और राष्ट्रीय नेताओं के भाषणों वाले कैसेट और सी डी पेश किए गए। आकाशवाणी संगीत सम्मेलन ने आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष 22 संगीत कार्यक्रम पेश किए और इनका 45 से भी ज्यादा दिनों तक प्रसारण किया गया। आकाशवाणी से देशभक्ति वाले शास्त्रीय, क्षेत्रीय और सुगम संगीत के कार्यक्रम आयोजित किए गए। आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों से संगीत के राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शुरू किया गया। हर शनिवार और रविवार को 60 मिनट के दो राष्ट्रीय कार्यक्रम होते हैं। पहले एक राष्ट्रीय कार्यक्रम सिर्फ शनिवार को ही होता था।

2.21.2 सामुदायिक गायन एकांश सामुदायिक गीतों को तैयार करने और प्रसारण का आयोजन और समन्वय करता है। इस समय विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में लगभग 50 सामुदायिक गीत प्रचलन में हैं जिन्हें आकाशवाणी केंद्रों से निरंतर प्रसारित किया जाता है।

फार्म एंड होम कार्यक्रम

2.22.1 आकाशवाणी के सभी केंद्रों से खेत और गृह (फार्म एंड होम) कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं जो ग्रामीण श्रोताओं के लिए बनाए जाते हैं। गहन खेती और अधिक उपज की किस्मों के कार्यक्रमों को सर्मथन देने के लिए देशभर में विभिन्न केंद्रों में फार्म एंड होम एकांश काम कर रहे हैं। प्रत्येक केंद्र से औसतन रोज 60 से 100 मिनट का फार्म और होम प्रसारण होता है। तकनीकी तथा अन्य सूचना देने के अलावा इन प्रसारणों में दालों, तिलहनों, अनाजों, सब्जियों, फलों आदि के उत्पादन बढ़ाने के तरीकों की जानकारी देने, कृषि, सामाजिक वानिकी, पर्यावरण संरक्षण और कृषि वानिकी का विस्तार, गरीबी उन्मूलन योजनाओं, स्वास्थ्य और स्वच्छता, प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम तथा गांव के विकास में पंचायतों की भूमिका पर जोर दिया जाता है। कार्यक्रमों में सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिए उठाए जा रहे आर्थिक कदमों पर जोर दिया जाता है। इस वर्ष सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा अनेक राज्यों में ग्रामीण विकास के लिए शुरू किए गए विशेष मल्टी-मीडिया अभियान के लिए आकाशवाणी ने व्यापक संचारात्मक सहयोग दिया। फार्म एंड होम कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं और ग्रामीण बच्चों के कार्यक्रम भी शामिल हैं। कई आकाशवाणी केंद्रों पर यूनिसेफ और राज्य सरकारों के सहयोग से मातृ और शिशु देखभाल शृंखला शुरू की गई है। प्रत्येक केंद्र कम से कम एक कार्यक्रम प्रतिदिन पर्यावरण पर प्रसारित करता है।

स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण पर कार्यक्रम

2.23 सभी आकाशवाणी केंद्र अपने देश की सभी भाषाओं/बोलियों में परिवार कल्याण कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। 22 आकाशवाणी केंद्रों में सुसज्जित परिवार कल्याण एकांश काम कर रहे हैं। आकाशवाणी केंद्रों के परिवार कल्याण एकांशों ने प्रत्येक महीने 8,500 से ज्यादा कार्यक्रम परिवार कल्याण पर प्रसारित किए जिनकी अवधि लगभग 11,000 मिनट है। इनमें से कुछ सामान्य तथा कुछ विशेष श्रोता कार्यक्रम हैं। इसके अलावा स्थानीय केन्द्रों सहित आकाशवाणी केंद्रों से स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण तथा अन्य उद्देश्यों के कार्यक्रम चलाए जाते हैं। प्रत्येक आकाशवाणी केंद्र सप्ताह में एक बार 15 मिनट की अवधि का स्वास्थ्य मंच कार्यक्रम प्रसारित करता है। आम बीमारियों के बारे में श्रोताओं को सूचना देने के लिए डॉक्टरों को आमंत्रित किया जाता है। एड्स के बारे में जागृति पैदा करने के लिए अनेक धारावाहिक कमीशन किए गए हैं। इस बात पर जोर देने के लिए कि उचित जानकारी और सूचना से एड्स से बचा जा सकता है, आकाशवाणी ने अनेक विशेष कार्यक्रम चलाए, जैसे 'काव्य नाटिका' (ओपेरा)/सेमिनार/नाटक विशेष रूप से आमंत्रित श्रोताओं के कार्यक्रम/फोन-इन कार्यक्रम तथा एड्स ग्रस्त व्यक्तियों के अनुभवों वाले साक्षात्कार। कुछ केंद्रों ने पंजीकृत श्रोताओं के लिए 'एड्स पर रेडियो अध्याय' शुरू किए हैं। आकाशवाणी अपने लगभग सभी केंद्रों से बच्चों के विभिन्न श्रेणियों के कार्यक्रम प्रसारित करता है जैसे 5 से 7 साल की आयु वाले बच्चों के कार्यक्रम, 8 से 14 साल के बच्चों के कार्यक्रम और ग्रामीण बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम।

भारत

वर्तमान दूरदर्शन नेटवर्क

(दिसम्बर 31 ,1998 की स्थिति के अनुसार)

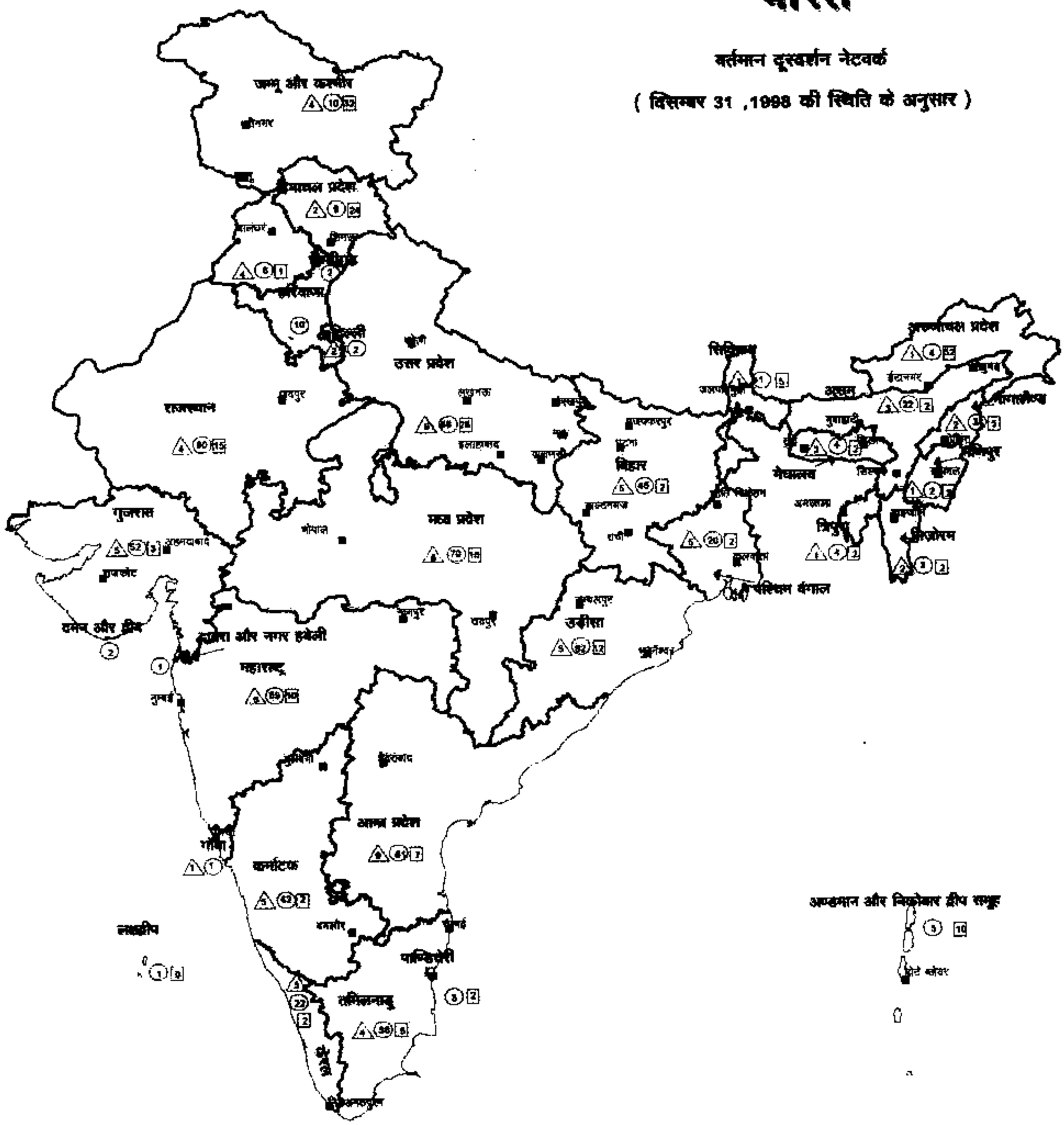

संकेत चिन्ह :-

- ■ कार्यक्रम निर्माण केन्द्र
- △ उच्च शक्ति प्रेषित्र
- ○ अल्प शक्ति प्रेषित्र
- □ अति अल्प शक्ति प्रेषित्र/ट्रांसपोज़र

रूपक

2.2.4 आकाशवाणी के 80 से ज्यादा केंद्रों से विभिन्न भाषाओं के नाटक प्रसारित किए जाते हैं। बेहतरीन उपन्यासों, लघु कहानियों और मंच के नाटकों के रेडियो रूपांतर प्रसारित किए जाते हैं। आकाशवाणी के अनेक केन्द्र मूल नाटकों के अलावा नियमित रूप से परिवारिक ड्रामा प्रसारित करते हैं ताकि समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वास को दूर किया जा सके। वर्तमान सामाजिक-आर्थिक मुद्दों जैसे बेरोजगारी, निरक्षरता, पर्यावरण प्रदूषण, बालिकाओं की समस्याओं आदि को उभारने वाले धारावाहिक प्रसारित किए जाते हैं। नाटकों का राष्ट्रीय कार्यक्रम महीने के हर चौथे बृहस्पतिवार को हिंदी में और इसके अन्य भाषाओं में अनुवाद संबंधित केंद्रों से साथ-साथ प्रसारित किए जाते हैं। दिल्ली के केंद्रीय रूपक एकांश में 30 मिनट अवधि वाले विशेष मॉडल नाटक तैयार किये जाते हैं जिन्हें आकाशवाणी के 33 केंद्रों द्वारा 6 महीने की शृंखला में प्रसारित किया जाता है। पंद्रह प्रमुख भाषाओं में रेडियो नाटककारों की अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। सभी पुरस्कृत प्रविष्टियों का हिंदी में अनुवाद करके उन्हें सभी केंद्रों में भेजा जाता है जहां उनका विभिन्न भाषाओं में रूपांतर किया जाता है। रूपक एकांश ने फरवरी 1999 में 'नाट्य संध्या' का आयोजन किया। जनवरी 1999 में एक नाट्य कार्यशाला आयोजित की गई। रेडियो नाटककारों की अखिल भारतीय प्रतियोगिता के लिए प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

खेल

2.25 1998-99 के दौरान देश-विदेश में हुई खेल प्रतियोगिताओं की आकाशवाणी से व्यापक कवरेज की गई। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिताओं के अलावा आकाशवाणी पर कबड्डी, खो-खो आदि परम्परागत खेलों को भी प्रोत्साहन दिया जाता है और उनका आंखों देखा हाल भी प्रसारित किया जाता है ताकि युवाओं में इन खेलों की लोकप्रियता बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने के उद्देश्य से देश में उपलब्ध खेल प्रतिभाओं का विकास किया जा सके।

आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार

2.30 आकाशवाणी से हर कलेण्डर वर्ष में विभिन्न विषयों और विधाओं के उत्कृष्ट प्रसारणों के लिए वार्षिक पुरस्कार दिए जाते हैं। राष्ट्रीय एकता के लिए 'लस्सा कौल पुरस्कार' और समाचार रिपोर्टिंग के लिए 'वर्ष का सर्वश्रेष्ठ संवाददाता' पुरस्कार प्रदान किया जाता है। विशेष विषय वृत्तचित्र पर भी एक पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष का विषय है 'वन्य जीवों की सुरक्षा'। विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में बच्चों की प्रतियोगिता (वरिष्ठ और कनिष्ठ वर्गों की) आयोजित कराके श्रेष्ठ वृंदगान के लिए संबद्ध ग्रुप को पुरस्कार प्रदान किया जाता है। 1995 से श्रोता अनुसंधान/सर्वेक्षण रिपोर्टों पर भी पुरस्कार शुरू किया गया है। आकाशवाणी श्रेष्ठ विज्ञापन प्रसारण सेवा केन्द्र को और तकनीकी दृष्टि से श्रेष्ठ केन्द्र को भी पुरस्कार देता है।

नीति

2.27 वर्ष 1998-99 के दौरान निम्नलिखित घटनाओं का सीधा प्रसारण किया गया—(क) लोकसभा के 1998 के आम चुनावों को व्यापक कवरेज दिया गया। विशेष चुनाव बुलेटिन और पार्टियों द्वारा राजनीतिक प्रसारण को भी प्रसारित किया गया। ख) रेल मंत्री द्वारा 29 मई, 1998 को रेल बजट पेश करना और वित्त मंत्री द्वारा 1 जून, 1998 को आम बजट पेश करना। (ग) प्रधानमंत्री के रूप में श्री अटल बिहारी वाजपेयी का राष्ट्रपति भवन में 16 मार्च, 1998 को शपथ लेना। (घ) हरिद्वार में 14 अप्रैल, 1998 को महाकुंभ स्नान की कवरेज। (ङ) विज्ञान भवन में 10 जुलाई, 1998 को 45वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का वितरण। (च) संसद भवन में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 15 जुलाई 1998 को के. कामराज की मूर्ति का अनावरण समारोह की कवरेज। (छ) 27 जुलाई, 1998 को संसद भवन में एन.जी. रंगा की मूर्ति का उपराष्ट्रपति द्वारा अनावरण के समारोह की कवरेज। (ज) 14 जुलाई, 1998 को संसद भवन में वल्लभभाई पटेल की मूर्ति का राष्ट्रपति द्वारा अनावरण के समारोह की कवरेज। (झ) 15 अगस्त, 1998 को विजय चौक से भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ का समापन समारोह। (ञ) 28 अगस्त, 1998 को संसद भवन में श्री बिरसा मुंडा की मूर्ति का भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनावरण के समारोह की कवरेज। (ट) 8 सितम्बर, 1998 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की कवरेज। (ठ) 21 सितंबर, 1998 को प्रधानमंत्री के श्रम पुरस्कार अर्पण समारोह। (ड) 31 अक्तूबर

को तीनमूर्ति भवन में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार का वितरण। (त) 31 अक्तूबर, 1998 को श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि स्मारक संगीत समारोह की कवरेज। (थ) सारनाथ और बौध गया में बौद्ध महोत्सव के क्रमश: उद्घाटन और समापन समारोहों की कवरेज। (द) राष्ट्रपति के अंगरक्षकों को 18 नवंबर, 1998 को सिल्वर ट्रम्प और बैनर दिये जाने की रस्म। (ध) 22 नवंबर, 1998 को आनंदपुर साहब में निशान-ए-खालसा समारोह की कवरेज। (स) 3 दिसंबर, 1998 को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा विकलांगों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोहों की कवरेज। (प) आकाशवाणी ने अक्तूबर और नवम्बर 1998 में सरदार पटेल और डा. राजेंद्र प्रसाद स्मारक व्याख्यान प्रसारित किए।

ई.डी.पी. एकांश

2.28 ई.डी.पी. एकांश पर आकाशवाणी के केंद्रों/कार्यालयों के लिए योजनाएं बनाने और कम्प्यूटरीकृत करने का दायित्व है। वर्ष 1997-98 के दौरान एकांश ने निम्न कार्य किए:

1. आकाशवाणी के विशेष उपयोग के लिए सूचना विनिमय कॉरपोरेट वाइड नेटवर्क 'एयरनेट' का डिजाइन किया गया जो विभिन्न इकाइयों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान और सूचना/आंकड़ों को शीघ्र प्राप्त करने में मदद करेगा। विचाराधीन 'एयरनेट' में आकाशवाणी क्षेत्रीय कार्यालयों में इंटरनेट सेटअप डेडिकेटिड लाइनों से आपस में जुड़ा होगा।

2. समाचार कक्ष ऑटोमेशन

ईडीपी एकांश ने समाचारों को तैयार करने, संपादन और प्रसारण के लिए नई प्रौद्योगिकी और नवीनतम उपकरणों के इस्तेमाल की योजना बनाई है। इससे समाचारों की रिपोर्ट आने और उनके प्रेषण के बीच लगने वाला समय कम हो जाएगा। इससे समाचार बनाने की प्रक्रिया और प्रभावी हो जाएगी और अंतिम क्षण में भी नवीनतम समाचारों को बुलेटिनों में शामिल करना संभव हो जाएगा। इसके लिए समाचार सेवा प्रभाग और क्षेत्रीय समाचार इकाइयों में लगने वाले जरूरी कम्प्यूटर हार्डवेयर की सॉफ्टवेयर तथा साथ लगने वाले कलपुर्जों का आकलन किया जा रहा है।

3. ई-मेल सुविधा

ईडीपी एकांश ने आकाशवाणी केंद्रों/कार्यालयों में ई-मेल की सुविधा देने की योजना बनाई है ताकि कार्यालयों, मुख्यालयों तथा संगठनों के बीच प्रभावी तरीके से और तेजी से संचार हो सके।

4. फोन पर आकाशवाणी संगीत

अंत:क्रिया प्रसारण में प्रौद्योगिकी के विकास और नए आविष्कारों के कारण अब यह संभव हो गया है कि श्रोता अपने पसंदीदा कार्यक्रमों और गीत/संगीत को कंप्यूटर प्रणाली में प्राप्त कर सकते हैं।

ई.डी.पी. एकांश ने फोन से संगीत मुहैया कराने की प्रणाली विकसित की है जिससे श्रोता अपनी पसंद का संगीत टेलिफोन सेट पर ही प्राप्त कर सकेंगे। लोकप्रिय गीत संगीत एक कंप्यूटर ऑडियो सर्वर में संग्रहित रहेगा जो एमटीएनएल/डीओटी से इंटरफेस के जरिए जुड़ा रहेगा। आकाशवाणी ने समाचारों को फोन पर देने के लिए इंटेरैक्टिव प्रसारण सेवा शुरू की है। इस सेवा के जरिये श्रोतागण नवीनतम समाचार सुन सकते हैं। आकाशवाणी ने 1 मई, 1998 से इंटरनेट पर चौबीसों घंटे सेवाएं देना शुरू किया है। इस सेवा के शुरू हो जाने से अब अमरीका और कनाडा सहित विश्व के सभी भागों में आकाशवाणी के कार्यक्रम पहुंच सकेंगे। इन क्षेत्रों में आकाशवाणी विदेश सेवा के सिग्नल पहले ठीक से नहीं मिलते थे।

ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कन्सल्टेंट इंडिया लिमिटेड

2.29 ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कन्सल्टेंट इंडिया लिमिटेड का गठन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत किया गया था ताकि आकाशवाणी और दूरदर्शन की विशेषज्ञता का लाभ ध्वनि विज्ञान, आडियो, वीडियो, एमएमडीएस, उपग्रह अपलिंकिंग आदि क्षेत्रों में परामर्श तथा परियोजनाओं को पूरी तरह निपटाने के लिए किया जा सके। इस संगठन का गठन भारत सरकार के उपक्रम के रूप में 24 मार्च, 1995 को भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत किया गया।

2.29.2 अपने अस्तित्व की छोटी सी अवधि में ही इस संस्थान ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। अपने संचालन के पहले

वर्ष में ही कंपनी ने फायदा कमाया और 20% लाभांश घोषित किया। बाद के दो वर्षों में भी कंपनी ने लाभांश दिया। वर्ष 1997-98 के दौरान कंपनी को 15.63 लाख रुपये का लाभ हुआ और इसने 7.30 लाख रुपये लाभांश के रूप में सरकार को दिए।

2.29.3 इस साल संस्थान की गतिविधियों का केंद्र ऑडियो तथा एकाउस्टिक प्रणालियों, वीडियो, स्टूडियो प्रणालियों, उपग्रह अपलिंक और डाउनलिंक के क्षेत्र में परामर्श देने और टर्न-की परियोजनाएं हासिल करने और विदेशी बाजार में घुसने पर है। इसी उद्देश्य से संस्थान ने ब्रॉडकॉस्ट एशिया-98 एक्सपो, सिंगापुर में हिस्सा लिया। इसे एनबीसीसी के जरिये मॉरिशस में इंदिरा गांधी भारतीय संस्कृति केंद्र को मंच के प्रकाश और स्टेज की साज-सज्जा करने का काम मिला।

2.29.4 वर्ष के दौरान 15 बड़ी परियोजनाएं पूरी की गईं। छह परियोजनाओं पर काम चल रहा है और पांच विचाराधीन हैं।

3

दूरदर्शन

3.1 अब दूरदर्शन प्रसार भारती — स्वायत्त भारतीय प्रसारण निगम का एक हिस्सा है। प्रसार भारती अधिनियम, 1990 को 15 सितंबर, 1997 से लागू किया गया और प्रसार भारती बोर्ड ने आकाशवाणी और दूरदर्शन का प्रशासन 23 नवंबर, 1997 से संभाल लिया।

मुख्य विशेषताएं

3.2.1 इस वर्ष दूरदर्शन के जालंधर केंद्र में एक भू-केंद्र ने काम करना शुरू कर दिया, जिससे पंजाबी समाचार सहित जालंधर के कार्यक्रम पंजाब में सभी ट्रांसमीटरों पर प्रसारित होने लगे। इससे पहले पंजाब के कुछ कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर सिर्फ दिल्ली के कार्यक्रम ही प्रसारित कर पाते थे।

3.2.2 इस वर्ष दूरदर्शन ने क्षेत्रीय सेवाओं के लिए समय बढ़ाने का भी फैसला किया। अब क्षेत्रीय केंद्र दिन में ढाई बजे से शाम साढ़े छह बजे तक प्रादेशिक भाषा में कार्यक्रम प्रसारित कर सकते हैं, जबकि इससे पहले सिर्फ शाम साढ़े चार बजे से ही कार्यक्रम प्रसारित किए जाते थे।

3.2.3 दूरदर्शन ने क्षेत्रीय भाषाओं की पुरस्कृत फिल्मों का प्रसारण भी दोबारा शुरू किया जोकि बंद कर दिया गया था।

सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रमोद महाजन बी.ई.एस. एक्सपो '99 प्रदर्शनी देखते हुए

इस वर्ष उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के लिए अलग कार्यक्रम भी राष्ट्रीय नेटवर्क पर शुरू किए गए।

3.2.4 25.02.98 से दूरदर्शन के कार्यक्रम इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं। (website - http./dd india.net)।

दूरदर्शन चैनल

3.3.1 दूरदर्शन निम्न 18 चैनलों के जरिए अपने कार्यक्रम प्रसारित करता है, जिसमें दो आल इंडिया चैनल, 11 क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल (आर.एल.एस.सी.), चार राज्य नेटवर्क (एस.एन.) और एक अंतर्राष्ट्रीय चैनल शामिल है।

डी.डी.-1	प्राथमिक सेवा।
डी.डी.-2	मैट्रो मनोरंजन चैनल।
डी.डी.-4	आर.एल.एस.सी--मलयालम।
डी.डी.-5	आर.एल.एस.सी--तमिल।
डी.डी.-6	आर.एल.एस.सी--उड़िया।
डी.डी.-7	आर.एल.एस.सी--बंगला।
डी.डी.-8	आर.एल.एस.सी--तेलुगु।
डी.डी.-9	आर.एल.एस.सी--कन्नड़।
डी.डी.-10	आर.एल.एस.सी--मराठी।
डी.डी.-11	आर.एल.एस.सी--गुजराती।
डी.डी.-12	कश्मीरी (डी.डी.के. श्रीनगर)।
डी.डी.-13	आर.एल.एस.सी--असमिया और पूर्वोत्तर की भाषाएं।
डी.डी.-14	एस.एन.--राजस्थान।
डी.डी.-15	एस.एन.--मध्य प्रदेश।
डी.डी.-16	एस.एन.--उत्तर प्रदेश।
डी.डी.-17	एस.एन.--बिहार।
डी.डी.-18	आर.एल.एस.सी--पंजाबी।
डी.डी.-इंडिया	अंतर्राष्ट्रीय सेवा।

3.3.2 दूरदर्शन चैनल--एक पर समय आबंटन के आधार पर राष्ट्रीय, क्षेत्रीय तथा स्थानीय कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। मैट्रो मनोरंजन चैनल पर दिल्ली से मनोरंजन कार्यक्रम तथा चार मैट्रो शहरों के सिंगल मैट्रो कार्यक्रम भी प्रसारित किए जाते हैं। क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल के दो भाग हैं--संबंधित राज्य विशेष में सभी भू-स्थित ट्रांसमीटरों से क्षेत्रीय कार्यक्रमों का प्रसारण और केबल आपरेटरों के जरिए प्राइम टाइम तथा गैर प्राइम टाइम में क्षेत्रीय भाषाओं के अतिरिक्त कार्यक्रम।

3.3.3 चार हिन्दी भाषी राज्यों में ऐसे राज्य नेटवर्क हैं जिनसे राज्यों की राजधानियों में तैयार किए गए कार्यक्रमों को राज्य में सभी ट्रांसमीटरों से प्रसारित किया जा सकता है। जम्मू कश्मीर में दूरदर्शन श्रीनगर के समाचार बुलेटिनों को राज्य में सभी ट्रांसमीटरों से प्रसारित करने का प्रावधान है। दूरदर्शन-इंडिया का उद्देश्य ऐसे दर्शकों तक पहुंचना है जो विदेशों में रहते हैं किन्तु भारत से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक होते हैं।

3.3.4 इसके अलावा अनेक स्थानीय केंद्र सिंगल ट्रांसमीटरों पर कार्यक्रम प्रसारित कर रहे हैं। दिल्ली में संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही के सीधे प्रसारण के लिए कम शक्ति के दो ट्रांसमीटर काम कर रहे हैं। श्रीनगर में भी एक कम शक्ति के ट्रांसमीटर से कश्मीर घाटी के लोगों की रुचि के कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं।

संगठन

3.4.1 1959 में सबसे पहले दिल्ली में टेलीविजन कार्यक्रम शुरू किए गए। 1972 में ही ये कार्यक्रम दूसरे शहर से भी प्रसारित किए जाने लगे। 1970 के दशक के मध्य तक देशभर में केवल 7 टेलीविजन केन्द्र थे। 1976 में टेलीविजन को रेडियो से अलग किया गया और दूरदर्शन अस्तित्व में आया। 1982 के बाद से दूरदर्शन ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

3.4.2 प्रसार भारती की स्थापना से पहले दूरदर्शन अपने महानिदेशक की अध्यक्षता में सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक अधीनस्थ कार्यालय था। दूरदर्शन के हार्डवेयर अर्थात मशीनों, उपकरणों इत्यादि के रख-रखाव और विस्तार की जिम्मेदारी प्रमुख इंजीनियर की है जिसे इस कार्य में अन्य मुख्य इंजीनियर और कर्मचारी सहयोग देते हैं। दूरदर्शन महानिदेशक के सहयोग के लिए कार्यक्रम विभाग में उप महानिदेशक तथा अन्य अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। प्रशासन विभाग का प्रमुख अतिरिक्त महानिदेशक और वित्त विभाग का प्रमुख उप महानिदेशक होता है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम

3.5 राष्ट्रीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देकर भारतवासियों में एकता, बंधुत्व और गर्व की भावना पैदा करना है। राष्ट्रीय कार्यक्रम 15 अगस्त, 1982 को शुरू किया गया था और चरणबद्ध रूप से इसका विस्तार करते हुए इसमें सुबह और दोपहर के कार्यक्रम भी शामिल किए गए। इस समय प्रत्येक सप्ताह राष्ट्रीय नेटवर्क पर लगभग

80 घंटे कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इस चैनल पर देश की प्रमुख घटनाओं का सीधा प्रसारण किया जाता है।

क्षेत्रीय खंड

3.6 सभी दूरदर्शन केन्द्र अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषा में कार्यक्रम तैयार करते हैं। पहले प्रमुख केन्द्रों से एक सप्ताह में लगभग 25 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते थे किन्तु इस वर्ष से केन्द्रों को दस घंटे अधिक अवधि के कार्यक्रम तैयार करने का विकल्प दे दिया गया है। स्थानीय केन्द्रों से एक सप्ताह में एक से दस घंटे तक के कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। क्षेत्रीय कार्यक्रमों में मुख्यत: ग्रामीण विकास पर ध्यान दिया जाता है लेकिन कृषि, स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और पर्यावरण जैसे विषयों को भी समुचित रूप में शामिल किया जाता है। सूचना कार्यक्रमों में समाचार बुलेटिन, सामयिक विषयों पर परिचर्चा तथा महिलाओं, बच्चों और युवाओं की आवश्यकतानुसार विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। मनोरंजन प्रधान कार्यक्रमों में धारावाहिक, फीचर फिल्में, नृत्य और गीत-संगीत के कार्यक्रम शामिल हैं। उपग्रह अपलिंकिंग की सुविधा उपलब्ध हो जाने से अब यह संभव हो गया है कि बड़े राज्यों में दर्शकों को एक जैसे कार्यक्रम दिखाए जा सकें। अनेक क्षेत्रीय केंद्रों को विज्ञापनों से काफी लाभ हो रहा है।

शैक्षिक टेलीविजन

3.7.1 दूरदर्शन ने शुरू से ही शैक्षिक कार्यक्रमों को उच्च प्राथमिकता दी है। स्कूल प्रसारण 1961 से ही दिल्ली से शुरू हुए। 'साइट' को जारी रखने के लिए 1982 में स्कूली बच्चों के लिए कार्यक्रम आरंभ किए गए। वर्तमान में क्षेत्रीय खंड में दिल्ली, मुंबई और चेन्नई में स्कूली कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं तथा राज्य शिक्षा संस्थान द्वारा निर्मित कार्यक्रम हिंदी, मराठी, गुजराती, उड़िया और तेलुगु भाषाओं में संबंधित भाषाई क्षेत्र के लिए सभी ट्रांसमीटरों से प्रसारित किए जाते हैं। इस वर्ष राष्ट्रीय नेटवर्क पर माध्यमिक स्कूलों के कार्यक्रम के लिए अलग समय निश्चित किया गया है। ये कार्यक्रम केंद्रीय शिक्षण तकनीकी संस्थान द्वारा तैयार किए गए हैं।

3.7.2 दूरदर्शन राष्ट्रीय नेटवर्क पर उच्च शिक्षा के कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के देशव्यापी क्लासरूम कार्यक्रम के अंतर्गत कस्बों और गावों तक उच्च शिक्षा पहुंचाई है। शिक्षा प्रसार के अन्य साधनों के अतिरिक्त इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा भी कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

समाचार और सामयिक घटनाक्रम

3.8.1 दूरदर्शन समाचार अपने दिल्ली मुख्यालय से प्रतिदिन 'हैडलाइंस' सहित 13 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। इन तमाम बुलेटिनों का मुख्य उद्देश्य देश और विदेशों के समाचार प्रसारित करना है। विदेशों में दूरदर्शन-इंटरनेशनल के जरिए समाचार प्रसारित किये जाते हैं। दूरदर्शन समाचार सी.एन.एन. और ए.बी.यू. को भी प्रतिदिन समाचार कैप्सूल देता है।

3.8.2 दूरदर्शन समाचार रात आठ बजकर पचास मिनट और नौ बजकर बीस मिनट पर प्रमुख समाचारों पर आधारित दस मिनट की परिचर्चा का कार्यक्रम भी प्रसारित करता है। दस मिनट का एक साप्ताहिक कार्यक्रम 'पर्सनालिटी ऑफ दि वीक' का निर्माण भी दूरदर्शन समाचार करता है और इसे हर शनिवार को रात आठ बजकर पचास मिनट पर प्रसारित किया जाता है।

3.8.3 दूरदर्शन 'सार्क डायरी' शीर्षक से सामयिक विषयों का कार्यक्रम प्रसारित करता है। यह कार्यक्रम सभी सार्क देशों की खुशहाली का वर्णन पेश करता है। इसकी काफी सराहना की गई है। गृह मंत्रालय की तरफ से 'डेट लाइन पंजाब' नाम से कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू की जा रही है। इसका प्रसारण डी.डी. इंटरनेशनल और डी.डी.के. जालंधर से होगा।

3.8.4 दूरदर्शन ने 20 फरवरी 1999 की प्रधानमंत्री की अमृतसर से वाघा सीमा-चौकी तक बस यात्रा का सीधा प्रसारण किया। यह अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसारण कार्यक्रम था जिसमें अनेक स्थानों पर विभिन्न उपकरणों तथा सेवाओं की मदद ली गई, यहां तक कि हेलीकॉप्टर से भी शॉट लिए गए। इस कवरेज की सभी ने बड़ी सराहना की।

3.8.5 पहली बार दूरदर्शन ने 1998-99 के केंद्रीय बजट के सीधे प्रसारण की खुद व्यवस्था की। इससे पहले बाहर की एजेंसी को यह काम सौंपा जाता था। वित्तमंत्री के बजट भाषण के अलावा विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न बजट प्रावधानों का विश्लेषण और सभी वर्गों के दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी प्रसारित की गई। केन्द्रीय बजट के सीधे प्रसारण से पहले परिचयात्मक कार्यक्रम पेश किया गया। कार्यक्रम के बाद बजट का विस्तृत विश्लेषण किया गया। इसमें प्रधान मंत्री, वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, पूर्व वित्त मंत्रियों, अनेक केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, चोटी के अर्थशास्त्रियों, उद्योगपतियों आदि ने भाग लिया। अनेक बड़े नगरों

के आम लोगों की प्रतिक्रियाओं का भी सीधा प्रसारण किया गया।

3.8.6 दूरदर्शन चैनल-एक ने मिजोरम, दिल्ली, मध्यप्रदेश और राजस्थान के चुनाव परिणामों का विशेष विश्लेषण प्रसारित किया। यह विश्लेषण 23 घंटे प्रसारित किया गया। दूरदर्शन ने इन चार राज्यों में मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद 'एक्जिट पोल' का भी प्रसारण किया।

खेल

3.9.1 वर्ष 1998-99 के दौरान खेल जगत की सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्वपूर्ण स्पर्धाओं का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया। दूरदर्शन ने 6 से 20 दिसम्बर 1998 तक बैंकाक में आयोजित तेरहवें एशियाई खेलों का सफल कवरेज किया। दूरदर्शन ने इन खेलों के उद्घाटन और समापन समारोह तथा हाकी, फुटबाल और टेनिस मैचों का भी प्रसारण किया। एथलेटिक, तैराकी स्पर्धाओं आदि का भी सीधा प्रसारण किया गया। भारत की उपलब्धि पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा इन खेलों के दौरान रोजाना पचास मिनट का एक विशेष कार्यक्रम 'इंडिया एट दि गेम्स' का भी प्रसारण किया गया। फ्रांस में विश्व कप फुटबाल 98 के अधिकतर मैचों का भी दूरदर्शन ने सीधा प्रसारण किया तथा कुछ अन्य मैच बाद में प्रसारित किये गये।

3.9.2 देश के अंदर भी विभिन्न खेलों की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का भी सीधा प्रसारण किया गया या इनका बाद में प्रसारण किया गया।

विज्ञापन सेवा

3.10.1 दूरदर्शन पर विज्ञापन 1 जनवरी, 1976 से दिल्ली केन्द्र से शुरू किए गए। विज्ञापन सेवा अब राष्ट्रीय चैनल के साथ-साथ मैट्रो चैनल पर भी शुरू कर दी गई है। डी.डी.-इंटरनेशनल तथा अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गोवा, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जालंधर, पटना, रायपुर, गोरखपुर और अगरतला केन्द्रों पर भी विज्ञापन सेवा उपलब्ध है।

3.10.2 विज्ञापन सेवा विज्ञापनों के समय का निर्धारण और नियोजन का निरीक्षण और निर्देशन करती है। साथ ही, यह अनुबंध स्वीकार करती है और विज्ञापन सामग्री और उसके आलेख को स्वीकृति देती है। दिल्ली स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा राष्ट्रीय नेटवर्क, डी.डी.-2, डी.डी.-इंटरनेशनल, और सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए विज्ञापनों की बुकिंग करती है। सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए कार्यक्रम प्रायोजित करने के मामले भी दिल्ली स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा ही देखती है। हर एक केन्द्र पर कार्यक्रम समय की बुकिंग तथा अपने-अपने केन्द्रों से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का प्रायोजन स्वीकार करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

3.10.3 विज्ञापनों से संबंधित कामकाज के अलावा दूरदर्शन विज्ञापन सेवा विज्ञापन समय के बिल बनाने, विज्ञापन राशि की वसूली करने, प्रायोजन दर, प्रसारण शुल्क, कार्यक्रम समय की शुल्क दर आदि निर्धारण करने तथा न्यूनतम गारंटी कार्यक्रम तय करने का काम भी करती है। दूरदर्शन की आय में, खासतौर से पिछले वर्षों से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बाजार की तंग स्थिति और बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा के कारण वर्ष 1997-98 में आय में कमी आई है।

पिछले आठ वर्षों में दूरदर्शन की आय का विवरण

वर्ष	-	आय (करोड़ रुपये में)
1990-91	-	253.85
1991-92	-	300.61
1992-93	-	360.23
1993-94	-	372.98
1994-95	-	398.02
1995-96	-	430.13
1996-97	-	572.72
1997-98	-	490.15

3.10.4 दूरदर्शन वस्तुओं और सेवाओं के विज्ञापन प्रसारित करता है लेकिन इन सभी विज्ञापनों की मंजूरी व्यावसायिक विज्ञापन की एक व्यापक आचार-संहिता को ध्यान में रखकर की जाती है। सिगरेट, तंबाकू उत्पादों, शराब तथा अन्य मादक पदार्थों के विज्ञापनों को प्रसारित करने की अनुमति नहीं दी जाती।

3.10.5 आमतौर पर राष्ट्रीय नेटवर्क पर हिन्दी में विज्ञापन प्रसारित किए जाते हैं जबकि क्षेत्रीय भाषाओं के विज्ञापन क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा प्रसारित किए जाते हैं। विज्ञापनों की बुकिंग सामान्यत: पंजीकृत और मान्यताप्राप्त एजेंसियों से ही स्वीकार की जाती है। सभी एजेंसियों को 15 प्रतिशत कमीशन दिया जाता है। मान्यता प्राप्त एजेंसियों को विज्ञापनों पर उधार की सुविधा उपलब्ध है लेकिन पंजीकृत एजेंसियां अग्रिम भुगतान करती हैं।

डी.डी.-इंडिया (अंतर्राष्ट्रीय चैनल)

3.11.1 दूरदर्शन के अंतर्राष्ट्रीय चैनल की शुरुआत 14 मार्च, 1995 को जी.टी.वी. से एक ट्रांसपोंडर किराये पर लेकर की गई। आरंभ में इस चैनल पर सप्ताह में पांच दिन तीन घंटे की अवधि के लिए प्रसारण किया जाता था। जब दूरदर्शन ने पी.ए.एस.-4 पर ट्रांसपोंडर हासिल कर लिया तो इस चैनल पर प्रसारण प्रतिदिन होने लगे और जुलाई 1996 में प्रसारण अवधि बढ़ाकर 4 घंटे प्रतिदिन कर दी गई। नवंबर 1996 में प्रसारण समय को और बढ़ाकर 18 घंटे प्रतिदिन कर दिया गया जिसके दौरान 9 घंटे के कैपसूल और उसके पुन: प्रसारण को सुबह साढ़े 6 बजे से मध्यरात्रि तक दिखाया जाने लगा। डी.डी. इंटरनेशनल चैनल के सिग्नल पी.ए.एस-4 उपग्रह के माध्यम से दक्षिण एशिया, खाड़ी देशों, मध्य पूर्व और यूरोप में प्राप्त किए जा सकते हैं। पी.एस.एस.-1 उपग्रह के माध्यम से उत्तरी अमरीका में इस चैनल का प्रसारण देखा जा सकता है।

3.11.2 इस चैनल के मिले-जुले कार्यक्रमों का उद्देश्य भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा व्यापार और निर्यात जैसे आर्थिक मामलों की ताज़ा जानकारी देना है। इस चैनल पर विशेष रूप से समाचार, सामयिक विषय, शेयर बाज़ार के कारोबार और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर परिचर्चा संबंधी कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। इनके अलावा भारतीय मनोरंजन कार्यक्रम, धारावाहिक तथा नृत्य-संगीत के कार्यक्रमों की मांग भी पूरी की जाती है। चैनल के कार्यक्रमों में प्रतिदिन एक फीचर फिल्म भी शामिल की गई है। हिन्दी और अंग्रेजी कार्यक्रमों के अलावा, पंजाबी, उर्दू, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगला, गुजराती और मराठी भाषाओं के मनोरंजन कार्यक्रमों को भी दिखाया जाता है। राष्ट्रीय नेटवर्क पर रात 8.30 बजे और 9.00 बजे क्रमश: हिन्दी और अंग्रेजी समाचार डी.डी.-इंटरनेशनल चैनल पर भी दिखाए जा रहे हैं।

3.11.3 गणतंत्र दिवस परेड, स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्मोत्सवों के उद्घाटन समारोह और कुछ खेल स्पर्द्धाओं तथा भारत से बाहर रह रहे लोगों की रुचि के अन्य कार्यक्रमों का इस चैनल से सीधा प्रसारण किया जा रहा है।

3.11.4 इस चैनल के यथासंभव विस्तार के प्रयास तेज़ किए गए। दूरदर्शन अब तक अनेक केबल टी.वी. नेटवर्कों, चैनलों तथा मामूली शुल्क पर डी.डी.-इंटरनेशनल चैनल के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए इच्छुक व्यक्तियों को अनापत्ति प्रमाणपत्र दे चुका है।

दर्शक अनुसंधान

3.12.1 दूरदर्शन के 19 केन्द्रों में दर्शक अनुसंधान एकांश स्थापित किए गए हैं। दूरदर्शन निदेशालय इन एकांशों के अनुसंधान कार्य का समन्वय करता है। दर्शक अनुसंधान एकांश का मुख्य कार्य दूरदर्शन नेटवर्क को अनुसंधान संबंधी सहयोग प्रदान करना है। प्रत्येक एकांश में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त लोग नियुक्त किए गए हैं। डार्ट रेटिंग्स (दूरदर्शन ऑडियंस रिसर्च टेलीविजन रेटिंग्स) अर्थात दूरदर्शन कार्यक्रमों की लोकप्रियता के आंकड़े उपलब्ध करने का कार्य 1993 में दूरदर्शन के राष्ट्रीय, मैट्रो और क्षेत्रीय नेटवर्क पर शुरू किया गया। इस प्रणाली को 33 शहरों में लागू किया गया है। प्रत्येक शहर के पैनल के सदस्य उस शहर में विभिन्न वर्गों के टेलीविजन दर्शकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। डार्ट के आंकड़ों को टेलीविजन पर प्रसारित किया जाता है। विज्ञापनदाता और विज्ञापन एजेंसियों को भी ये आंकड़े उपलब्ध कराए जाते हैं।

3.12.2 दर्शक अनुसंधान एकांश निदेशालय में तथा केन्द्र स्तर पर आंकड़े बैंक के रूप में कार्य करते हैं। मुख्यालय स्थित दर्शक अनुसंधान एकांश नियमित एक संकलन प्रकाशित करता है जिसमें देश-भर के संचार माध्यमों से संबंधित सूचनाएं संकलित की जाती हैं। ये एकांश बाज़ार अनुसंधान संगठनों तथा संचार अनुसंधान संगठनों से भी तालमेल रखता है और उनके द्वारा किए गए अनुसंधान-कार्य की समीक्षा करता है।

स्वाधीनता के 50 वर्ष

3.13.1 स्वाधीनता की स्वर्ण जयंती के वार्षिक समारोह 15 अगस्त 1998 को संपन्न हो गए। स्वाधीनता की स्वर्ण-जयंती के उपलक्ष्य में दूरदर्शन ने भी अनेक कार्यक्रमों की योजना तैयार की और पूरे वर्ष ये कार्यक्रम प्रसारित किए गए। राष्ट्रीय स्तर पर पांच क्षेत्रों अर्थात्, उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और पश्चिमोत्तर के प्रत्येक क्षेत्र से एक-एक प्रख्यात फिल्म निर्माता को अपनी पसंद का विशेष कार्यक्रम तैयार करने के लिए आमंत्रित किया गया। ये निर्माता हैं: सईद अख्तर मिर्ज़ा, श्याम बेनेगल, बुद्धदेव दासगुप्त, गिरीश कर्नाड और भूपेन हज़ारिका। इसके अलावा प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र ने तथा गुवाहाटी के कार्यक्रम निर्माण केन्द्र ने संबंधित क्षेत्रीय भाषा में अपने क्षेत्र के स्वाधीनता आंदोलन से संबंधित कार्यक्रमों का निर्माण करवाया। भारतीय स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ से संबद्ध सचिवालय द्वारा जारी पृष्ठभूमि टिप्पणी पर आधारित विभिन्न विषयों पर छोटी अवधि की 54 फिल्में तैयार करवाई गईं।

3.13.2 दूरदर्शन ने 15 अगस्त 1998 को दिल्ली में हुए स्वाधीनता स्वर्ण जयंती समापन समारोहों का सीधा प्रसारण किया।

केन्द्रीय निर्माण केन्द्र

3.14.1 कार्यक्रम निर्माण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1988 में केन्द्रीय निर्माण केन्द्र (सी.पी.सी.) की स्थापना की गई थी। इस केन्द्र में सर्वोत्तम तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं तथा कार्यक्रम निर्माण से जुड़े कर्मियों को श्रेष्ठ कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पिछले दो वर्षों में सी.पी.सी. ने लंबे नाट्य धारावाहिकों के निर्माण का काम हाथों में लिया। इनमें से कुछ धारावाहिक राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किए गए हैं। सी.पी.सी. द्वारा निर्मित अनेक कार्यक्रमों को विदेशी टेलीविजन संगठनों को बेचा गया।

3.14.2 केंद्रीय निर्माण केन्द्र ने स्वाधीनता की स्वर्ण जयंती के सिलसिले की साल भर से चल रहे समारोहों के समापन के अवसर के लिए अनेक कार्यक्रम तैयार किए। प्रख्यात साहित्यकार कुन्नाकुडी वैद्यनाथन के निर्देशन में 56 कलाकारों के दल ने 'शक्ति भारतम' शीर्षक से भव्य वाद्यवृंद तैयार तथा प्रस्तुत किया। स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर टेलीविजन पर यह अनूठी प्रस्तुति रही।

3.14.3 सोलह एपिसोड का धारावाहिक 'देवी चौधरानी' तैयार किया गया और राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित किया गया। यह धारावाहिक बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास पर आधारित था।

3.14.4 सी.पी.सी. ने 1998 में कुछ नाट्य धारावाहिक/नाटक प्रस्तुत किए :

1. **इंतहा**--13 एपिसोड का धारावाहिक नाटक।
2. **अजनबी भाई**--आतंकवाद के खतरों के बारे में।
3. **यू आर राइट सर**--13 एपिसोड का हास्य धारावाहिक।
4. रेज़ा-रेज़ा-60 मिनट का नाटक।
5. **पापा खो गए**--विजय तेंदुलकर द्वारा लिखा गया 30 मिनट का नाटक।

26 जनवरी, 1999 के अवसर पर सी.पी.सी. स्टूडियो में 'शाम-ए-कश्मीर' की रिकॉर्डिंग का एक दृश्य

1998-99 के दौरान दूरदर्शन की उपलब्धियां

1. ट्रांसमिशन सुविधाएं

1. प्राथमिक चैनल (डी.डी-1) की कवरेज के विस्तार के लिए निम्नलिखित 81 ट्रांसमीटर चालू किए गए (उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (एच.पी.टी.)-2, अल्प शक्ति ट्रांसमीटर (एल.पी.टी.)-54 तथा अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर (वी.एल.पी.टी.)-25)।

(क) उच्च शक्ति ट्रांसमीटर :
गुलबर्गा (कर्नाटक)
बालेश्वर (उड़ीसा)

(ख) अल्प शक्ति ट्रांसमीटर :
भैंसा (आंध्र प्रदेश)
पेचरला (आंध्र प्रदेश)
बांसवाड़ा (आंध्र प्रदेश)
नरसारावपेट (आंध्र प्रदेश)
राजमपेट (आंध्र प्रदेश)
दरसी (आंध्र प्रदेश)
तुनी (आंध्र प्रदेश)
मियाओ (अरुणाचल प्रदेश)
गोहपुर (असम)
सिमरी बख्तियारपुर (बिहार)
दाउदनगर (बिहार)
कोडरमा (बिहार)
मुशाबनी (बिहार)
ऊना (गुजरात)
बांतवा (गुजरात)
बोताद (गुजरात)
धरमपुर (गुजरात)
धमधुखा (गुजरात)
धारी (गुजरात)
झगड़िया (गुजरात)
लिंबडी (गुजरात)
राधनपुर (गुजरात)
चरखीदादरी (हरियाणा)
सुजानपुर (हिमाचल प्रदेश)
सुंदरनगर (हिमाचल प्रदेश)
राजौरी (जम्मू-कश्मीर)
होलेनर सिंहपुर (कर्नाटक)
हालीहाल (कर्नाटक)
तुमकुर (कर्नाटक)
भानपुरा (मध्य प्रदेश)
बड़ा मलहेरा (मध्य प्रदेश)
गरोट (मध्य प्रदेश)
पिपरिया (मध्य प्रदेश)
सीतामऊ (मध्य प्रदेश)
महद (महाराष्ट्र)
सतना (महाराष्ट्र)
तुमसर (महाराष्ट्र)
उमेरखेड़ (महाराष्ट्र)
खोपोली (महाराष्ट्र)
मानगांव (महाराष्ट्र)
मोहाना (उड़ीसा)
पटनागढ़ (उड़ीसा)
पादुआ (उड़ीसा)
पटियाला (राजस्थान)
हिंदोन (राजस्थान)
चेय्यान (तमिलनाडु)
उदुमलपेट (तमिलनाडु)
तेलियामुरा (त्रिपुरा)
हलद्वानी (उत्तर प्रदेश)
अमरोहा (उत्तर प्रदेश)
छिब्रामऊ (उत्तर प्रदेश)
महरोनी (उत्तर प्रदेश)
रथ (उत्तर प्रदेश)
रुदौली (उत्तर प्रदेश)

(ग) अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर
औल (उड़ीसा)
चित्रकोंडा (उड़ीसा)
कोकसारा (उड़ीसा)
कलामपुर (उड़ीसा)
आधी (राजस्थान)
सिंगताम (सिक्किम)
धराली (उत्तर प्रदेश)
मानिकपुर (उत्तर प्रदेश)
राजगढ़ी (उत्तर प्रदेश)
नंदप्रयाग (उत्तर प्रदेश)
सारनगढ़ (मध्य प्रदेश)
मलवान (महाराष्ट्र)
कोरेगांव (महाराष्ट्र)
बंजर (हिमाचल प्रदेश)
करसोग (हिमाचल प्रदेश)
निचर (हिमाचल प्रदेश)
उदयपुर (हिमाचल प्रदेश)
पिरभायानू (हिमाचल प्रदेश)
चौपाल (हिमाचल प्रदेश)
गरवानू (हिमाचल प्रदेश)
चुशुल (जम्मू-कश्मीर)
खाल्तसी (जम्मू-कश्मीर)
मुल्बेख (जम्मू-कश्मीर)
तांगत्से (जम्मू-कश्मीर)
बेसकैंप-सियाचिन (जम्मू-कश्मीर)

2. मेट्रो चैनल (डी.डी. II) के विस्तार के लिए निम्न एल.पी.टी. चैनल चालू किए गए--
डिब्रूगढ़ (असम), कण्णूर (केरल), लुंगलेई (मिजोरम), कैलाशहर (त्रिपुरा), रामपुर (उत्तर प्रदेश)।

3. इसके अलावा, प्राइमरी कवरेज (डी.डी. I) के लिए 20 ट्रांसमीटरों (एच.पी.टी.-1, एल.पी.टी.-13, वी.एल.पी.टी.-6) और मेट्रो चैनल (डी.डी. II) के लिए 1 एल.पी.टी. ट्रांसमीटर का काम तकनीकी रूप से 15 दिसंबर 1998 से तैयार है। इन ट्रांसमीटरों के स्थान अनुलग्नक में दिए गए हैं। 1998-99 में कुल 3 एच.पी.टी., 73 एल.पी.टी. और 31 वी.एल.पी.टी. परियोजनाएं पूरी की गईं।

II. स्टूडियो सुविधाएं

1. इलाहाबाद, वाराणसी, जलपाईगुड़ी और शांतिनिकेतन (स्थायी व्यवस्था) में स्टूडियो केन्द्रों ने काम करना शुरू कर दिया। अब देशभर में 45 स्टूडियो केन्द्र हो गए हैं।
2. नागपुर, इंदौर, जगदलपुर और ग्वालियर के स्टूडियो तकनीकी रूप से तैयार हैं (15 दिसंबर, 1998 की स्थिति)।
3. राजकोट, पुणे, विजयवाड़ा, भवानीपटना, रांची और संभलपुर (स्थायी व्यवस्था) और मुंबई (विस्तार) स्टूडियो परियोजनाओं का काम इसी वित्त वर्ष में पूरा होने की उम्मीद है।

III. उपग्रह अपलिंकिंग सुविधाएं

जालंधर, अरुणाचल में उपग्रह अपलिंकिंग सुविधाएं शुरू की गईं। चेन्नई और मुंबई में डिजिटली कंप्रेस्ड न्यूज/ओ.बी. फीड्स (साइमलकास्टिंग) के लिए अपलिंक सुविधाएं शुरू की गईं। कोहिमा, इंफाल, शिलांग, आइजोल, इटानगर और अगरतला में उपग्रह अपलिंक सुविधाओं को इस वित्त वर्ष के अंत तक शुरू हो जाने की उम्मीद है।

तकनीकी दृष्टि से पूर्ण परियोजनाएं (15.12.98 को)

(उन परियोजनाओं के अलावा, जहां काम पूरा हो चुका है और जिनके तहत काम होने लगा है)

I. स्टूडियो

नागपुर	(महाराष्ट्र)
इंदौर	(मध्य प्रदेश)
जगदलपुर	(मध्य प्रदेश)
ग्वालियर	(मध्य प्रदेश)

II. उच्च शक्ति ट्रांसमीटर

जोधपुर	राजस्थान

III. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

उधमपुर	(जम्मू-कश्मीर)
गोंडिया	(उड़ीसा)
सिमलीगुडा	(उड़ीसा)
राजुला	(गुजरात)
चिदंबरम	(तमिलनाडु)
बलरामपुर	(पश्चिम बंगाल)
उमेरगांव	(गुजरात)
भंडारा	(महाराष्ट्र)
मोकोकचुंग-डी.डी.-2	(नगालैंड)
मोदासा	(गुजरात)
पेंड्रा रोड	(मध्य प्रदेश)
नवलगढ़	(राजस्थान)
मकराना	(राजस्थान)
देवकोंडा	(आंध्र प्रदेश)

IV. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

सुलिया	(कनार्टक)
बाघमंडी	(पश्चिम बंगाल)
कंगपोकपई	(मणिपुर)
दरक	(अरुणाचल प्रदेश)
सगाली	(अरुणाचल प्रदेश)
मीहुका	(अरुणाचल प्रदेश)

'आगे आगे देखिए' धारावाहिक का भी निर्माण तथा प्रसारण किया गया। पन्द्रह भागों वाला धारावाहिक 'सवेरा' तैयार हो रहा है। मानव अधिकार घोषणा की स्मृति में विश्वव्यापी कार्यक्रमों के अंतर्गत सात एपिसोड का प्रश्नोत्तर (क्विज़) कार्यक्रम रिकार्ड किया गया। पर्यावरण के बारे में 13 एपिसोड का क्विज़ कार्यक्रम तैयार किया गया। बच्चों से जुड़े मुद्दों पर 13 एपिसोड का टॉक शो संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के सहयोग से रिकॉर्ड किया गया। हिंदी दिवस पर प्रसारण के लिए भी एक कवि सम्मेलन रिकॉर्ड किया गया, सी.पी.सी. ने नृत्य और संगीत की शास्त्रीय तथा समकालीन विषयों पर आधारित अनेक नृत्य नाटिकाएं साल भर तैयार कीं।

3.14.5 पिछले वर्षों में सी.पी.सी. का दूरदर्शन के सभी चारों प्रमुख चैनलों के लिए स्वनिर्मित कार्यक्रमों के निर्माण में प्रमुख योगदान रहा है। सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक समस्याओं से सरोकार रखने वाले इसके कार्यक्रमों में भारतीयता की विशिष्ट छाप होती है जिससे लोक सेवा प्रसारण संगठन के रूप में दूरदर्शन की छवि और पहचान मजबूत हुई है।

जनजातीय इलाकों में दूरदर्शन नेटवर्क

1998-99 (15 दिसंबर, 1998 तक) दूरदर्शन ने जनजातीय उपयोजना वाले जिलों में दो स्टूडियो तथा 15 कम शक्ति वाले (एल.पी.टी.) और 6 बहुत कम शक्ति वाले (वी.एम.पी.टी.) ट्रांसमीटर स्थापित किए। ये परियोजनाएं निम्नलिखित स्थानों में पूरी की गईं--

I. स्टूडियो

शांतिनिकेतन (स्थायी व्यवस्था)	(पश्चिम बंगाल)
जलपाईगुड़ी	(पश्चिम बंगाल)

II. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

तुनी	(आंध्र प्रदेश)
गोहपुर	(असम)
डिब्रूगढ़-डी.डी.-2	(असम)
राधनपुर	(गुजरात)
झगड़िया	(गुजरात)
धरमपुर	(गुजरात)
कन्नानूर-डी.डी-2	(केरल)
सतना	(महाराष्ट्र)
उमरखेड़	(महाराष्ट्र)
मोहाना	(उड़ीसा)
पाडुआ	(उड़ीसा)
चेय्यार	(तमिलनाडु)
कैलाशहर-डी.डी-2	(त्रिपुरा)
तेलियामुरा	(त्रिपुरा)

III. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर

निचार	(हिमाचल प्रदेश)
उदयपुर	(हिमाचल प्रदेश)
सारनगढ़	(मध्य प्रदेश)
कलामपुर	(उड़ीसा)
कोकसारा	(उड़ीसा)
चित्रकोंडा	(उड़ीसा)

इन परियोजनाओं के पूर्ण हो जाने के बाद, अब जनजातीय उपयोजना वाले जिलों में कुल 11 स्टूडियो और 333 ट्रांसमीटर हो गए हैं। ट्रांसमीटरों का विवरण इस प्रकार है--

(क) उच्च शक्ति ट्रांसमीटर--20

(ख) अल्प शक्ति ट्रांसमीटर--254

(ग) अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर--56

(घ) ट्रांसपोजर--3

अब जनजातीय उपयोजना वाले सभी 119 जिलों में, पूर्णत: अथवा आंशिक रूप से, दूरदर्शन की सेवाएं उपलब्ध हो गई हैं।

कवरेज और बढ़ाने के लिए, इन जिलों में विभिन्न क्षमताओं के 102 नये ट्रांसमीटर (29 उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों सहित) स्थापित किए जा रहे हैं। इन पर नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विभिन्न चरणों में काम शुरू कर देने की उम्मीद है।

भारत
आकाशवाणी केन्द्र
जैसे कि 1-3-1999
चीन
संकेत सूची
वर्तमान निर्माणाधीन
पूर्ण सज्जित आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्ल्यू)
पूर्ण सज्जित आकाशवाणी केन्द्र (एफ एम)
पूर्ण सज्जित आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्ल्यू, एफ एम)
स्थानीय आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्ल्यू)
स्थानीय आकाशवाणी केन्द्र (एफ एम)
सामुदायिक आकाशवाणी केन्द्र (एम डब्ल्यू)
सामुदायिक आकाशवाणी केन्द्र (एफ एम)
विविध भारती (एम डब्ल्यू)
विविध भारती (एफ एम)
प्रसारण केन्द्र (एफ एम)
प्रसारण केन्द्र (एम डब्ल्यू)
राष्ट्रीय चैनल
विदेश प्रसारण सेवा
आकाशवाणी
(योजना एवं विकास एकक)
ड्राइंग नं. TS-14652(S)
ड्रा॰ नं॰ TS-14652(S)
निर्मित:- अवतार सिंह

दूरदर्शन नेटवर्क

	31-3-98 को	31-3-99 को
1. प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) के रिले के लिए ट्रांसमीटर	–	
अ. उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	83	84
आ. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	600	651
इ. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	196	215
ई. ट्रांसपोजर	18	18
कुल	**897**	**968**
2. मेट्रो चैनल (डी.डी.-2) के रिले ट्रांसमीटर	–	
अ. उच्च शक्ति ट्रांसमीटर	8	8
आ. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	38	43
इ. अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटर	3	3
कुल	**49**	**54**
3. अन्य ट्रांसमीटर (कम शक्ति) (संसद की कार्यवाही के रिले के लिए दिल्ली में 2 तथा श्रीनगर में 1)	3	3
4. प्रसारण का दायरा		
अ. जनसंख्या (%)	87.0	87.0
ब. क्षेत्रफल (%)	72.0	72.0
5. कार्यक्रम निर्माण केन्द्र		**42**
6. कार्यरत चैनल	17	(17 स्वदेशी चैनल (डी.डी.-1, डी.डी.-2 और 15 क्षेत्रीय केन्द्र) और एक अंतर्राष्ट्रीय चैनल)

टेलीविजन स्टूडियो (28.2.99 को)

क्र सं	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	स्थान
1.	असम	गुवाहाटी
		डिब्रूगढ़
		सिलचर
2.	आंध्र प्रदेश	हैदराबाद
		विजयवाड़ा
3.	अरुणाचल प्रदेश	इटानगर
4.	बिहार	रांची
		पटना
		मुजफ्फरपुर
		डाल्टनगंज
5.	गोवा	पणजी
6.	गुजरात	अहमदाबाद
		राजकोट
7.	हिमाचल प्रदेश	शिमला
8.	जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर
		जम्मू
9.	केरल	तिरुअनंतपुरम
10.	कर्नाटक	बंगलौर
		गुलबर्गा
11.	मध्य प्रदेश	भोपाल
		रायपुर
12.	मेघालय	शिलांग
		तुरा
13.	महाराष्ट्र	मुंबई
		नागपुर
14.	मणिपुर	इम्फाल
15.	मिज़ोरम	आइज़ोल
16.	नगालैंड	कोहिमा
17.	उड़ीसा	भुवनेश्वर
		संबलपुर (अस्थायी)
18.	पंजाब	जालंधर
19.	राजस्थान	जयपुर
20.	तमिलनाडु	चेन्नई
21.	त्रिपुरा	अगरतला
22.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
		गोरखपुर
		बरेली, इलाहाबाद
		मऊ, वाराणसी
23.	पश्चिम बंगाल	कलकत्ता
		शांतिनिकेतन
		जलपाइगुड़ी
24.	दिल्ली	दिल्ली
25.	अंडमान निकोबार द्वीपसमूह	पोर्ट ब्लेयर
26.	पांडिचेरी	पांडिचेरी

दूरदर्शन नेटवर्क (28.2.99 को)

राज्य/ संघ शासित क्षेत्र	कार्यक्रम निर्माण केन्द्र	प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) के प्रसारण के ट्रांसमीटर					मेट्रो चैनल (डी.डी.-2) के प्रसारण के ट्रांसमीटर			
		उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ.अ.श.ट्रां.	ट्रांसपोंजर	कुल	उ.श.ट्रां.	अ.श.ट्रां.	अ.अ.श.ट्रां.	कुल
1. असम	3	3	19	1	1	24	–	3	–	3
2. आन्ध्र प्रदेश	1	8	61	6	1	76	1	–	–	1
3. अरुणाचल प्रदेश	1	1	3	32	–	36	–	1	–	1
4. बिहार	4	5	44	1	1	51	–	1	–	1
5. गोवा	1	1	–	–	–	1	–	1	–	1
6. गुजरात	2	4	51	3	–	58	1	1	–	2
7. हरियाणा	–	–	9	–	–	9	–	1	–	1
8. हिमाचल प्रदेश	1	2	8	29	2	41	–	1	–	1
9. जम्मू-कश्मीर	2	4	5	31	1	41	–	3	–	3
10. केरल	1	3	18	2	–	23	–	4	–	4
11. कर्नाटक	2	4	42	2	–	48	1	–	–	1
12. मध्य प्रदेश	2	6	69	10	–	85	–	1	–	1
13. मेघालय	2	2	2	2	–	6	–	2	–	2
14. महाराष्ट्र	2	5	68	9	1	83	1	1	–	2
15. मणिपुर	1	1	1	3	–	5	–	1	–	1
16. मिज़ोरम	1	2	–	2	–	4	–	2	–	2
17. नगालैण्ड	1	2	2	4	1	9	–	1	–	1
18. उड़ीसा	2	4	57	9	1	71	1	4	2	7
19. पंजाब	1	4	5	–	1	10	–	1	–	1
20. राजस्थान	1	4	58	13	2	77	–	2	–	2
21. सिक्किम	–	1	–	5	–	6	–	1	–	1
22. तमिलनाडु	1	3	36	3	2	44	1	–	–	1
23. त्रिपुरा	1	1	2	1	1	5	–	2	–	2
24. उत्तर प्रदेश	6	9	63	25	3	100	–	5	–	5
25. पश्चिम बंगाल	3	4	19	2	–	25	1	1	–	2
26. दिल्ली	1	1	–	–	–	1	1	–	–	1
27. अण्डमान-निकोबार द्वीपसमूह	1	–	2	10	–	12	–	1	–	1
28. दमण और दीव	–	–	2	–	–	2	–	–	–	–
29. पांडिचेरी	1	–	2	2	–	4	–	1	–	1
30. लक्षद्वीप	–	–	1	8	–	9	–	–	1	1
31. चण्डीगढ़	–	–	1	–	–	1	–	1	–	1
32. दादरा और नागर हवेली	–	–	1	–	–	1	–	–	–	–
कुल	**45**	**84**	**651**	**215**	**18**	**968**	**8**	**43**	**3**	**54**

इसके अलावा, लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई के प्रसारण के लिए दिल्ली में दो अल्प शक्ति ट्रांसमीटर (एल.पी.टी.) और श्रीनगर में मेट्रो चैनल के कार्यक्रमों के लिए एक एल.पी.टी. काम कर रहा है। कुल ट्रांसमीटर - 1025

4

फिल्म

4.1.1 फिल्म क्षेत्र के विकास और प्रगति तथा इस क्षेत्र की पुरानी मांग को पूरी करते हुए, सरकार ने इसे मई 1998 में उद्योग का दर्जा प्रदान कर दिया। सरकार के इस फैसले के अनुरूप, वित्त मंत्रालय से आग्रह किया गया है कि फिल्म निर्माण तथा संबद्ध गतिविधियों को उस सूची में शामिल किया जाए जिसमें औद्योगिक वित्त प्राप्त करने की पात्रता वाली गतिविधियां रखी गई हैं।

4.1.2 फिल्मों तथा अन्य श्रव्य-दृश्य सॉफ्टवेयर के समग्र विकास के नियोजन तथा इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार ने निम्न निकायों का गठन किया है :

(क) फिल्म उद्योग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर इस मंत्रालय को सलाह देने के लिए जून, 1998 में फिल्म क्षेत्र के दस प्रमुख व्यक्तियों का सलाहकार समूह गठित किया गया है।

(ख) फिल्म उद्योग की प्रगति और विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार करने तथा सुझाव देने के लिए मंच बनाने के उद्देश्य से मंत्रालय में जुलाई, 1998 में इस उद्योग से संबद्ध विकास परिषद गठित की गई। परिषद में फिल्म उद्योग तथा इससे जुड़े संगठनों के प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं।

(ग) फिल्मों, टेलीविजन कार्यक्रमों, संगीत तथा अन्य श्रव्य-दृश्य मनोरंजन उत्पादों के निर्यात को सुसंबद्ध तरीके से

45वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान राष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन से सर्वश्रेष्ठ नायिका का पुरस्कार लेती हुई सुश्री ऋतुपर्णा सेनगुप्त

बढ़ावा देने और ऐसे निर्यात में आ रही परेशानियों को दूर करने के तरीके सुझाने के लिए मंत्रालय में जुलाई 1998 में फिल्मों तथा श्रव्य-दृश्य उत्पादों के लिए निर्यात संवर्धन फोरम गठित किया गया। इसमें फिल्म, विज्ञापन, वित्त आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल किए गए हैं।

4.2.1 फिल्म स्कंध के अंतर्गत विभिन्न संगठनों की गतिविधियों का ब्यौरा इस प्रकार है :

फिल्म प्रभाग

4.2.2 पिछले 50 वर्षों से फिल्म प्रभाग भारतीय जनता के व्यापक समूह को प्रेरित करता रहा है ताकि राष्ट्र-निर्माण कार्य में उनका सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जा सके। राष्ट्रीय परिदृश्य पर केन्द्रित प्रभाग के लक्ष्यों और उद्देश्यों में राष्ट्रीय कार्यक्रमों को लागू करने में लोगों की सक्रिय भागीदारी के लिए उन्हें शिक्षित और प्रेरित करना तथा देश और उसकी विरासत की छवि भारतीय और विदेशी दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करना शामिल हैं। प्रभाग का लक्ष्य वृत्तचित्र आंदोलन के विकास को बढ़ावा देना भी है, जो राष्ट्रीय सूचना, संचार और एकीकरण के क्षेत्र में भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

4.2.3 प्रभाग अपने मुंबई स्थित मुख्यालय से वृत्तचित्र/ समाचार पत्रिकाएं, नई दिल्ली से रक्षा और परिवार कल्याण संबंधी फिल्में और कलकत्ता तथा बंगलौर स्थित क्षेत्रीय केन्द्रों से ग्रामीण जीवन पर आधारित कथाचित्र तैयार करता है। प्रभाग देशभर में 12,600 सिनेमाघरों और क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाइयों, राज्य सरकारों की सचल इकाइयों, दूरदर्शन, परिवार कल्याण विभाग की क्षेत्रीय इकाइयों, शैक्षिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों जैसे गैर-थियेटर क्षेत्रों की आवश्यकताएं पूरी करता है। प्रभाग द्वारा सिनेमाघरों के लिए जारी की जाने वाली फिल्मों में राज्य सरकारों के वृत्तचित्र और समाचार पत्रिकाएं भी शामिल की जाती हैं। प्रभाग प्रिंट, स्टॉक शॉट, वीडियो कैसेटों का विक्रय करता है और देश तथा विदेश में वृत्तचित्रों और कथाचित्रों के वितरण अधिकार भी बेचता है।

4.2.4 मुंबई में वृत्तचित्रों, लघु और एनिमेशन फिल्मों के पांच अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों का आयोजन करने के बाद प्रभाग विश्व में वृत्तचित्र आंदोलन के क्षेत्र में एक जबरदस्त ताकत बनकर उभरा है।

4.2.5 प्रभाग का संगठन मोटे तौर पर चार खंडों में विभाजित है, जो क्रमश: निर्माण, वितरण, अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र और लघु फिल्म समारोह तथा प्रशासन के लिए उत्तरदायी हैं।

निर्माण

4.3.1 मुंबई स्थित मुख्यालय के अलावा प्रभाग के तीन निर्माण केन्द्र बंगलौर, कलकत्ता और नई दिल्ली में हैं। निर्माण खंड वृत्तचित्रों, समाचार पत्रिकाओं, वीडियो फिल्मों, विशेष रूप से ग्रामीण श्रोताओं के लिए तैयार लघु वृत्तचित्रों और एनीमेशन फिल्मों के निर्माण के लिए उत्तरदायी है।

4.3.2 प्रभाग अपनी लगभग 60 प्रतिशत फिल्में विभागीय निर्देशकों और निर्माताओं से तैयार कराता है। इन वृत्तचित्रों के विषय मानवीय गतिविधियों और उनके प्रयासों से संबद्ध होते हैं।

4.3.3 प्रभाग सामान्यत: लगभग 40 प्रतिशत फिल्मों का निर्माण स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं से कराता है ताकि व्यक्तिगत प्रतिभा को बढ़ावा देकर देश में वृत्तचित्र आंदोलन को स्थिरता प्रदान की जा सके। प्रभाग अपने सामान्य निर्माण कार्यक्रमों के अतिरिक्त मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों सहित सभी सरकारी विभागों को वृत्तचित्र निर्माण में मदद करता है।

4.3.4 न्यूजरील खंड नेटवर्क में राज्य और केन्द्रशासित प्रदेशों की राजधानियों सहित मुख्य शहर और कस्बे हैं। इस कवरेज का इस्तेमाल पाक्षिक समाचार पत्रिकाएं बनाने और संग्रहणीय सामग्री का संकलन करने के लिए किया जाता है।

4.3.5 प्रभाग की कार्टून फिल्म इकाई ने एनीमेशन फिल्मों का लगातार निर्माण करके दुनियाभर में विशिष्ट पहचान बनाई है। यह इकाई वृत्तचित्रों और समाचार पत्रिकाओं के लिए एनीमेशन शृंखलाएं भी तैयार करती हैं और अब इसने कठपुतली फिल्मों का निर्माण भी शुरू किया है। कम्प्यूटर से एनीमेशन फिल्म बनाने की सुविधा भी इस इकाई के पास है।

4.3.6 कमेंट्री अनुभाग आवश्यकतानुसार अंग्रेजी और हिन्दी की मूल फिल्मों और समाचार पत्रिकाओं की 14 भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं में डबिंग की व्यवस्था करता है।

4.3.7 प्रभाग की दिल्ली इकाई रक्षा मंत्रालय और परिवार कल्याण विभाग के लिए शिक्षाप्रद तथा प्रेरणादायक फिल्में बनाती है। इस इकाई में वीडियो फिल्म निर्माण सुविधा भी उपलब्ध है।

4.3.8 प्रभाग के कलकत्ता और बंगलौर क्षेत्रीय केन्द्र 16 मि.मी. की एक घंटे की अवधि के ग्रामोन्मुखी लघु कथा चित्र

बनाते हैं। सामाजिक दृष्टि से प्रासंगिक इन फिल्मों में कथानक होता है। इनका लक्ष्य परिवार कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव जैसे सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर संदेश देना तथा दहेज, बंधुआ मजदूरी, अस्पृश्यता आदि सामाजिक बुराइयों पर ध्यान केन्द्रित करना है।

4.3.9 तमिल, तेलुगु कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, असमिया, उड़िया और पूर्वोत्तर तथा दक्षिणी क्षेत्रों की अनेक बोलियों में फिल्मों का निर्माण करने के लिए कथा लेखन और अभिनय के लिए स्थानीय प्रतिभा का उपयोग किया जाता है ताकि भाषागत और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को बनाए रखा जा सके। ऐसे कार्यक्रमों ने ग्रामीण जनता से तादात्म्य स्थापित करते हुए काफी प्रभाव छोड़ा है। इनसे लोगों को सामाजिक और आर्थिक न्याय दिलाने की योजनाओं और कार्यक्रमों से अवगत कराने के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं में सुधार हुआ है। उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों की भाषाओं तथा बोलियों में फिल्म बनाने के लिए भी यह योजना लागू की गई है।

वितरण

4.4.1 प्रभाग के वितरण खंड के शाखा कार्यालय हैं। सामान्यत: 1,500 सिनेमाघरों पर एक शाखा कार्यालय काम करता है। वर्तमान में 10 वितरण शाखा कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता, चेन्नई, हैदराबाद, लखनऊ, मदुरै, मुंबई, नागपुर, तिरुअनंतपुरम और विजयवाड़ा में स्थित हैं। वर्ष 1998-99 में (फरवरी 1999 तक) देश भर में फैले 12,608 सिनेमाघरों के माध्यम से करीब नौ से 10 करोड़ दर्शक प्रत्येक सप्ताह प्रभाग की फिल्में देखते हैं।

4.4.2 प्रभाग क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की सचल इकाइयों और अन्य केन्द्र तथा राज्य सरकारों के विभागों को 16 मि.मी. फिल्मों के प्रिंटों की आपूर्ति करता है। मोटे तौर पर इन इकाइयों द्वारा प्रत्येक सप्ताह में 4 से 5 करोड़ लोगों को फिल्में दिखाई जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क पर भी प्रभाग के वृत्तचित्र दिखाए जाते हैं। देशभर के शैक्षिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन भी प्रभाग की फिल्म लाइब्रेरियों के माध्यम से फिल्में उधार लेते हैं। इन लाइब्रेरियों की स्थापना वितरण शाखा कार्यालयों में की गई है।

4.4.3 प्रभाग की फिल्मों के वीडियो कैसेट रेलवे, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, केन्द्र और राज्य सरकारों के विभागों, शैक्षिक संस्थाओं और निजी उपयोगकर्ताओं को गैर-व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए भी बेचे जाते हैं। वर्ष 1998 में जनवरी से अक्तूबर के दौरान गैर-व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए 2,114 कैसेट बेचे गए।

4.4.4 विदेश मंत्रालय का विदेश प्रचार प्रभाग फिल्म प्रभाग की चुनी हुई फिल्मों के प्रिंट विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों को वितरित करता है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड और निजी एजेंसियां भी प्रभाग की फिल्मों के अंतर्राष्ट्रीय वितरण की व्यवस्था करती हैं। प्रभाग द्वारा निर्मित फिल्मों का रॉयल्टी आधार पर अंतर्राष्ट्रीय वीडियो और टी.वी. नेटवर्कों के लिए व्यावसायिक उपयोग भी होता है।

अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्म समारोह

4.5 प्रभाग को 'मुंबई अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्म समारोह' के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। यह आयोजन दो वर्ष में एक बार होता है। पहला अंतर्राष्ट्रीय मुंबई फिल्म समारोह मार्च 1990 में आयोजित किया गया था। पांचवां फिल्म समारोह 1998 में पहली मार्च से सात मार्च तक आयोजित किया गया। छठा समारोह सन् 2000 में तीन से 9 फरवरी को मुंबई में आयोजित किया जाएगा।

प्रशासन

4.6 प्रशासन खंड प्रभाग के प्रशासन, संगठन, भंडारण-प्रबंध, कार्यशाला प्रबंध और सामान्य प्रशासन संबंधी सभी मामलों के प्रति उत्तरदायी है।

उपलब्धियां

4.7.1 अप्रैल 1998 से फरवरी 1999 के दौरान प्रभाग ने 35 समाचार पत्रिकाएं और 51 वृत्तचित्र/लघु फीचर और वीडियो फिल्में तैयार कीं। इनमें से 68 फिल्में समाचार पत्रिकाएं/वीडियो फिल्में प्रभाग ने स्वयं तैयार कीं और 18 फिल्में स्वतंत्र निर्माताओं से तैयार करवाईं।

4.7.2 भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के सिलसिले में फिल्म प्रभाग ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित वृत्तचित्रों का निर्माण किया :

1) महा मृत्युंजय भगत सिंह।

2) गांधी--ए यूनीवर्सल मैन।

3) इंडिया अनवेल्ड-50 इयर्स ऑव इंडियन डॉक्यूमेंटरी।

4) पिछले 50 वर्ष के दौरान जम्मू-कश्मीर की प्रगति (यह फिल्म लगभग पूरी होने वाली है)।

4.7.3 प्रभाग ने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों/कार्यक्रमों के मौके पर निम्नलिखित समाचार पत्रिकाएं भी तैयार कीं :

1) स्वतंत्रता दिवस, 1998।

2) परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र—भारत।

3) सेकेंडों में तबाही—पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तूफान।

4) 9 जून, कांडला—तूफान की तबाही।

4.7.4 वर्ष 1998 ने फिल्म प्रभाग ने 14 महत्वपूर्ण पुरस्कार जीत कर पिछले 50 वर्ष का कीर्तिमान तोड़ दिया। इनमें 12 राष्ट्रीय पुरस्कार, एक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और एक राज्य स्तरीय पुरस्कार शामिल हैं। प्रभाग ने 21 जून, 1998 को पुरस्कृत फिल्मों का एकदिवसीय समारोह आयोजित करके वर्ष 1998 को 'उत्कृष्टता वर्ष' के रूप में मनाया। फिल्म प्रभाग की निम्नलिखित फिल्मों ने जून 1998 में ऑस्ट्रिया में डेर नेशनेन समारोह में पुरस्कार जीते :

1) द लॉस्ट होराइजन।

2) शी कुड डू यू प्राउड।

4.7.5 फिल्म प्रभाग ने अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पुरस्कृत अपने वृत्तचित्रों का 17 और 18 अक्तूबर, 1998 को जयपुर में भी फिल्म समारोह आयोजित किया। प्रभाग ने इस्लामी परंपराओं पर अपनी "कुछ चुनिंदा फिल्मों के प्रदर्शन और उनकी बिक्री के लिए अजमेर उर्स में एक स्टाल भी लगाया था। इसमें अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह पर बनी फिल्म 'ओएसिस ऑफ होप' और 'आओ हज करे' फिल्में उल्लेखनीय थीं।

4.7.6 फिल्म प्रभाग ग्रामीण दर्शकों के लिए विशेष रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उत्थान, अस्पृश्यता, बंधुआ मजदूरी, राष्ट्रीय एकता, साक्षरता जैसे विभिन्न विषयों पर विशेष फीचर फिल्मों का निर्माण करता है। प्रभाग ने ग्रामीणों के लिए आठ फीचर फिल्में पूरी की हैं और कुछ अन्य का निर्माण जारी है।

4.7.7 फिल्म प्रभाग की फिल्म लाइब्रेरी भारत के समकालीन इतिहास की पुरालेखीय सामग्री का दुर्लभ भंडार है। लाइब्रेरी में लगभग एक लाख अस्सी हजार फिल्मों का संकलन है। इनमें मूल फिल्म निगेटिव ड्यूप/इंटर नेगेटिव साउंड व नेगेटिव मास्टर/इंटर पॉजिटिव्स/सेचुरेटेड फिल्म, इंटरनेशनल ट्रैक, प्री डब्ड साउन्ड नेगेटिव 16 मि.मी. के प्रिंट, महोत्सव के लिए प्रिंट, लाइब्रेरी प्रिंट और आंसर प्रिंट इत्यादि शामिल हैं।

4.7.8 प्रभाग द्वारा निर्मित निम्नलिखित फिल्में भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह-1999 के भारतीय पैनोरमा के लिए चुनी गईं :

1. शी कुड डू यू प्राउड।
2. सारंग (सिंफनी इन कैकोफोनी)।
3. उइचलिया ट्राइब।
4. ज्योति प्रसाद--द वर्सेटाइल जीनियस।
5. गणेश पाइने।
6. जटानेर जामी।

4.7.9 अप्रैल 1998 से फरवरी 1999 के दौरान फिल्म प्रभाग ने 28 वृत्तचित्रों के 17,721 प्रिंट, और सिनेमाघरों के लिए 23 समाचार पत्रिकाएं और 3 लघु वृत्तचित्र जारी किए। ये सांप्रदायिक सौहार्द्र, राष्ट्रीय एकता, अस्पृश्यता उन्मूलन, परिवार कल्याण कार्यक्रम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित थीं। प्रभाग ने भारत और विदेशों में गैर--व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए अपनी फिल्मों के 34 प्रिंट तथा 6,331 वीडियो कैसेट भी बेचे। प्रभाग ने 1998-99 में (फरवरी 1999 तक) कुल 81.29 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।

फिल्म समारोह निदेशालय

4.8 फिल्म समारोह निदेशालय की स्थापना 1973 में की गई थी। इसका प्रमुख लक्ष्य अच्छे सिनेमा को बढ़ावा देना है। अपनी स्थापना के समय से ही निदेशालय हर वर्ष राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन कर रहा है। इसने भारतीय सिनेमा में उत्कृष्टता के लिए एक मंच उपलब्ध कराया है। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक सद्भाव और मैत्री को बढ़ावा देने का एक माध्यम भी सिद्ध हुआ है। निदेशालय ने विश्व सिनेमा के नवीनतम रुझानों से आम जनता को अवगत कराया है।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

4.9 राष्ट्रीय फिल्म समारोह के निर्णायक मंडल ने अप्रैल-मई 1998 में प्रतियोगिता वर्ग की फिल्मों का अवलोकन प्रारंभ किया। फीचर फिल्म निर्णायक मंडल की अध्यक्षता श्रीमती बी. सरोजा देवी और गैर-फीचर फिल्म निर्णायक मंडल की अध्यक्षता श्री के.के. कपिल ने की। सिनेमा पर सर्वोत्तम लेखन का निर्णय करने वाली जूरी के अध्यक्ष श्री चिदानंद दासगुप्त थे। कुल मिलाकर 90 फीचर फिल्मों, 74 गैर-फीचर फिल्मों, 14 फिल्म-पुस्तकों और 18

फिल्म समालोचकों की प्रविष्टियां पुरस्कारों के लिए आईं। राष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन ने 10 जुलाई, 1998 को पुरस्कार प्रदान किए। सर्वोत्तम फीचर फिल्म का पुरस्कार गिरीश कासरवल्ली द्वारा निर्देशित फिल्म 'थाई साहब' (कन्नड़) को मिला। श्री राजा मित्र द्वारा निर्देशित और फिल्म प्रभाग द्वारा निर्मित 'जटानेर जामी' (बांग्ला) को गैर-फीचर फिल्म वर्ग में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार दिया गया। सिनेमा में सर्वश्रेष्ठ लेखन का पुरस्कार श्री अनिल झंकार को उनकी पुस्तक 'सिनेमाची गोष्ट' और सविता भाखरी तथा आदित्य अवस्थी को उनकी पुस्तक 'हिन्दी सिनेमा और दिल्ली' के लिए दिया गया। 1997 के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म समीक्षक का पुरस्कार दीपा गहलोत को दिया गया। 1998 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार कवि प्रदीप को दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह

4.10 भारत का 30वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 10 से 20 जनवरी, 1999 तक हैदराबाद में आयोजित किया गया। समारोह के विभिन्न वर्गों में 'विश्व सिनेमा', 'भारतीय और विदेशी फिल्मों का सिंहावलोकन', 'श्रद्धांजलि', 'भारतीय पैनोरमा', 'मेनस्ट्रीम सिनेमा' और 'बाजार खंड' शामिल हैं। समारोह में भारत सहित 44 देशों की 250 से ज्यादा फिल्में दिखाई गईं।

4.11 भारतीय पैनोरमा वर्ग में विभिन्न चयन समितियों द्वारा सुझाई गई 16 फीचर फिल्में और 20 गैर-फीचर फिल्में प्रदर्शित की गईं। 21वीं शताब्दी की शुरूआत के उपलक्ष्य में सरकार ने 'लाईफ टाइम एचीवमेंट एवार्ड' की स्थापना की है। यह पुरस्कार सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए किसी विदेशी फिल्मी हस्ती को प्रदान किया जाएगा। इस शृंखला का पहला पुरस्कार इटली के प्रख्यात फिल्म निर्माता बर्नार्डो बर्तोलुसी को 30वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान

4.12 वर्ष के दौरान फिल्म समारोह निदेशालय ने विभिन्न देशों की फिल्मों पर आधारित फिल्म समारोह आयोजित किए। इनमें बेल्जियम, श्रीलंका, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक कोरिया और उज्बेकिस्तान के फिल्म समारोह शामिल थे। निदेशालय ने आस्ट्रियाई दूतावास के सहयोग से नई दिल्ली में यूरोपीय संघ

हैदराबाद में आयोजित भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह '99 का उद्घाटन समारोह

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह '99 में सुविख्यात फिल्मकार बर्नार्डो बर्तोलुसी को 'लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड' देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रमोद महाजन

में शामिल देशों की फिल्मों का समारोह भी आयोजित किया। इस समारोह में यूरोपीय संघ के 14 देशों ने भाग लिया।

विदेशों में गतिविधियां

4.13 भारत की स्वाधीनता की पचासवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में फिल्म समारोह निदेशालय ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से हॉलैंड, हंगरी, इटली, पोलैंड और जापान में फिल्म सप्ताहों का आयोजन किया। राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में स्वर्ण कमल पुरस्कार जीतने वाली फिल्मों का समारोह भी आयोजित किया गया। निदेशालय ने 44 अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लिया।

पुरस्कार

4.14 भारतीय पैनोरमा में चुनी गई फिल्मों को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म जगत में भी सराहना मिली। जिम्बाब्वे के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भारतीय पैनोरमा की फिल्म 'बूथाकन्नडी' को सर्वश्रेष्ठ मूल प्रविष्टि का पुरस्कार मिला। फीचर फिल्म 'सौदा' और गैर-फीचर फिल्म 'निरंकुश' को पियोंगयांग अंतराष्ट्रीय फिल्म समारोह में विशेष जूरी पुरस्कार मिला।

राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र

4.15.1 राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केन्द्र (एन.सी.वाई.पी.) बच्चों और युवा वर्ग के लिए फीचर फिल्में, टेलीविजन धारावाहिक, लघु फीचर फिल्में और एनीमेशन फिल्में बनाता है। इसका मुख्यालय मुंबई में और दो शाखा कार्यालय दिल्ली और चेन्नई में हैं। इसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को फिल्मों और धारावाहिकों के जरिए स्वस्थ मनोरंजन उपलब्ध कराना है। चलचित्र केंद्र विदेशी फिल्मों के अधिकार भी खरीदता है और उन्हें भारतीय भाषाओं में डब करके दिखाता है।

4.15.2 केन्द्र द्वारा निर्मित फिल्में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भेजी जाती हैं। यह हर दूसरे वर्ष अपना अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह भी आयोजित करता है। इस तरह का दसवां फिल्म समारोह नवंबर 1997 में हैदराबाद में आयोजित किया गया। अब इसे स्थाई रूप से हैदराबाद में ही आयोजित करने का फैसला किया गया है। ग्यारहवां बाल और

युवा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह नवंबर 1999 में हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

4.15.3 वर्ष के दौरान 'मल्ली', 'नंदन' और 'कभी पास कभी फेल' नाम की तीन फीचर फिल्में बनाई गईं। इसके अतिरिक्त केन्द्र ने तीन फीचर फिल्मों और एक लघु एनीमेशन फिल्म का भी निर्माण शुरू किया है। ये सितंबर 1999 में पूरी हो जाएंगी। 52 कड़ियों वाला एक धारावाहिक भी निर्माणाधीन है जिसका आधे से ज्यादा काम समीक्ष्य वर्ष के दौरान पूरा हो चुका है।

4.15.4 इस वर्ष केन्द्र की हिन्दी फिल्मों के क्षेत्रीय भाषाओं में छह संस्करण तैयार किए गए। क्षेत्रीय भाषाओं की दो फीचर फिल्मों के हिन्दी संस्करण तैयार किए गए। इसके अतिरिक्त केन्द्र ने तीन विदेशी फिल्मों के अधिकार प्राप्त कर उन्हें हिन्दी में डब किया। केन्द्र ने अपनी तीन फीचर फिल्मों की सब-टाइटलिंग भी करवाई।

4.15.5 वर्ष के दौरान चार फिल्मों के सॉफ्टवेयर अधिकार खरीदे गए। इनमें अंग्रेजी में वन्य जीवन पर बनी फिल्म 'रनिंग वाइल्ड', जापानी फीचर फिल्म 'चिल्ड्रन ऑफ दि प्लेन्स' इस वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित बांग्ला फिल्म 'दामू' और फ्रेंच एनीमेशन धारावाहिक 'सेलेना एंड कोएरदर' शामिल हैं।

4.15.6 फिल्म प्रदर्शन के क्षेत्र में, केन्द्र ने 24 अप्रैल से 28 मई, 1998 के दौरान आयोजित असम बाल फिल्म समारोह में 884 प्रदर्शन किए। केन्द्र ने मई 1998 के दौरान मेघालय में 30 फिल्म प्रदर्शन किए। पहला उड़ीसा फिल्म समारोह जनवरी-फरवरी 1998 में आयोजित किया गया। इसके दौरान 1000 शो आयोजित किए गए। केन्द्र ने बिहार में 350 शो आयोजित किए। केन्द्र ने वर्ष के दौरान 6,500 फिल्म प्रदर्शन का लक्ष्य पूरा किया। निजी एजेंसियों के जरिये भी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया जिन्होंने 35 मि.मी. और 16 मि.मी. की फिल्मों के लगभग 3,000 शो किए। धारावाहिक 'बालदूत' का प्रसारण डी.डी-1 पर शुरू हुआ।

4.15.7 एन.सी.वाई.पी. द्वारा निर्मित दो लघु फिल्मों-- 'महाकपि-95' और 'विक्टर' को कई अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में भेजा गया। नवंबर 1998 में मास्को में आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय बाल एनीमेशन फिल्म समारोह में विश्व संस्कृति और राष्ट्रीय धरोहर पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फिल्म का यूनेस्को पदक 'महाकपि-95' को मिला। इन दोनों फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले और इन्हें भारतीय पैनोरमा के लिए चुना गया।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

4.16.1 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड (एन.एफ.डी.सी.) का गठन 1975 में किया गया था। भारतीय मोशन पिक्चर निर्यात निगम (आई.एम.पी.ई.सी.) और फिल्म वित्त निगम (एफ.एफ.सी.) के इसमें शामिल हो जाने के बाद 1980 में इसका पुनर्गठन किया गया। निगम का मुख्य उद्देश्य सिनेमा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और श्रव्य-दृश्य तथा संबंधित क्षेत्रों में आधुनिकतम प्रौद्योगिकी को विकसित करना है।

4.16.2 निगम की मुख्य गतिविधियां सामाजिक विषयों से संबंधित कलात्मक उत्कृष्टता वाली और प्रायोगिक फिल्मों का निर्माण और उन्हें वित्त-सहायता प्रदान करना है। यह विभिन्न प्रकार से फिल्मों के वितरण और विस्तार का काम भी करता है। निगम फिल्म उद्योग को निर्माण-पूर्व और निर्माण-पश्चात की जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराता है जो नवीनतम प्रौद्योगिकी के अनुरूप होती हैं जैसे सिनेमाघरों के निर्माण के लिए वित्त उपलब्ध कराना। निगम सिनेमा की संस्कृति और समझ को बढ़ावा देने के लिए प्रयास करता है। वह फिल्म सप्ताहों, भारतीय पैनोरमा, फिल्म समितियों, राष्ट्रीय फिल्म सर्किल और भारतीय व विदेशी संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्थाओं के साथ मिलकर फिल्म समारोह आयोजित करता है।

4.16.3 एन.एफ.डी.सी. कम बजट वाली फिल्मों की अवधारणा को प्रोत्साहित करता है जिनकी गुणवत्ता, विषयवस्तु तथा निर्माण स्तर उच्च श्रेणी का हो। वर्ष 1998-99 (नवम्बर 98 तक) के दौरान निगम ने जिन फिल्मों के निर्माण में आर्थिक सहायता दी उनमें से दो ने राष्ट्रीय पुरस्कार और 13 ने राज्य पुरस्कार जीते और 3 फिल्मों को भारतीय पैनोरमा के लिए चुना गया। वर्ष के दौरान 12 फिल्में पूरी की गई। दो विदेशी सह-निर्माण का काम चल रहा है। इनके नाम हैं—'एक्टी नदीर नाम' और 'शेडोज इन द डार्क'। डा० जब्बार पटेल द्वारा निर्देशित फिल्म 'डा. बाबा साहेब अम्बेडकर' के इस साल के अंत तक पूरी हो जाने की आशा है।

4.16.4 निगम ने विदेशी निर्माताओं के साथ मिलकर फिल्म बनाने का सिलसिला 'गांधी' के साथ शुरू किया था जिसका निर्देशन सर रिचर्ड एटनबरो ने किया था। बाद में बने अन्य विदेशी सह-निर्माण थे—'सलाम बाम्बे' 'माया मेम साब', 'मेकिंग ऑफ द महात्मा' और 'द शो गोज ऑन'।

4.16.5 निगम हर साल लगभग 90 से 100 फिल्में आयात भी करता है जिन्हें देशभर में दिखाया जाता है। वर्ष 1998-99 के दौरान (नवंबर 1998 तक) निगम ने दो फिल्में थियेटर और गैर-थियेटर अधिकारों के लिए आयात कीं और 62 फिल्में टी.वी.,केबल और उपग्रह चैनलों पर वितरित की गईं। निगम दूरदर्शन चैनलों पर अपनी तथा प्राप्त की हुई फिल्मों को दिखाता है। इसने डी.डी-1 तथा डी.डी.-2 के लिये कार्यक्रमों का निर्माण तथा विपणन भी किया। वर्ष 1998-99 के दौरान (नवंबर '98 तक), निगम ने 29 फिल्में अन्य देशों को निर्यात की जिससे 42 लाख रुपये की आय हुई।

4.16.6 निगम का कलकत्ता का 16 मि.मी. फिल्म केंद्र निर्माण और निर्माण के बाद की सुविधायें मुहैया कराता है। पूर्वी क्षेत्र के फिल्म निर्माताओं और स्थानीय दूरदर्शन केंद्र ने इन सुविधाओं का व्यापक लाभ उठाया है। यहां एक मिलीनिया लेसर इकाई है जहां पर सभी यूरोपीय भाषाओं और अरबी में फिल्मों के उप-शीर्षक लिखने की सुविधा है। वर्ष 1998-99 के दौरान (नवंबर '98 तक) इसे चार अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में 431 फिल्मों का काम मिला। निगम न केवल भारतीय फिल्म उद्योग की जरूरतों को पूरा करता है बल्कि श्रीलंका और ईरान को भी मदद करता है। निगम टेलीविजन के लिए कैप्सूल बनाने के साथ-साथ विभिन्न चैनलों पर प्रसारण के लिए भेजे जाने वाली कैसेटों के ट्रेलर, गुणवत्ता निरीक्षण आदि का काम भी करता है। निगम का चेन्नई स्थित वीडियो केंद्र दक्षिणी क्षेत्र में फिल्म से वीडियो अंतरण की जरूरतों को पूरा करता है।

4.16.7 निगम द्वारा स्थापित भारतीय फिल्म कलाकार कल्याण कोष शायद भारतीय फिल्म उद्योग का सबसे बड़ा न्यास है। इसकी पूंजी 3.88 करोड़ रुपये है। 600 से ज्यादा फिल्मी कलाकारों ने अब तक न्यास से वित्तीय तथा अन्य लाभ प्राप्त किया हैं। वर्ष 1998-99 के दौरान जरूरतमंद फिल्मी कलाकारों को 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई। आजकल लगभग 475 फिल्मी कलाकार इस कोष से सहायता प्राप्त कर रहे हैं।

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

4.17.1 केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का गठन सिनेमेटोग्राफ अधिनियम 1952 के अंतर्गत किया गया था। यह भारत में फिल्मों को जनता को दिखाने के लिये प्रमाणित करता है। इसके एक अध्यक्ष और 25 अन्य गैर-सरकारी सदस्य होते हैं। बोर्ड का मुख्यालय मुंबई में है और नौ क्षेत्रीय कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता, चेन्नई, कटक, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, नई दिल्ली और तिरुअनंतपुरम में हैं। क्षेत्रीय कार्यालयों को फिल्मों के परीक्षण में परामर्श मंडल मदद करता है। इसमें समाज के जाने-माने लोग होते हैं। नई दिल्ली को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के परामर्श मंडलों का 9 अक्तूबर 1998 के पुनर्गठन किया गया।

4.17.2 वर्ष 1998 के दौरान, बोर्ड ने कुल 3,206 प्रमाणपत्र (2,177 सिनेमाघरों में दिखाई जाने वाली फिल्मों के और 1,029 वीडियो फिल्मों के) जारी किये। 693 भारतीय फीचर फिल्मों को 1998 के दौरान प्रमाणित किया गया, जिसमें से 475 (68.54%) को 'यू' प्रमाणपत्र (बिना किसी प्रतिबंध के प्रदर्शन के लिए) दिया गया। 80 (11.54%) को 'यूए' प्रमाणपत्र (12 साल तक के बच्चों को माता-पिता के मार्गदर्शन में बिना किसी प्रतिबंध के प्रदर्शन) और 138 (19.92%) को 'ए' प्रमाणपत्र (केवल वयस्कों के प्रदर्शन के लिए प्रतिबंधित) मिला। 1998 में 180 विदेशी फीचर फिल्मों को प्रमाणपत्र दिया गया जिसमें से 34 (18.89%) को 'यू' श्रेणी का, 38 (21.11%) को 'यूए' श्रेणी का और 108 को 'ए' श्रेणी का प्रमाणपत्र (60%) दिया गया। बोर्ड ने प्रारंभिक जांच के दौरान 17 भारतीय फीचर फिल्मों और 23 विदेशी फीचर फिल्मों को कोई भी प्रमाणपत्र देने से मना कर दिया क्योंकि ये फिल्में प्रमाणन संबंधी एक या ज्यादा दिशा-निदेशों का उल्लंघन कर रही थीं। इनमें से कुछ को संशोधित रूप में पेश किए जाने पर प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया।

4.17.3 1998 के दौरान, सिनेमाघरों वाली फिल्मों की श्रेणी के अंतर्गत बोर्ड ने 934 भारतीय लघु फिल्मों (844 'यू' प्रमाणपत्र, 40 'यूए' प्रमाणपत्र तथा 50 'ए' प्रमाणपत्र) और 365 विदेशी लघु फिल्मों (226 'यू' प्रमाणपत्र, 72 'यूए' प्रमाणपत्र और 67 'ए' प्रमाणपत्र) को प्रमाणित किया। इसके अलावा पूरे समय की 5 भारतीय फिल्मों को 'यू' सर्टिफिकेट दिया गया।

4.17.4 बोर्ड ने 1,029 वीडियो फिल्मों को प्रमाणपत्र दिए। इनमें से 102 भारतीय फीचर फिल्में (101 'यू' प्रमाणपत्र और 1 'यू ए' प्रमाणपत्र), 39 विदेशी फीचर फिल्में (8 'यू' प्रमाणपत्र, 4 'यूए' प्रमाणपत्र और 27 'ए' प्रमाणपत्र), 684 भारतीय लघु फिल्में (681 'यू' प्रमाणपत्र, 1 'यू ए प्रमाणपत्र, 1 'ए' प्रमाणपत्र और 1 'एस' प्रमाणपत्र), 198 विदेशी लघु फिल्में (193 'यू' प्रमाणपत्र, 1 'यू ए' प्रमाणपत्र, 3 'ए' प्रमाणपत्र तथा 1 'एस' प्रमाणपत्र) और 6 फिल्में ('यू' प्रमाणपत्र) अन्य श्रेणियों की थी।

4.17.5 वर्ष के दौरान फिल्मों को प्रमाणपत्र देने के बारे में शिकायतें भी प्राप्त होती रहीं। अधिकांश शिकायतें फिल्मों में सेक्स और हिंसा के अधिक प्रदर्शन के बारे में थी। ज्यादातर शिकायतें सामान्य प्रकार की थी।

4.17.6 बोर्ड के सदस्यों और क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए 3.7.98 से 5.7.98 तक 3 दिन की कार्यशाला आयोजित की गई जिसका शीर्षक था 'लोकप्रिय जनसंचार की समीक्षा और विश्लेषण की ओर'। विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों पर भी परामर्श मंडलों के सदस्यों और निरीक्षक अधिकारियों के लाभार्थ कार्यशालाएं आयोजित की गयीं।

4.17.7 सिनेमा कर्मचारियों के कल्याण के लिए बोर्ड भारतीय फीचर फिल्मों से शुल्क भी लेता है। शुल्क की दरें श्रम मंत्रालय द्वारा तय की जाती हैं। यह दर हिंदी फिल्मों के लिए 10,000 रुपये, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों के लिए 5,000 रुपये, बांग्ला, मराठी और गुजराती फिल्मों के लिए 3,000 रुपये और उड़िया, असमिया व अन्य भाषायी फिल्मों के लिए 2,000 रुपये है।

4.17.8 विदेशी फिल्मों के आयात के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करने से संबंधित कार्य अभी केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास ही है।

भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय

4.18.1 सूचना और प्रसारण मंत्रालय की एक मीडिया एकक के रूप में फरवरी 1964 में भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय की स्थापना की गई थी। इसके तीन प्रमुख उद्देश्य हैं:

(i) भारतीय सिनेमा की धरोहर की तलाश और आने वाली पीढ़ी के लिए इसे संरक्षित करना;

(ii) फिल्मों से संबंधित वर्गीकरण, दस्तावेजों की सामग्री व्यवस्थित करना और अनुसंधान करना तथा

(iii) फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देने वाले केन्द्र के रूप में काम करना।

संग्रहालय का मुख्यालय पुणे में और इसके तीन क्षेत्रीय कार्यालय बंगलौर, कलकत्ता और तिरुअनंतपुरम में हैं।

4.18.2 संग्रहालय ने अप्रैल 1998 से दिसंबर 1998 के दौरान 26 नई फिल्में, 32 डुप्लीकेट प्रिंट, 13 फिल्मों के फ्री-डिपॉजिट, 92 वीडियो कैसेट, 191 पुस्तकें, 90 पटकथाएं, 72 डिस्क रिकॉर्ड, 88 प्री-रिकॉर्डेड ऑडियो कैसेट, 6 पुस्तिकाएं, 1,358 छायाचित्र, 323 गीत पुस्तिकाएं, 1,093 पोस्टर और तीन ऑडियो कॉम्पेक्ट डिस्क प्राप्त किए।

4.18.3 वर्ष के दौरान बांग्ला, मलयालम और हिन्दी की कई क्लासिक फिल्मों के निगेटिव नि:शुल्क प्राप्त किए गए। विदेशी फिल्मों के महत्वपूर्ण संकलन में छह ईरानी फिल्में शामिल हैं। फिल्म प्रभाग की फिल्मों के संरक्षण के लिए आवश्यक रसायन के 237 कैन की तीसरी खेप प्राप्त की गई।

4.18.4 केन्द्र की फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देने वाली बहुआयामी गतिविधियां हैं। पूरे देश में इसकी वितरण लाइब्रेरी के लगभग 25 सक्रिय सदस्य हैं और यह छह महत्वपूर्ण केन्द्रों में साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक आधार पर संयुक्त फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित करता है। एक अन्य

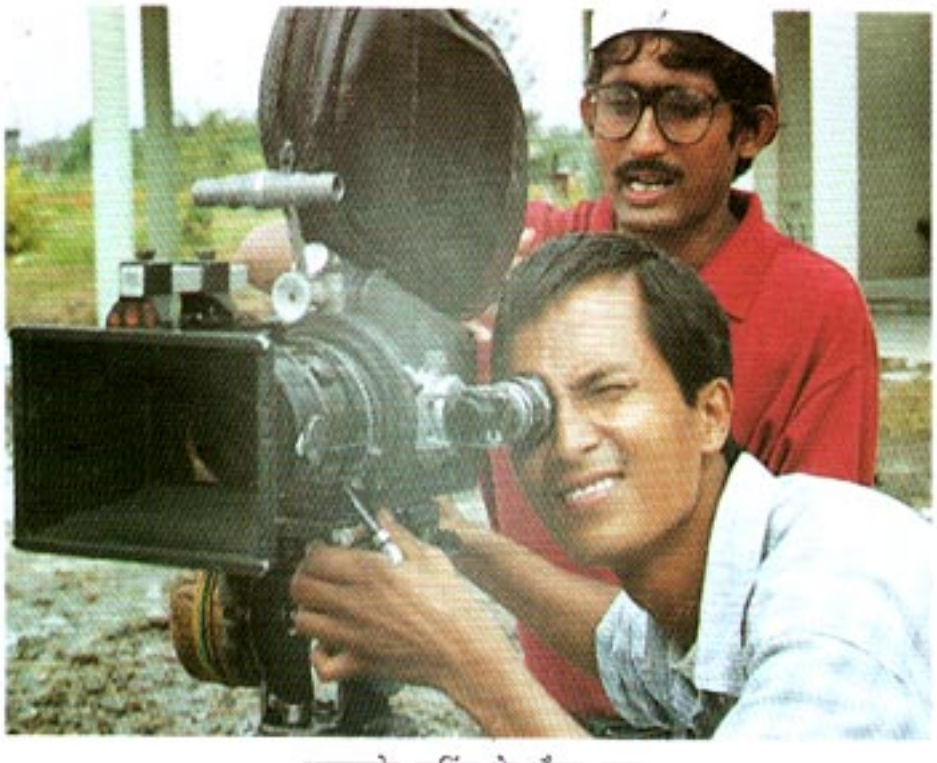

आउटडोर शूटिंग के दौरान छात्र

'एमेक कंसोल' पर फिल्म संस्थान के छात्र

महत्वपूर्ण कार्यक्रम फिल्म अध्यापन योजना है। जिसके अंतर्गत भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान तथा अन्य शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के सहयोग से चलाए जाने वाले फिल्म मूल्यांकन के दीर्घावधि और अल्पावधि पाठ्यक्रम शामिल हैं। इस वर्ष पुणे में आयोजित चार सप्ताह के पाठ्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों और व्यवसायों के 71 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

4.18.5 संग्रहालय परिसर में स्थित जयकर बंगले में केंद्र के संग्रह में शामिल दुर्लभ छायाचित्रों और पोस्टरों की एक प्रदर्शनी लोगों के लिए 10 अगस्त, 1998 से 15 अगस्त, 1998 तक आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी के साथ ही केंद्र द्वारा भारत की 50वीं वर्षगांठ को मनाने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम संपन्न हुए।

4.18.6 वर्ष के दौरान केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़े प्रदर्शन कार्यक्रमों के लिए कई भारतीय क्लासिक फिल्में सप्लाई कीं। अप्रैल 1998 में 22वें हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में प्रदर्शन के लिए चार फिल्में भेजी गईं। भारत-श्रीलंका सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत कोलम्बो में फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, श्रीलंका को फीचर फिल्में, लघु फिल्में, फिल्मों के अंश और वीडियो कैसेट भेजे गए।

4.18.7 भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के सिलसिले में सिनेमेटिका पोर्चुगिसा और ..पुर्तगाल में भारतीय दूतावास के सहयोग से लिस्बन में अप्रैल से जून '98 तक भारतीय सिनेमा का सिंहावलोकन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के लिए लगभग 50 भारतीय फिल्में उपलब्ध कराई गईं।

4.18.8 संरक्षण, परिरक्षण और जीर्णोद्धार का काम संग्रहालय का बुनियादी लक्ष्य है। वर्ष के दौरान 35 मि.मी. में 2,055 रीलों और 16 मिमी. में 67 स्पूल्स की विस्तृत जांच की गई। इसी प्रकार, लगभग सभी परिरक्षण योग्य प्रिंटों की व्यापक जांच की गई ताकि दोबारा तैयार की जाने वाली अथवा जीर्णोद्धार की जाने वाली सामग्री का पता लगाया जा सके। इसके अतिरिक्त नाइट्रेट बेस वाली फिल्मों की 34 और रीलें (8,084.20 मीटर) सेफ्टी बेस में स्थानांतरित की गईं। बाबूराव पेंटर की कृतियों में से हाल ही में प्राप्त की गई मूक फिल्म की सामग्री के जीर्णोद्धार का कार्य पूरा कर लिया गया है।

4.18.9 संग्रहालय का एक अन्य महत्वपूर्ण काम फिल्म संस्कृति का प्रचार करना है। 16 मि.मी. की फिल्मों वाली इसकी वितरण लाइब्रेरी पूरे देश में सदस्यों को सुविधाएं प्रदान करती हैं। वितरण लाइब्रेरी के जरिए फिल्मों की आपूर्ति किए जाने के अलावा विशेष अवसरों, वार्षिक कार्यक्रमों, सिंहावलोकन आदि के लिए भी 35 मि.मी. के प्रिंट सप्लाई किए जाते हैं। बंगलौर, कलकत्ता, चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद और तिरुअनंतपुरम जैसे महत्वपूर्ण केन्द्रों में होने वाले नियमित संयुक्त प्रदर्शन कार्यक्रम, दर्शकों को विश्व सिनेमा की सर्वोत्कृष्ट कृतियां उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं। इसके अलावा संग्रहालय ने पुणे में चार सप्ताह के वार्षिक फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम का आयोजन किया और इसी तरह के अनेक दूसरे अल्पावधि पाठ्यक्रमों का विभिन्न केन्द्रों पर आयोजन करके अपना सहयोग प्रदान किया। नवंबर 1998 में केंद्र ने श्रीलंका में भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान और श्रीलंका के राष्ट्रीय फिल्म निगम के सहयोग से ग्यारह दिवसीय फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम का आयोजन किया। भारत-श्रीलंका सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस पाठ्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 92 व्यक्तियों ने भाग लिया।

4.18.10 एन.एफ.ए.आई. ने जनवरी 1999 में हैदराबाद में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में, अभिलेखागार के संग्रह से लिए गए दुर्लभ चित्रों, स्टिल्स और पोस्टरों आदि की एक प्रदर्शनी लगाई। अभिलेखागार ने इस फिल्म समारोह के विभिन्न वर्गों में दिखाने के लिए 39 फिल्में भी उपलब्ध कराईं।

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे

4.19.1 पुणे में भारतीय फिल्म संस्थान की स्थापना 1960 में की गई थी। 1970 में संस्थान में टेलीविजन खंड भी बना दिया गया और संस्थान का नाम बदलकर भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान कर दिया गया। 1974 में संस्थान को 1860 के सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत कराया गया। संस्थान में फिल्म-निर्माण और दूरदर्शन प्रस्तुति की तकनीक और कला के बारे में नवीनतम जानकारी और प्रौद्योगिकी संबंधी अनुभव प्रदान किया जाता है। दूरदर्शन के सभी श्रेणियों के अधिकारियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण भी यहां दिया जाता है।

4.19.2 संस्थान के फिल्म खंड और टेलीविजन खंड हैं। फिल्म खंड फिल्म निर्देशन, मोशन पिक्चर फोटोग्राफी और ऑडियोग्राफी में तीन साल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है। टेलीविजन खंड में दूरदर्शन के विभिन्न श्रेणियों के

कर्मचारियों को टी.वी. कार्यक्रम निर्माण और तकनीकी संचालन का सेवाकालीन प्रशिक्षण दिया जाता है। दूरदर्शन के कर्मचारियों, भारतीय सूचना सेवा के प्रशिक्षुओं, फिल्म खंड के छात्रों और बाहरी लोगों आदि के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

4.19.3 टेलीविजन खंड ने बाहर के लोगों के लिए नई दिल्ली के सी.ई.एम.सी.ए. (एशिया के लिए राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र) के साथ मिलकर 'केपचरिंग एक्शन आउटडोर' नामक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में 18 लोगों ने हिस्सा लिया। टी.वी. खंड ने दूरदर्शन के कर्मचारियों के लिये 45वां टेलीविजन निर्माण और तकनीकी संचालन पाठ्यक्रम आयोजित किया जिसमें दूरदर्शन के 62 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

4.19.4 वर्ष 1998 के दौरान 25 विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण ले रहे थे जिनमें से दो विदेशी विद्यार्थियों ने अगस्त 1997 में प्रवेश लिया था।

4.19.5 भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान तथा भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार ने मिलकर चार सप्ताह का फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम आयोजित किया। पत्रकारिता, शिक्षा, नाट्य मंच और मीडिया अनुसंधान के क्षेत्रों से 70 लोगों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। संस्थान ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय के साथ मिलकर कोलंबो, श्रीलंका में फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम आयोजित किया।

4.19.6 संस्थान ने 45वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह, जर्मनी के 27वें विद्यार्थी फिल्म समारोह, तेल अबीब (इसराइल) के 7वें अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी फिल्म समारोह, छठी अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह (वीला डो कोंडे, पुर्तगाल) और 22वीं रिकोंटर्स इंटरनेशनेल्स हेनरी लंगलोइ (पोइटर्स, फ्रांस) में हिस्सा लिया।

4.19.7 भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान ने भारत और विदेशों के जाने-माने फिल्म-निर्माताओं के लिए निरंतर कार्यशालाएं/सेमिनार आयोजित किए।

4.19.8 भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफ.टी.टी.आई.) के टेलीविजन स्कंध ने पहली बार मालदीव के टेलीविजन कर्मियों के लिए मालदीव में ही छह-सप्ताह के एक विशेष पाठ्यक्रम का आयोजन किया है। यह पाठ्यक्रम 22 फरवरी से पहली अप्रैल, 1999 तक है।

सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान

4.20.1 सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता की स्थापना राष्ट्रीय स्तर पर फिल्म निर्माण की कला और तकनीक के बारे में नवीनतम जानकारी और प्रौद्योगिकी संबंधी अनुभव प्रदान करने के लिए की गई हैं। संस्थान को पश्चिम बंगाल समिति पंजीकरण अधिनियम, 1961 के अंतर्गत 18.8.95 को समिति के रूप में पंजीकृत कराया गया। संस्थान एक स्वायत्त समिति है जिसमें प्रशासनिक परिषद, स्थायी वित्त समिति और एक शैक्षिक परिषद शामिल है।

4.20.2 संस्थान निर्देशन, मोशन पिक्चर फोटोग्राफी, संपादन और साउंड रिकार्डिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाता है। ये तीन साल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम फिल्म निर्देशन, मोशन पिक्चर फोटोग्राफी, संपादन और साउंड रिकार्डिंग में हैं।

4.20.3 संस्थान ने फिल्म निर्माण के विभिन्न पक्षों जैसे निर्देशन, छायांकन, संपादन और साउंड रिकार्डिंग पर कार्यशालाओं, सेमिनारों आदि में हिस्सा लेने के लिए फिल्म से जुड़े अनेक व्यक्तियों को बुलाया।

4.20.4 संस्थान को सूचना व प्रसारण मंत्रालय से सीधे धन प्राप्त होता है। 1998-99 में इसे 10 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

भारतीय फिल्म समिति संघ

4.21 भारतीय फिल्म समिति संघ फिल्म समितियों की शीर्ष संस्था है। सिनेमा के क्षेत्र में दर्शकों में सुरुचि जगाने और फिल्मों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए इस संस्था को मंत्रालय से अनुदान प्राप्त होता है। फिल्म समितियां फिल्म-संस्कृति के विकास के लिए भी प्रयास करती हैं। 1998-99 के लिए 4 लाख रुपये का बजट में प्रावधान है जो कि फिल्म समितियों को अनुदान के रूप में मिलेगा। इसमें 3 लाख रुपये पहले से ही संघ को दिए जा चुके हैं। दूसरी, और अंतिम किश्त के रूप में 1 लाख रुपये भी वित्त वर्ष 1998-99 में ही दिए जाएंगे।

5

प्रेस प्रचार

पत्र सूचना कार्यालय

5.1.1 पत्र सूचना कार्यालय सरकार की एक ऐसी एजेंसी है, जिसके माध्यम से वह अपनी विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों, प्रयासों, और उपलब्धियों की जानकारी पत्र-पत्रिकाओं और इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यमों को संप्रेषित करती है। कार्यालय अपने 8 क्षेत्रीय कार्यालयों और 32 शाखा कार्यालयों एवं सूचना केन्द्रों के जरिए विभिन्न प्रारूपों में सूचनाएं संप्रेषित करता है, जैसे प्रेस विज्ञप्ति, संवाददाता सम्मेलन, प्रेस जानकारी, साक्षात्कार, फीचर लेख, संदर्भ सामग्री, बुलेटिन बोर्ड सेवा, वीडियो टेप, आदि।

5.1.2 कार्यालय द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में जारी सूचना सामग्री 7000 से अधिक अखबारों और मीडिया संगठनों को भेजी जाती है। इसके मुख्यालय में अधिकारियों की एक टीम है जो मीडिया को सूचना संप्रेषित करने के काम में सहायता देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के साथ विशेष रूप से सम्बद्ध है। ये अधिकारी सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में समाचारपत्रों में व्यक्त लोगों की प्रतिक्रियाओं पर सम्बद्ध मंत्रालयों/विभागों को

पूर्व सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज नई दिल्ली में 16-18 सितंबर, 1998 को आयोजित आर्थिक संपादकों के सम्मेलन को संबोधित करती हुई

फीडबैक भी करते हैं। पी.आई.बी. का फीडबैक सेल अपनी विशेष सेवा के अंग के रूप में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं की खबरों और सम्पादकीय टिप्पणियों के आधार पर हर रोज डाइजेस्ट और विशेष डाइजेस्ट तैयार करता है। फीचर इकाई संदर्भ सामग्री, अद्यतन सामग्री, फीचर लेख और ग्राफिक्स उपलब्ध कराती है। इनका वितरण राष्ट्रीय नेटवर्क पर होता है और अब ये इंटरनेट पर भी उपलब्ध कराये गए हैं। यह सामग्री अनुवाद और वितरण के लिए क्षेत्रीय तथा शाखा कार्यालयों में भेजी जाती है। पी.आई.बी. सरकारी गतिविधियों की फोटो कवरेज का प्रबन्ध भी करता है और अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं में छपने वाली देशभर की पत्र-पत्रिकाओं को फोटोग्राफ उपलब्ध कराता है। 1998 में अप्रैल से दिसम्बर तक पत्र-पत्रिकाओं को 2,23,135 फोटोग्राफ उपलब्ध कराये गये।

5.1.3 पत्र सूचना कार्यालय के 30 क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के बीच कम्प्यूटर संपर्क है, जिससे तेजी से सूचनाएं फीड करने में मदद मिलती है। ब्यूरो इंटरनेट प्रणाली से भी जुड़ा हुआ है, जो इसकी सामग्री को अंतर्राष्ट्रीय उपयोग के लिए उपलब्ध कराती है। पी.आई.बी. के होमपेज की सेवा www.nic.in/India-Image/PIB के ज़रिए प्राप्त की जा सकती है। सूचनाओं के तत्काल संप्रेषण के लिए ब्यूरो की प्रेस-विज्ञप्तियां कम्प्यूटर के जरिए स्थानीय समाचारपत्रों और बाहर के महत्वपूर्ण अखबारों के स्थानीय संवाददाताओं को फैक्स की जाती हैं। पी.आई.बी. ने अपने कुछ कार्यालयों को कम्प्यूटर से फोटो भेजने का काम भी शुरू किया है।

5.1.4 पत्र सूचना कार्यालय 22 क्षेत्रीय केन्द्रों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग प्रणाली के जरिए जुड़ा है। इससे क्षेत्रीय केन्द्रों के पत्रकार नई दिल्ली और देश के अन्य भागों में आयोजित संवाददाता सम्मेलनों में भाग ले सकते हैं।

5.1.5 पी.आई.बी. मीडिया के लोगों को मान्यता भी प्रदान करता है ताकि वे सरकारी स्रोतों से आसानी से सूचनाएं प्राप्त कर सकें। इसके मुख्यालय द्वारा 1006 संवाददाताओं और 226 कैमरामैनों को मान्यता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त 133 तकनीशियनों और 56 सम्पादकों/मीडिया समीक्षकों को भी ये व्यावसायिक सुविधाएं दी गई हैं।

5.1.6 नई दिल्ली के पत्र सूचना कार्यालय में एक राष्ट्रीय प्रेस केन्द्र स्थापित किया गया है जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही संचार माध्यमों के लिए संपर्क-केन्द्र के रूप में काम करता है। इस केंद्र में दूरसंचार केन्द्र, प्रेस कांफ्रेंस हॉल, प्रेस लाउंज, और एक अल्पाहार-गृह (कैफेटेरिया) जैसी मीडिया केन्द्र की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। नेट पर पत्र सूचना कार्यालय के होम पेज से जुड़ा हुआ डेटा बैंक तैयार करने के लिए एक कार्यदल का गठन किया गया है। पत्र सूचना कार्यालय में पत्रकारों के लिए साइबर कैफे सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

विभिन्न अभियानों की मुख्य बातें

5.2.1 वर्ष के दौरान पत्र सूचना कार्यालय ने अनेक प्रचार अभियान चलाए। इनमें भारत की आजादी की 50वीं वर्षगांठ, पोखरण-II, पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम, प्रदूषण की समस्या, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली और मणिपुर राज्यों में विधानसभा चुनाव, विश्व आवास दिवस, प्रधानमंत्री की विदेश यात्राएं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्य तेल की समस्या से निबटने के उपाय, आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण, स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र को सम्बोधन, गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विशेष पैकेज की घोषणा आदि प्रमुख थे।

5.2.2 स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ मनाने के सिलसिले में पी.आई.बी. ने अनेक फीचर लेख जारी किए जिनमें देश के विभिन्न भागों में स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए गौरवशाली बलिदानों को उजागर किया गया। पिछले 50 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में देश की प्रगति को दर्शाने वाली फोटो प्रदर्शनी और स्वाधीनता आंदोलन में पंजाबी प्रेस की भूमिका पर सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित राष्ट्रीय प्रायोगिक परियोजना को समुचित कवरेज प्रदान की गई, जिसका उद्देश्य 'विकलांग बच्चों की घर में देखभाल' के बारे में माता-पिता, व्यवसायियों और गैर सरकारी संगठनों को प्रशिक्षण प्रदान करना था।

5.2.3 पी.आई.बी. ने सितम्बर, 1998 में आर्थिक सम्पादकों के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें देशभर से 200 से अधिक वरिष्ठ सम्पादकों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन का उद्घाटन वित्त मंत्री श्री यशवंत सिन्हा ने किया और इसे आर्थिक मंत्रालयों के 10 वरिष्ठ मंत्रियों ने संबोधित किया। वित्त मंत्री द्वारा 1 जून, 98 को प्रस्तुत आम बजट के व्यापक प्रचार के लिए समुचित प्रबन्ध किए गए। सार्वजनिक क्षेत्र में सुधारों, पेटेंट कानून के बारे में सरकार के प्रयासों, बीमा क्षेत्र में उदारीकरण और अधिक मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी पूंजी निवेश आकर्षित करने के उपायों को विभिन्न प्रचार-माध्यमों से प्रचारित करने के प्रबन्ध किए गए। सार्वजनिक क्षेत्र के लाभ कमाने वाले प्रतिष्ठानों की उपलब्धियों का भी प्रचार किया गया। ब्यूरो ने 'डेस्टीनेशन इंडिया : ऐन आउटलाइन ऑफ इनवेंस्टमेंट एंड ट्रेड ऑपरच्युनिटी' (यानी भारत में निवेश और व्यापार के अवसरों की रूपरेखा) शीर्षक से एक पुस्तिका तैयार की, जिसका वितरण केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने सिंगापुर में

भारत दिवस (इंडियन डे) के अवसर पर किया। अंकटाड, प्रत्यक्ष विदेशी पूंजीनिवेश के बारे में क्षेत्रीय विचार गोष्ठी, भारत-इस्राइल संयुक्त व्यापार समिति की दूसरी बैठक, भारत-पाकिस्तान व्यापार-वार्ता, भारत-केन्या संयुक्त व्यापार समिति, जी-77 व्यापार सम्मेलन और भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, 1998 के बारे में समुचित मीडिया कवरेज की व्यवस्था की गई। ब्यूरो ने सरकार द्वारा निर्यात बहाल करने के लिए घोषित विशेष पैकेज और कम्पनी अधिनियम 1956 में संशोधन के लिए जारी अध्यादेश को व्यापक प्रचारित किया। डूबते हुए पूंजी बाजार को बहाल करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री द्वारा घोषित आर्थिक सुधारों के पैकेज का भी प्रचार किया गया। वर्ष के दौरान निर्धनों को ध्यान में रखकर तैयार की गई लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के कामकाज और खाद्य-तेल में मिलावट की समस्या से निबटने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों को भी व्यापक कवरेज प्रदान किया गया। उपभोक्ता मामलों संबंधी विभाग के तहत् प्रदान की गई जांच सुविधा गतिविधियों को भी मीडिया में उजागर किया गया।

5.2.4 ब्यूरो ने नए रेलवे बजट, सम्बलपुर से तलचर तक नई रेलवे लाइन और ताम्ब्रम से तिरुचिरापल्ली तक नई बड़ी लाइन का उद्घाटन और एक दर्जन नई रेलगाड़ियों की शुरुआत के बारे में व्यापक प्रचार किया। भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, 1998 में रेलवे की भागीदारी, राष्ट्रीय प्रदर्शनी रेलगाड़ी, विभिन्न शहरों में नई रेलवे लाइनों का निर्माण, यात्री सुविधाएं, सफाई, कम्प्यूटरीकृत आरक्षण और दूरसंचार तथा सिग्नल प्रणाली के आधुनिकीकरण को प्रचारित करने का भी प्रबन्ध किया गया। बड़े बंदरगाहों द्वारा छोटे बंदरगाहों/विदेशी बंदरगाहों/ कम्पनियों के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित करने संबंधी भूतल परिवहन मंत्री की घोषणा के बारे में ब्यूरो ने एक संवाददाता सम्मेलन का भी आयोजन किया। समुद्री तूफान से क्षतिग्रस्त कांडला बंदरगाह पर चलाए गए राहत और बचाव कार्यों और भूतल परिवहन मंत्रालय द्वारा बोट योजना के तहत बनाए जाने के लिए निजी क्षेत्र को सौंपी गई सड़क परियोजनाओं के प्रचार के भी व्यापक प्रबन्ध किए गए। ब्यूरो ने राज्यों के परिवहन मंत्रियों की बैठक और पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रगति मैदान में आयोजित प्रथम पर्यटन प्रदर्शनी को भी कवर किया।

5.2.5 विश्व आवास दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार ''सुरक्षित शहर'' (सेफर सिटीज) को भी ब्यूरो ने व्यापक रूप से प्रचारित किया। आवास नीति के प्रचार की भी व्यवस्था की गई जिसमें 20 लाख मकान हर साल बनाने और शहरों में जलापूर्ति, सीवरेज, नालियां, सड़कें, परिवहन, तंग बस्ती विकास कार्यक्रम आदि को उजागर किया गया। हंस-3 परीक्षण उड़ान के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया और इसके लिए मानव संसाधन विकास मंत्री के संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। ब्यूरो ने 'निर्वाचन कानूनों में सुधार' विषय पर भारत के विधि आयोग द्वारा आयोजित सेमिनार का भी प्रचार किया।

5.2.6 मास्को में पेट्रोलियम के बारे में हुई भारत-रूस संयुक्त बैठक और दक्षिण अफ्रीका में हुए अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन के प्रचार के लिए भी ब्यूरो ने प्रबन्ध किया। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विशेषकर तेल क्षेत्र में सहयोग के लिए नई दिल्ली में हुई भारत-इराक संयुक्त आयोग की बैठक के प्रचार का ब्यूरो ने खास प्रबन्ध किया।

5.2.7 ग्लोबल इन्वायरन्मेंट फैसिलिटीज (जी ई एफ) की असेम्बली बैठक, भारतीय उद्योग संघ (सी आई आई) के राष्ट्रीय सम्मेलन और वार्षिक सत्र, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, ज्ञानपीठ पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, तम्बाकू निषेध दिवस, श्रम पुरस्कार समारोह जैसे कार्यक्रमों के प्रचार का भी प्रबन्ध किया गया। ब्यूरो ने राज्यों के शिक्षा मंत्रियों और सचिवों के सम्मेलन मूल्यों की स्थिति की समीक्षा के लिए छठा मुख्यमंत्री सम्मेलन, आवास की चुनौतियों के बारे में अखिल भारतीय सम्मेलन, विकलांगों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों, एसोचैम की 70वीं वार्षिक आम बैठक, एड्स के बारे में सेमिनार और व्यापार एवं उद्योग के बारे में प्रधानमंत्री की सलाहकार परिषद् के बारे में भी प्रचार का प्रबन्ध किया।

5.2.8 ब्यूरो ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में मीडिया के लोगों की यात्राओं का प्रबन्ध किया ताकि केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की उपलब्धियों को उजागर किया जा सके। पी.आई.बी. ने मणिपुर में एच आई वी से ग्रस्त लोगों का अध्ययन करने में यूनिसेफ को सहयोग दिया। पूर्वोत्तर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विचार करने के लिए हुई पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्य मंत्रियों की बैठक को भी ब्यूरो ने प्रचारित किया।

5.2.9 जयपुर कार्यालय से मासिक पत्रिका 'मरुगंधा' का नियमित रूप से प्रकाशन किया गया। अगस्त, 1998 में स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ के समापन पर इस पत्रिका का विशेषांक निकाला गया। गणतंत्र दिवस परेड, सेना दिवस परेड और राष्ट्रपति भवन में रक्षा संस्थान समारोहों जैसे नियमित कार्यक्रमों का भी व्यापक प्रचार किया गया।

मुख्य बातें

(अप्रैल से दिसम्बर 1998)

1.	मुख्यालय द्वारा कवर किए गए कार्यक्रमों की संख्या	1105
2.	अखबारों के लिए जारी न्यूजफोटो की संख्या	1192
3.	जारी किए गए फोटो-प्रिंट	2,23,135
4.	प्रेस विज्ञप्तियों की संख्या	26,137
5.	जारी फीचर लेख	1702
6.	आयोजित संवाददाता सम्मेलन	594
7.	आयोजित प्रेस टूर	52

वित्त मंत्री श्री यशवंत सिन्हा नई दिल्ली में आर्थिक संपादकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए

6

समाचारपत्रों का पंजीयन

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक

6.1.1 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय सूचना और प्रसारण मंत्रालय का एक संबद्ध संगठन है। अपने सांविधिक कार्यों के एक अंग के रूप में यह कार्यालय समाचारपत्रों के शीर्षकों की उपलब्धता की जांच और विनियमन करता है, उनका पंजीकरण करता है, प्रसारण संबंधी दावों का सत्यापन करता है और समाचारपत्रों पर विस्तृत सूचना वाली एक वार्षिक रिपोर्ट 'प्रेस इन इंडिया' निकालता है। गैर-सांविधिक कार्यों के अंग के रूप में पंजीयक का कार्यालय समाचारपत्रों को प्रिंटिंग मशीनरी के आयात की जरूरत और संबद्ध सामग्री की आवश्यकताओं का भी सत्यापन करता है।

6.1.2 अप्रैल 1998-फरवरी 1999 के दौरान पंजीयक के कार्यालय ने समाचारपत्रों के शीर्षकों की उपलब्धता संबंधी 18,459 आवेदनों की जांच की, जिनमें से 7,738 शीर्षक सत्यापन के लिए उपलब्ध थे। बाकी शीर्षक उपलब्ध नहीं थे। इसी अवधि के दौरान 2,693 (2,145 नए और 1,860 संशोधित प्रमाणपत्र) समाचारपत्रों/पत्रिकाओं को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए गए तथा 1,536 समाचारपत्रों/पत्रिकाओं के प्रसार संबंधी दावों की जांच की गई।

6.1.3 'प्रेस इन इंडिया 1997' बिक्री के लिए जारी की गई। 'प्रेस इन इंडिया 1998' के अप्रैल 1999 तक बिक्री के लिए जारी कर दिए जाने की उम्मीद है।

अखबारी कागज

6.2.1 समाचारपत्रों के मुद्रण और प्रकाशन के लिए अखबारी कागज एक बहुत ही अहम सामग्री है। 1994-95 तक अखबारी कागज का आबंटन अखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 तथा सरकार द्वारा हर वर्ष घोषित की जाने वाली अखबारी कागज आयात नीति द्वारा नियमित किया जाता था। समाचारपत्रों को कागज के आयात और अनुसूचित देसी अखबारी कागज मिलों से खरीद के लिए पात्रता प्रमाणपत्र जारी किए जाते थे। लेकिन सरकार की आयात नीति के मद्देनजर प्रत्येक वर्ष अखबारी कागज नीति को संशोधित किया जाता रहा है।

6.2.2 पहली मई, 1995 से अखबारी कागज को 'सामान्य खुला लाइसेंस' के तहत ला दिया गया और ग्लेज्ड कागज सहित सभी तरह के अखबारी कागजों का आयात किसी भी नागरिक के लिए पूरी तरह मुक्त कर दिया गया। नवीनतम अखबारी कागज नीति/सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा अखबारी कागज के आयात के लिए जारी दिशानिर्देशों के तहत भारत के समाचारपत्र पंजीयक द्वारा पंजीकरण प्रमाणपत्र का प्रभावी प्रमाणीकरण किया जाता है जिसके लिए एक औपचारिक आवेदन और आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्यों को प्रस्तुत करना होता है।

6.2.3 स्वदेशी अखबारी कागज मिलों द्वारा तैयार किया जाने वाला अखबारी कागज समाचारपत्र पंजीयक के यहां पंजीकृत समाचारपत्रों द्वारा खरीदे जाने पर उन्हें उस खरीद पर उत्पाद शुल्क से छूट मिलती है। छोटे और मझोले समाचारपत्रों के हितों के संरक्षण के लिए उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति तथा संवर्द्धन विभाग ने एक आदेश जारी किया है, जिसके अनुसार अधिसूचित अखबारी कागज मिलों के अखबारी कागज के कुल उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा इन मिलों के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस नीति के अंतर्गत आर.एन.आई. को उन प्रकाशनों को आरक्षित कोटे से अधिसूचित मिलों से अखबारी कागज खरीदने के लिए पात्रता प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिनकी कुल वार्षिक पात्रता 200 मीटरी टन से कम हो तथा प्रति प्रकाशन दिवस 75,000 प्रतियों से कम की प्रसार संख्या हो। पात्र समाचारपत्र से आवेदन मिलने पर ही पंजीयक द्वारा पात्रता प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। अप्रैल 1998-फरवरी 1999 के दौरान 745 प्रमाणीकृत पंजीयन प्रमाणपत्र जारी किए गए।

शीर्षकों को मुक्त करना

6.3.1 समाचारपत्र पंजीयक कार्यालय के इतिहास में पहली

बार लगभग दो लाख शीर्षकों को मुक्त करने का एक महती कार्य हाथ में लिया गया है। निर्णय के अनुसार, समाचारपत्रों के ऐसे सभी शीर्षक 31 दिसम्बर, 1995 से पहले सत्यापित किए गए थे। जिन शीर्षकों के प्रकाशकों/स्वामियों ने अपने प्रकाशनों का पंजीयक के यहां पंजीकरण नहीं कराया है, ऐसे नामों को मुक्त किया जाना है।

6.3.2 पंजीकृत शीर्षकों को दर्ज करने का कार्य पूरा हो गया है तथा सूचियां राज्य सरकारों को भेज दी गई हैं। बिना इस्तेमाल किए हुए करीब डेढ़ लाख शीर्षक पहली जनवरी 1999 से अन्य समाचारपत्रों को आबंटित करने के लिए उपलब्ध हैं।

छपाई मशीनरी

6.4 समाचारपत्रों को रियायती सीमा शुल्क दर पर छपाई मशीनरी और सम्बद्ध सामग्री के आयात के लिए भारत के समाचारपत्रों का पंजीयक प्रायोजक प्राधिकरण है। अप्रैल 1998-फरवरी 1999 के दौरान छपाई मशीनरी और सम्बद्ध उपकरणों के आयात के लिए चार समाचारपत्र प्रतिष्ठानों के आवेदनों की संस्तुति की गई।

7

प्रकाशन

प्रकाशन विभाग

7.1.1 प्रकाशन विभाग को आज देश के सबसे बड़े प्रकाशन गृह का दर्जा प्राप्त है। 1941 में ब्यूरो ऑफ पब्लिक इंफार्मेशन की एक शाखा के रूप में स्थापित इस विभाग को इसका वर्तमान नाम व पहचान 1944 में मिली। विभाग का उद्देश्य आम आदमी को कम कीमतों पर अच्छी व सूचनाप्रद पुस्तकों के जरिए जानकारी उपलब्ध कराना है। अब तक विभाग 7,000 पुस्तकें प्रकाशित कर चुका है, जिनमें से 1,500 पुस्तकें अभी भी प्रचलन में हैं। अप्रैल 1998 से फरवरी 1999 के दौरान विभाग ने 141 पुस्तकें प्रकाशित कीं।

7.1.2 वर्तमान में विभाग 21 पत्रिकाएं प्रकाशित कर रहा है। शीघ्र ही विभाग एक नई श्रृंखला 'परिचय भारत' (इंट्रोडक्शन इंडिया) शुरू कर रहा है, जिसकी दो उप-श्रृंखलाएं होंगी: पहली प्राचीन भारतीय विज्ञान के बारे में होगी और दूसरी श्रृंखला भारत की कला व संस्कृति को रेखांकित करेगी। प्रत्येक विषय पर अलग-अलग पुस्तकें होंगी। विभाग ने किसी

पूर्व सूचना और प्रसारण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा 'जब्तशुदा तराने' शीर्षक पुस्तक का लोकार्पण

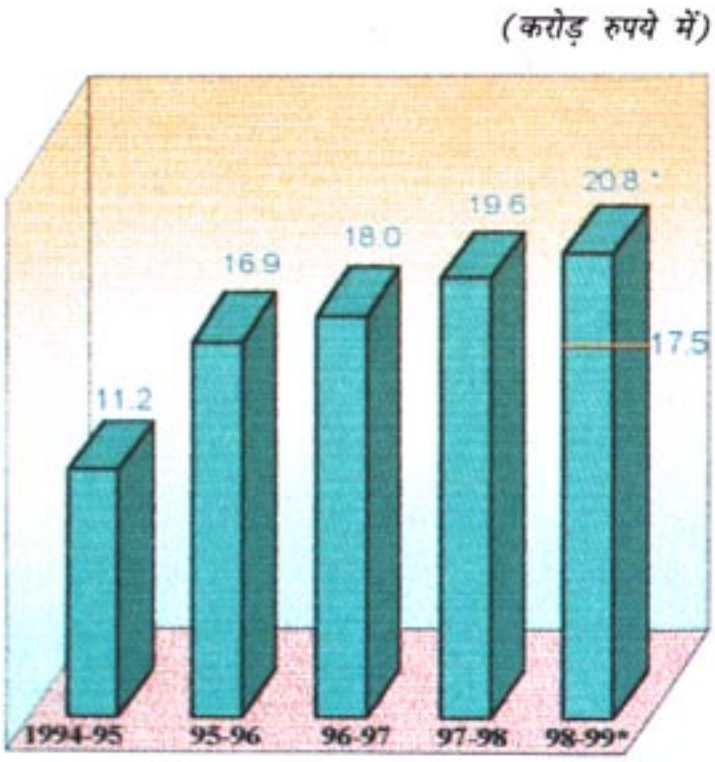

प्रकाशन विभाग द्वारा फरवरी 1999 तक अर्जित राजस्व
17.46 करोड़ रुपये
अनुमानित आंकड़े - 20.8 करोड़ रुपये

एक व्यक्ति के बारे में संभवतया विशालतम शृंखला 'सम्पूर्ण गांधी वांड्मय' प्रकाशित की जो है जिसमें अंग्रेजी के 100 खंड शामिल हैं। इनमें से 87 खंड हिंदी में भी प्रकाशित हो चुके हैं तथा शीघ्र ही तीन और खंड प्रकाशित किए जा रहे हैं। विभाग 'सम्पूर्ण गांधी वांड्मय' पर एक मल्टी-मीडिया काम्पैक्ट डिस्क निकालने में व्यस्त है। इसके अतिरिक्त 'सम्पूर्ण गांधी वांड्मय' पर एक इलेक्ट्रॉनिक पुस्तक भी तैयार की जा रही है।

पुस्तकें

7.2.1 भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के अवसर पर विभाग ने गीतों और गाथागीतों की एक पुस्तक—'जब्तशुदा तराने' प्रकाशित की है। एक अन्य पुस्तक 'याद कर लेना कभी' (शहीदों के खत) नौ भाषाओं में प्रकाशित की गई। शहीदों के पत्रों का यह संग्रह अंग्रेजी, उर्दू, असमिया, गुजराती, मराठी, तमिल, मलयालम, तेलुगू और पंजाबी में प्रकाशित किया गया है।

7.2.2 इस अवधि में बच्चों के लिए प्रकाशित कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों में हैं--अंग्रेजी की 'चिल्ड्रन इन कोट्स', 'इंडियन कैलेंड्रिक सिस्टम', 'प्रेस इन इंडिया-1997' और 'लैटर्स ऑफ मार्ट्यर्स' तथा हिन्दी में 'बागवानी कैसे करें', 'हमारी झीलें और नदियां', 'ट्रैकिंग', 'भारत 1998', 'सर्वधर्म समभाव', 'राजभाषा हिंदी', 'हमारा राष्ट्रीय ध्वज' और 'बिहारी सतसई।'

7.2.3 विभाग भारतीय भाषाओं में अधिक पुस्तकें प्रकाशित करने पर जोर दे रहा है। 'अवर नेशनल फ्लैग' दस क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित की गई है, 'शहीदों के खत' नौ भाषाओं में, 'टुगैदर वी मार्च' तमिल में और 'शिल्प शिक्षा' बांग्ला में प्रकाशित हुई है। वर्ष के दौरान 'आधुनिक भारत के निर्माता' शृंखला के अंतर्गत उर्दू में सरोजिनी नायडू, हकीम अजमल खां, और डॉ.एम.ए. अंसारी के अतिरिक्त 'गॉस्पेल ऑफ बुद्ध' का उर्दू अनुवाद तथा 'कुली कुतुबशाह' पर भी एक पुस्तक प्रकाशित की गई।

पत्रिकाएं

7.3.1 पुस्तकों के अलावा, प्रकाशन विभाग राष्ट्रीय महत्व के मसलों पर और सामाजिक दृष्टि से उद्देश्यपूर्ण 21 पत्रिकाएं भी प्रकाशित कर रहा है।

7.3.2 विभाग की एक प्रमुख मासिक 'योजना' का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में नियोजित विकास का संदेश फैलाना है। पत्रिका 13 भाषाओं में प्रकाशित की जा रही है। ये भाषाएं हैं : असमिया, बंगला, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू। स्वतंत्रता दिवस 1998 के विशेषांक का विषय था 'विकास : नए लक्ष्य' इस अंक में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों, प्रौद्योगिकीविदों, पर्यावरणविज्ञानियों और विशेषज्ञों के लेखों को प्रकाशित किया गया। यह अंक देश में विभिन्न केंद्रों पर विमोचित किया गया।

7.3.3 ग्रामीण विकास को समर्पित 'कुरुक्षेत्र' ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय की ओर से अंग्रेजी तथा हिंदी में निकाला जाता है। वर्ष के दौरान, भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के पूरे होने के अवसर पर ग्रामीण विकास की उपलब्धियों और संभावनाओं पर एक विशेषांक प्रकाशित किया गया। अक्तूबर में प्रकाशित वार्षिक अंक में गरीबी उन्मूलन और प्रगति पर चर्चा की गई थी।

7.3.4 बच्चों की मासिक पत्रिका 'बाल भारती' 1948 से

प्रकाशित की जा रही है। अपने प्रकाशन के 50 वर्षों के अवसर पर पत्रिका के मई 1998 अंक में पत्रिका के पहले दशक से ली गई सामग्री का समावेश किया गया। पत्रिका में 'आकाश दर्शन' शीर्षक से एक शृंखला निकाली जा रही है। एक अन्य शृंखला 'झांकी हिंदुस्तान की' दिसंबर 1998 में संपन्न हुई। पत्रिका का फरवरी 1999 अंक विज्ञान विशेषांक होगा, जिसमें महासागर विज्ञान और अंटार्कटिक अभियान को प्रमुख विषय बनाया गया है।

7.3.5 हिंदी और उर्दू में प्रकाशित की जाने वाली साहित्यिक पत्रिका 'आजकल' ने कई विशेष अंक निकाले। इसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं की साहित्यिक कृतियों के हिंदी रूपांतर भी प्रकाशित किए गए। 'आजकल' के मई 1998 अंक में विज्ञान कथाओं पर एक विशेष फीचर प्रकाशित किया गया। भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष संबंधी समारोहों के अवसर पर पत्रिका के अगस्त अंक में स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय एकता पर लेख प्रकाशित किए गए। अक्तूबर अंक में महात्मा गांधी के जीवन पर बनाई गई फिल्मों पर एक विशेष लेख प्रकाशित किया गया। इस अवधि में 'आजकल' (उर्दू) ने विभिन्न साहित्यिक और सांस्कृतिक रचनाएं प्रकाशित कीं। मशहूर शायर मिर्ज़ा ग़ालिब पर फरवरी 1999 में एक विशेषांक निकाला गया।

7.3.6 'एंप्लायमेंट न्यूज' / रोजगार समाचार हर सप्ताह अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में प्रकाशित होता है। आज यह सर्वाधिक प्रसार संख्या वाली कैरियर गाईड है। इसमें केंद्रीय/राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों तथा प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में रिक्तियों के बारे में जानकारी होती है।

इसके सम्पादकीय पृष्ठ पर एक प्रमुख लेख, घटनाक्रम,

सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी नौ भाषाओं में 'शहीदों के खत' नामक पुस्तक का विमोचन करते हुए

पिछले पांच वर्षों में एम्प्लायमेंट न्यूज की प्रसार संख्या
(लाख में)

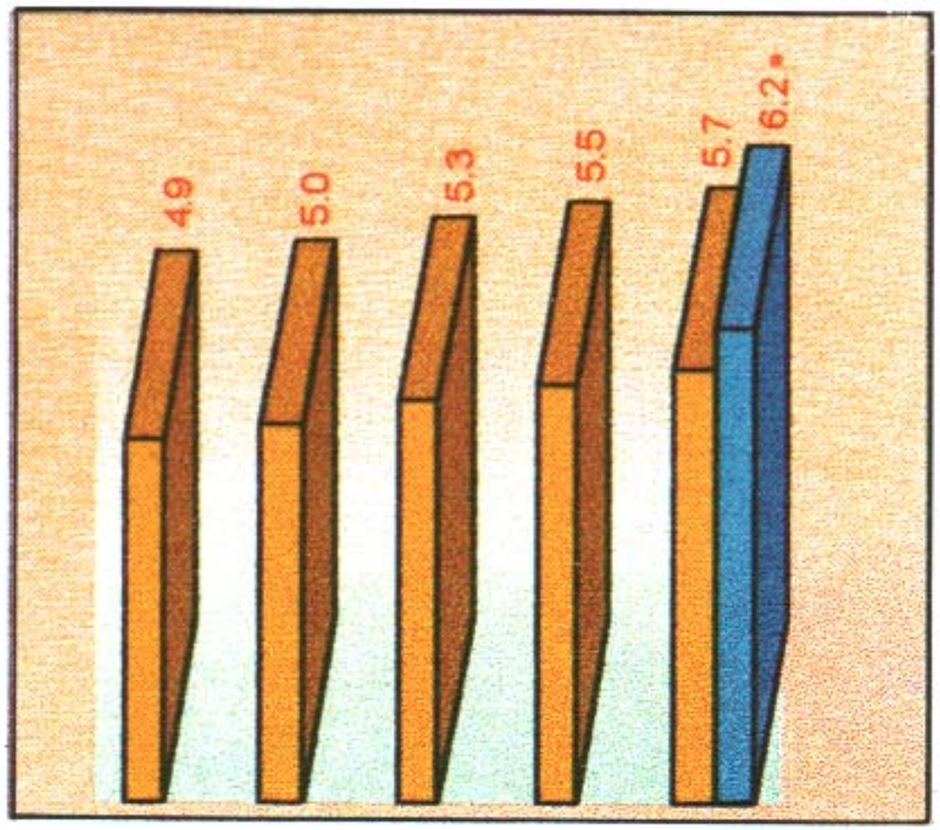

1998-99 में अनुमानित आंकड़े। फरवरी 1999 में प्रसार संख्या 5.7 लाख

अनुमानित आंकड़े : 6.25 लाख

सम्पादक के नाम पत्र, उद्धरण, विज्ञान जगत पर लेखों के अलावा परीक्षार्थियों के लिए कैरियर सम्बन्धी सलाह तथा अन्य उपयोगी विषयों पर लेख होते हैं। इस समाचारपत्र के देशभर में 360 विक्रय एजेंट हैं तथा इस समय इसकी प्रसार संख्या लगभग 6 लाख है जिससे इसके मुनाफे में काफी बढ़ोतरी हो रही है।

पुरस्कार

7.4 प्रकाशन विभाग जनसंचार पर मूल हिंदी लेखन को बढ़ावा देने के लिए भारतेंदु हरिश्चन्द्र पुरस्कार देती है। विभाग की तीन पुस्तकों—'लाइफ एंड एनवायरनमेंट: ए फोटो एलबम' (अंग्रेजी); 'भारतीय कला और कलाकार' (हिन्दी) और 'जवाहरलाल नेहरू' (उर्दू) को 1998-1999 के दौरान मुद्रण में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार मिले।

विपणन

7.5 प्रकाशन विभाग नई दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, कलकत्ता, लखनऊ, चेन्नई, पटना और तिरुअनंतपुरम् स्थित अपने विक्रय केंद्रों के जरिए अपने प्रकाशनों तथा अन्य सरकारी और अर्धसरकारी संगठनों की पुस्तकों की बिक्री करता है।

प्रदर्शनियां

7.6 आलोच्य अवधि में विभाग ने देशभर में लगभग 110 पुस्तक प्रदर्शनियों/मेलों का आयोजन किया अथवा उनमें भाग लिया। भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोहों के समापन के अवसर पर दो विशेष प्रदर्शनियां लगाई गईं। विभाग ने अप्रैल 1998 से फरवरी 1999 के दौरान 1746 लाख रुपये का कुल राजस्व अर्जित किया।

8

क्षेत्रीय प्रचार

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

8.1.1 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की स्थापना 1953 में की गई थी। तब इसका नाम 'पंचवर्षीय योजना प्रचार संगठन' रखा गया। दिसंबर 1959 में इस संगठन का नाम क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय कर दिया गया। निदेशालय का मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसकी 268 इकाइयां हैं, जिनका नियंत्रण और देखरेख इसके 22 क्षेत्रीय कार्यालयों के हाथ में है। इन 268 इकाइयों में से 166 सामान्य इकाइयां हैं। 72 सीमावर्ती इकाइयां और 30 परिवार कल्याण इकाइयां हैं। एक क्षेत्र में 8 से 18 तक इकाइयां होती हैं।

8.1.2 आम लोगों से जुड़ा होने के कारण यह निदेशालय राष्ट्रीय एकता और समाज के प्रत्येक तबके के लोगों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। यह लोगों को सहभागी बनाने के लिए संचार के सभी माध्यमों का उपयोग करता है, जिनमें सामूहिक चर्चा और जनसभा के अलावा सेमीनार, संगोष्ठी और विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं शामिल हैं। लोगों तक संदेश पहुंचाने के लिए फिल्मों और मनोरंजन के सीधे माध्यमों का भी इस्तेमाल किया जाता है, यह संगठन सरकार की विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों तथा उनके कार्यान्वयन के बारे में लोगों की प्रतिक्रियाएं भी एकत्र करता है।

पुरी क्षेत्रीय प्रचार इकाई द्वारा आयोजित पल्स पोलियो अभियान में 'मातृ-मिलन' कार्यक्रम के दौरान स्थानीय मेधा प्रतियोगिता के विजेता

आधुनिकीकरण

8.2.1 निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालयों को कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं और उन्हें ई-मेल नेटवर्क से जोड़ा गया है। 16 एम.एम. प्रोजेक्टरों की जगह क्षेत्रीय इकाइयों को वीडियो प्रोजेक्टर मुहैया कराए गए हैं, ताकि वे वीडियो फिल्मों का उपयोग कर सकें। वीडियो फिल्मों का उपयोग तथा निर्माण अपेक्षाकृत सस्ता और आसान है। इसके अलावा 50 हल्के जेनरेटर और वीडियो प्रोजेक्टरों को उठाकर ले जाने वाले 75 केस खरीदने के लिए 16.10 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। अब तक 34 वृत्तचित्रों की 4,595 प्रतियां उपलब्ध कराई गई हैं, जिन पर 18.84 लाख रुपये खर्च हुए हैं।

कंप्यूटरीकरण

8.2.2 कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद के लिए, जिसमें 14 पेंटियम-II कंप्यूटर, 14 प्रिंटर और चार यू पी एस, 10 एम एस ऑफिस 97 (प्रो) तथा तीन विण्डोज 98 शामिल हैं, स्वीकृत 15 लाख रुपये के अनुदान में से 14.42 लाख रुपये पहले ही व्यय किये जा चुके हैं। इस निदेशालय के अधिकारियों को कंप्यूटर के बारे में जानकारी देने के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण का एक पाठ्यक्रम भी आयोजित किया गया।

प्रायोजित दौरे

8.3 इस साल के सात प्रायोजित दौरों में से छह पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं। एक दौरा मार्च 1999 में किया जाएगा। इनमें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों के विचारों को शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि इन दौरों में देश के अलग-अलग इलाकों से विभिन्न कार्यक्षेत्रों के प्रतिनिधियों को पूर्वोत्तर भारत का भ्रमण कराया जाए और इसी तरह, पूर्वोत्तर भारत के प्रतिनिधियों को देश के बाकी हिस्सों का भ्रमण कराया जाए।

8.4 **कार्य निष्पादन**

कार्यक्रम	वास्तविक निष्पादन (अप्रैल-अक्तूबर 98)	लक्ष्य (नव. 98-मार्च 99)
फिल्म शो	28,063	26,000
मौखिक संप्रेषण	35,695	27,300
फोटो प्रदर्शनियां	19,174	10,400
विशेष कार्यक्रम	4,512	3,250
यात्रा दिवस	14,411	15,600

जम्मू-कश्मीर में पुनः सक्रियता

8.5 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने जम्मू-कश्मीर में प्रचार संबंधी गतिविधियां फिर से शुरू कर दी हैं जो दिसंबर 1989 से रुकी पड़ी थीं। क्षेत्रीय इकाइयां छोटा परिवार, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, प्रतिरक्षीकरण, बाल मजदूरी, साक्षरता आदि जैसे विषयों पर मौखिक संप्रेषण के जरिए विशेष प्रचार अभियान चलाएंगी।

ग्रामीण विकास

8.6 निदेशालय ने ग्रामीण विकास पर तीन माह का व्यापक अखिल भारतीय प्रचार अभियान शुरू किया। ट्राइसेम, एन.एस.ए.पी., डी.डब्ल्यू.सी.आर.ए., रोजगार आश्वासन योजना और ग्रामीण स्वच्छता योजना जैसी ग्रामीण विकास योजनाएं इस अभियान के विषय थे। सुदूरवर्ती और सबसे पिछड़े क्षेत्र इस अभियान के मुख्य लक्ष्य थे। यह मुख्य रूप से प्रत्यक्ष और अंतरवैयक्तिक संप्रेषण अभियान था। गोष्ठियां, जनसभाएं और परिचर्चाएं भी आयोजित की गईं। कार्यक्रमों के दौरान मुद्रित प्रचार सामग्री का वितरण और प्रदर्शन भी किया गया। प्रचार अभियान के दौरान कुल 6672 फिल्म शो, 8167 मौखिक वार्ता कार्यक्रम, 4139 फोटो प्रदर्शनियां, 398 गीत एवं नाट्य कार्यक्रम और 1028 विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

8.7 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने विश्व स्वास्थ्य दिवस और विश्व जनसंख्या दिवस पर मलेरिया, अतिसार, स्तनपान, पोषाहार और अंधेपन से बचाव के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए प्रचार अभियान शुरू किया। इसके अलावा यह परिचर्चाओं, संगोष्ठियों, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के माध्यम से एड्स जैसी घातक बीमारी के प्रति व्यापक जागरूकता लाने के लिए भी अभियान चलाता रहता है।

राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव

8.8 देश की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती समारोहों के समापन, महात्मा गांधी की 125वीं वर्षगांठ, सद्भावना पखवाड़ा, कौमी एकता दिवस/सप्ताह जैसे अवसरों पर राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए

गए।

मेले एवं त्यौहार

8.9 इस वर्ष कई महत्वपूर्ण मेलों और त्यौहारों के अवसर पर प्रचार अभियान चलाया गया। इनमें से कुछ थे : मेरठ का नौचंदी मेला, पुरी की रथयात्रा, गणेश पूजा, राजस्थान में अजमेर में गणगौर मेला और ख्वाज़ा मोइनुद्दीन चिश्ती का उर्स, केरल का ओणम, गुवाहाटी का कामाख्या मेला, ऊधमपुर का शुद्ध महादेव मेला, चमोली का आदि बद्री, तिरुपति मेला, सुंदरवन मेला और सोनपुर, बिहार में लगने वाला एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला।

महिला एवं बाल विकास

8.10 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने यूनीसेफ के साथ मिलकर पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारियों को बाल अधिकारों पर अधिक जागरूक बनाने के लिए दो कार्यशालाएं आयोजित कीं। निदेशालय की इकाइयां बेबी शो, मातृ-मिलन जैसे विशेष कार्यक्रम चलाती रही हैं।

मादक पदार्थों के दुष्परिणाम

8.11 क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने शराब और नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से आगाह करने के लिए 'बूंद बूंद जहर', 'जाम और अंजाम', 'एल्कोहलिक ड्रिंक' और 'बॉटल्ड केनिबाल्स' जैसी फिल्मों का प्रदर्शन किया। इस उद्देश्य के लिए अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निवारण दिवस और मद्य निषेध सप्ताह जैसे अवसरों का विशेष रूप से उपयोग किया गया।

चासा महुली के स्कूली छात्रों द्वारा 13 जनवरी, 99 को आयोजित रैली का एक दृश्य।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय तथा क्षेत्र प्रचार इकाइयां

(क्षेत्रीय कार्यालय मोटे अक्षरों में)

*** नई इकाइयां**

आंध्र प्रदेश

1. **हैदराबाद**
2. कुडप्पा
3. गुंटूर
4. काकिनाड़ा
5. कुर्नूल
6. मेडक
7. नलगोंडा
8. नेल्लूर
9. निज़ामाबाद
10. श्रीकाकुलम्
11. विशाखापत्तनम्
12. वारंगल

अरुणाचल प्रदेश

1. **ईटानगर**
2. अनिनी
3. एलोंग
4. बोमडिला
5. खोन्सा
6. नाम्पोंग
7. डापोरिजो
8. पासीघाट
9. सेप्पा
10. तवांग
11. तेज़ू
12. ज़िरो
13. यिंगकिओंग*

असम

1. **गुवाहाटी**
2. धुबरी
3. डिब्रूगढ़
4. दीफू
5. बारपेटा
6. हाफलौंग
7. जोरहाट
8. नलबाड़ी
9. उत्तरी लखीमपुर
10. नौगांव
11. सिलचर
12. तेजपुर
13. धेमाजी*

बिहार-उत्तरी

1. **पटना**
2. बेगूसराय
3. छपरा
4. दरभंगा
5. भागलपुर
6. किशनगंज
7. मुंगेर
8. मोतिहारी
9. मुजफ्फरपुर
10. फारबिसगंज
11. सीतामढ़ी

बिहार-दक्षिणी

1. **रांची**
2. धनबाद
3. दुमका
4. गया
5. गुमला
6. हजारीबाग
7. जमशेदपुर
8. डाल्टनगंज
9. चाईबासा*

गुजरात

1. **अहमदाबाद**
2. अहवा
3. भावनगर
4. भुज
5. गोधरा
6. हिम्मतनगर
7. जूनागढ़
8. पालनपुर
9. राजकोट
10. सूरत
11. वड़ोदरा

जम्मू और कश्मीर

1. **जम्मू**
2. बारामूला
3. चदूरा
4. डोडा
5. अनंतनाग
6. कंगन
7. कारगिल
8. कठुआ
9. कुपवाड़ा
10. लेह
11. पुंछ
12. राजौरी
13. शोपियां
14. श्रीनगर
15. ऊधमपुर

कर्नाटक

1. **बंगलूर**
2. बेलगाम
3. बेल्लारी
4. बीजापुर
5. चित्रदुर्ग
6. धारवाड़
7. गुलबर्गा
8. हासन
9. मंगलूर
10. मैसूर
11. शिमोगा

केरल

1. **तिरुअनंतपुरम**
2. कन्नानूर
3. एर्नाकुलम्
4. वायनाड
5. कोट्टायम
6. कोझिकोड
7. मल्लापुरम्
8. पालघाट
9. क्विलोन
10. त्रिशूर
11. अलेप्पी
12. कावारत्ती

मध्य प्रदेश—पूर्व

1. **रायपुर**
2. बालाघाट
3. बिलासपुर
4. दुर्ग
5. जबलपुर
6. जगदलपुर
7. कांकेर
8. अंबिकापुर
9. रीवां
10. शहडोल
11. सीधी
12. बस्तर*

मध्य प्रदेश—पश्चिम

1. **भोपाल**
2. छतरपुर
3. छिंदवाड़ा
4. गुना
5. ग्वालियर
6. होशंगाबाद
7. इंदौर
8. झाबुआ
9. मंदसौर
10. सागर
11. उज्जैन

महाराष्ट्र और गोवा

1. **पुणे**
2. अमरावती
3. औरंगाबाद
4. मुंबई
5. चन्द्रपुर
6. जलगांव
7. कोल्हापुर
8. नागपुर
9. नांदेड़
10. नासिक
11. अहमदनगर
12. रत्नागिरि
13. सतारा
14. शोलापुर
15. वर्धा
16. पणजी

मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा

1. **शिलांग**
2. आईजोल
3. जोवाई
4. विलियमनगर
5. कैलाशहर
6. लुंगलेई
7. सैहा
8. अगरतला
9. तुरा
10. उदयपुर
11. नोंगस्टोइन

नगालैंड तथा मणिपुर

1. **कोहिमा**
2. चूड़ाचांदपुर
3. इंफाल
4. चंदेल
5. मोकोकचुंग
6. मोन
7. तामेंगलोंग
8. त्वेनसांग
9. उखरूल
10. सेनापति

		उत्तर-पश्चिम			
1.	**चंडीगढ़**	7.	हिसार	13.	नारनौल
2.	अमृतसर	8.	जालंधर	14.	नई दिल्ली (I)
3.	अम्बाला	9.	रिकोंग पियो	15.	नई दिल्ली (II)
4.	धर्मशाला	10.	लुधियाना	16.	पठानकोट
5.	फिरोजपुर	11.	मंडी	17.	रोहतक
6.	हमीरपुर	12.	नाहन	18.	शिमला
				19.	चम्बा*
		उड़ीसा			
1.	**भुवनेश्वर**	5.	बालेश्वर	9.	क्योंझर
2.	बासीपाड़ा	6.	कटक	10.	फुलबनी
3.	बेरहामपुर	7.	ढेंकानाल	11.	पुरी
4.	भवानीपटना	8.	जैपोर	12.	संभलपुर
		राजस्थान			
1.	**जयपुर**	6.	जैसलमेर	11.	श्रीगंगानगर
2.	अलवर	7.	जोधपुर	12.	उदयपुर
3.	बाड़मेर	8.	कोटा	13.	सवाईमाधोपुर
4.	बीकानेर	9.	डूंगरपुर	14.	सिरोही*
5.	अजमेर	10.	सीकर		
		तमिलनाडु तथा पांडिचेरी			
1.	**चेन्नई**	5.	पांडिचेरी	9.	तिरुचिरापल्ली
2.	धर्मपुरी	6.	रामनाथपुरम्	10.	तिरुनेलवेल्लि
3.	कोयम्बटूर	7.	सलेम	11.	वेल्लूर
4.	मदुरै	8.	तंजावूर		
		उत्तर प्रदेश (मध्य-पूर्वी)			
1.	**लखनऊ**	6.	झांसी	11.	रायबरेली
2.	आज़मगढ़	7.	कानपुर	12.	सुल्तानपुर
3.	बांदा	8.	लखीमपुर खीरी	13.	वाराणसी
4.	गोंडा	9.	इलाहाबाद		
5.	गोरखपुर	10.	मैनपुरी		
		उत्तर प्रदेश (उत्तर-पश्चिमी)			
1.	**देहरादून**	6.	मेरठ	11.	पिथौरागढ़
2.	अलीगढ़	7.	मुरादाबाद	12.	रानीखेत
3.	बरेली	8.	मुजफ्फरनगर	13.	उत्तरकाशी
4.	आगरा	9.	नैनीताल		
5.	गोपेश्वर	10.	पौड़ी		
		पश्चिम बंगाल (उत्तरी)			
1.	**सिलीगुड़ी**	4.	जोरथांग	7.	रायगंज
2.	गंगतोक	5.	कालिंपोंग	8.	कूच बिहार
3.	जलपाईगुड़ी	6.	मालदा		
		पश्चिम बंगाल (दक्षिणी)			
1.	**कलकत्ता**	5.	बांकुड़ा	9.	पोर्ट ब्लेयर
2.	बैरकपुर	6.	कार निकोबार	10.	राणाघाट
3.	बेरहामपुर	7.	चिनसुरा	11.	कलकत्ता (प.क.)
4.	बर्दवान	8.	मिदनापुर		

9

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

9.1.1 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, केन्द्र सरकार की प्रमुख बहु-प्रचार माध्यम विज्ञापन एजेंसी है, जो सरकार की गतिविधियों, नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देती है और उन्हें विकास गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करती है। निदेशालय, अपने ग्राहक मंत्रालयों, विभागों तथा स्वायतशासी निकायों की संचार संबंधी आवश्यकताएं, विभिन्न भाषाओं में मुद्रित सामग्री, प्रेस विज्ञापनों, रेडियो व टेलीविजन पर दृश्य-श्रव्य प्रचार कार्यक्रमों, बाह्य प्रचार और प्रदर्शनियों के जरिए पूरी करता है। निदेशालय द्वारा, ग्रामीण विकास कार्यक्रमों, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, बालिकाओं का कल्याण, जनसंख्या, हस्तशिल्प, राष्ट्रीय अखंडता और साम्प्रदायिक सद्भाव, रक्षा, नई आर्थिक नीति, पर्यावरण, साक्षरता, रोजगार, एड्स, नशीले पदार्थों से नुकसान और नशाबंदी, सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, आयकर, ऊर्जा संरक्षण तथा भारत की स्वतंत्रता के पचास वर्ष पर होने वाले समारोहों जैसे विषयों से संबंधित प्रचार पर जोर दिया जाता है।

9.1.2 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय के मुख्यालय में प्रचार अभियान, विज्ञापन, बाह्य प्रचार, मुद्रित प्रचार, प्रदर्शनियां, इलेक्ट्रॉनिक डेटा प्रोसेसिंग केन्द्र, मास मेलिंग, दृश्य श्रव्य प्रकोष्ठ, स्टूडियो और कॉपी विंग शाखाएं हैं।

9.1.3 निदेशालय के देशभर में कार्यालय हैं। इसके बंगलौर और गुवाहाटी में दो प्रादेशिक कार्यालय हैं, जो क्षेत्र में निदेशालय की गतिविधियों को समन्वित करते हैं। कलकत्ता और चेन्नई के दो प्रादेशिक वितरण केन्द्र, क्रमश: पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में प्रचार सामग्री के वितरण का काम सम्भालते हैं। निदेशालय की 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां हैं, जिनमें सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण इकाइयां और 21 सामान्य क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं।

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय की गतिविधियों की मुख्य बातें

(अप्रैल 1998-फरवरी 1999)

प्रेस विज्ञापन

1.45 लाख

मुद्रित सामग्री

1.33 करोड़ प्रतियां

बाह्य सामग्री

11,165 प्रदर्शित सामग्री

46,094 सिनेमा स्लाइड

2.50 लाख बिल्ले

श्रव्य और दृश्य कार्यक्रम

7,260 कार्यक्रम

रेडियो/टेलीविजन प्रसारण

49,744 इंसर्शन

डाक द्वारा प्रेषित सामग्री

1.46 करोड़ प्रतियां

प्रदर्शनी

1,438 प्रदर्शनी दिवस

स्वतंत्रता के 50 वर्ष

9.2.1 देश की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में दृश्य एवं प्रचार निदेशालय ने देशभर में एक सौ तीस से भी अधिक प्रदर्शनियां आयोजित कीं, जिनमें देश, जनजीवन और स्वतंत्रता संग्राम और पिछले 50 वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में विकास को प्रदर्शित किया गया। ये प्रदर्शनियां केरल, तमिलनाडु, चंडीगढ़, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, असम, गुजरात, उड़ीसा, दिल्ली, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित समूचे देश में लगाई गईं।

9.2.2 स्वतंत्रता दिवस—15 अगस्त, 1998 और महात्मा गांधी की 129वीं जयंती- 2 अक्तूबर, 1998 के अवसर पर प्रेस विज्ञापन जारी किए गए। इनके अलावा, 'जय जवान, जय किसान', 'सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तां हमारा', 'भारत की स्वतंत्रता के पचास वर्ष पर समारोहों का आयोजन' और 'क्रांति दिवस' शीर्षकों से भी विज्ञापन जारी किए गए।

9.2.3 भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में 'वन्देमातरम', 'दृढ़ता, विश्वास तथा पुनरुत्थान' और 'विरासत' शीर्षकों से पोस्टर प्रकाशित किए गए। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की मीडिया इकाइयों के कार्यक्रमों के बारे में एक पुस्तक भी प्रकाशित की गई। स्वतंत्रता की पचासवीं वर्षगांठ पर प्रदर्शनी के परिचय के बारे में एक पुस्तिका प्रकाशित की गई। राष्ट्रीय-ध्वज और स्टिकर भी प्रकाशित तथा वितरित किए गए। एक पुस्तिका 'समर यात्रा' पर निकाली गई।

9.2.4 बाह्य प्रचार में, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार और पश्चिम बंगाल में 45 होर्डिंग लगाए गए। ध्वज भी तैयार किए गए और वितरित किए गए। तीन सौ सजावटी रेलिंग दिल्ली में प्रदर्शित किए गए। दिल्ली और उत्तर प्रदेश में एनिमेशन प्रदर्शन का प्रबंध किया। दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, पंजाब, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा उड़ीसा में 1,050 बस पैनल लगाए गए। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और केरल में कियोस्क लगाए गए।

9.2.5 आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पांडिचेरी में 3,140 वाल पेंटिंग लगाई गई।

9.2.6 ढाई लाख बिल्ले तैयार कर, स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर वितरित किए गए। 'समर यात्रा' के मौके पर दिल्ली में होर्डिंग, कार्यक्रम वाले बोर्ड और बैनर लगाए गए।

9.2.7 दो वीडियो स्पॉट हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार कर दूरदर्शन पर प्रसारित किए गए।

मुद्रित सामग्री

9.3.1 इस वर्ष के दौरान निदेशालय ने ग्रामीण विकास, प्रतिरक्षण, स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण, महिला एवं बाल विकास, राष्ट्रीय अखंडता और सांप्रदायिक सद्भाव, आयकर, केन्द्रीय बजट 1998-99, एड्स, नशाबंदी, आहार और पोषण आदि से संबंधित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों के बारे में फोल्डर, ब्रोशर, पुस्तिकाएं, पोस्टर, स्टिकर, वाल हैंगिंग आदि प्रकाशित किए।

9.3.2 विभिन्न अवसरों पर प्रधानमंत्री के भाषण, पुस्तिका/फोल्डर के रूप में इन शीर्षकों से प्रकाशित किए गए 'स्थायी विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी की आवश्यकता', 'आर्थिक उदारीकरण और सामाजिक मुक्ति में सद्भाव की आवश्यकता', 'राष्ट्रीय विकास में लघु उद्योगों की भूमिका', 'गरीबी उन्मूलन में लोगों की भागीदारी की आवश्यकता', 'ग्रामीण विकास—राष्ट्रीय विकास का वाहक', 'पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए संयुक्त प्रयास', 'भारत ने परमाणु क्षमता हासिल की', 'उदारीकरण की चुनौतियों का सामना करता भारतीय विज्ञान', 'प्रधानमंत्री का जनता को संबोधन', 'परमाणु-निरस्त्रीकरण के प्रति भारत की वचनबद्धता', 'ज्ञानपीठ पुरस्कार', 'भविष्य के लिए सम्मिलित दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता', 'स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था के प्रति समर्पण की आवश्यकता', 'राष्ट्रीय निर्माण में मीडिया एक महत्वपूर्ण माध्यम', 'मानसिक रोगियों के लिए राष्ट्रीय पायलट परियोजना', 'उदारीकरण के युग में चार्टेड एकाउटेंट की भूमिका', 'कृषि में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अधिक इस्तेमाल की आवश्यकता', 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान'- प्रगति के अग्रदूत-15 अगस्त, 1998 को प्रधानमंत्री का भाषण', 'विश्व परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति भारत की वचनबद्धता', 'कल भारत का होगा' और हाईटेक सिटी, हैदराबाद के उद्घाटन अवसर पर 22 नवंबर 1998 का प्रधानमंत्री का भाषण।

9.3.3 'कंजर्व लैंड रिसोर्सेज', 'इंडियन एयर फोर्स-एयर फोर्स

क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां

क्षेत्रीय कार्यालय

1.	बंगलौर	दक्षिणी क्षेत्र
2.	गुवाहाटी	पूर्वोत्तर क्षेत्र

संख्या	इकाई का नाम	इकाई	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश का नाम	क्षेत्राधिकार
1.	अगरतला	सामान्य	त्रिपुरा	त्रिपुरा, मिज़ोरम
2.	अहमदाबाद	सामान्य	गुजरात	गुजरात, राजस्थान, दमन व दीव, दादरा और नगर हवेली
3.	बंगलौर	सामान्य	कर्नाटक	कर्नाटक
4.	भुवनेश्वर	सामान्य	उड़ीसा	बिहार (दक्षिणी)
5.	मुम्बई	सामान्य	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र और गोवा
6.	कलकत्ता	सामान्य	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार (पूर्वी)
7.	चंड़ीगढ़	सामान्य	केन्द्र शासित प्रदेश	चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा
8.	गुवाहाटी	सामान्य	असम	निचला असम और मेघालय
9.	मुख्यालय-I	सामान्य	नई दिल्ली	दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यभार
10.	मुख्यालय-II	सामान्य	नई दिल्ली	दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यभार
11.	हैदराबाद	सामान्य	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश
12.	इंदौर	सामान्य	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश
13.	इंफाल	सामान्य	मणिपुर	मणिपुर
14.	जम्मू	सामान्य	जम्मू-कश्मीर	जम्मू-कश्मीर
15.	जोरहाट	सामान्य	असम	ऊपरी असम
16.	कोहिमा	सामान्य	नगालैंड	नगालैंड
17.	लखनऊ	सामान्य	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार
18.	चेन्नई	सामान्य	तमिलनाडु	तमिलनाडु, पांडिचेरी
19.	शिमला	सामान्य	हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश
20.	तिरुअनंतपुरम	सामान्य	केरल	केरल
21.	तुरा	सामान्य	मेघालय	गारो पहाड़ियां, असम के निकटवर्ती जिले
22.	जयपुर	परिवार कल्याण	राजस्थान	राजस्थान, गुजरात
23.	भोपाल	परिवार कल्याण	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश और राजस्थान
24.	कलकत्ता	परिवार कल्याण	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, सम्पूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र
25.	वाराणसी	परिवार कल्याण	उत्तर प्रदेश	पूर्वी उत्तर प्रदेश

26.	लखनऊ	परिवार कल्याण	उत्तर प्रदेश	उत्तर प्रदेश और बिहार
27.	नई दिल्ली	परिवार कल्याण	नई दिल्ली	दिल्ली तथा निकटवर्ती क्षेत्र तथा विशेष कार्यभार
28.	पटना	परिवार कल्याण	बिहार	बिहार
29.	अहमदाबाद	वाहन	गुजरात	गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन व दीव, दादरा और नगर हवेली
30.	एजवाल	वाहन	मिज़ोरम	मिज़ोरम
31.	बीकानेर	वाहन	राजस्थान	राजस्थान
32.	कलकत्ता	वाहन	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल
33.	ईटानगर	वाहन	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश
34.	पोर्ट ब्लेयर	वाहन	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह
35.	शिलांग	वाहन	मेघालय	असम और मेघालय

डे कम इन्वेस्टिट्यूड परेड-1998', 'राजभाषा कैलैंडर 1998-99', 'परिदृश्य', 'इंटेलिजेंस ब्यूरो', 'रजिस्ट्रेशन ऑफ बर्थ एण्ड डेथ्स', 'इनफैंट फीडिंग' और 'टीचर्स डे-5 सितंबर 1998', '50 इयर्स ऑफ डेवलेपमेंट ऑफ शेड्यूल्ड कास्ट', 'योर वर्ड माई वर्ड', 'एन इम्पेयरमेंट नीड नॉट बिकम ए डिस्एबिलिटी' और 'हेंडिक्राफ्ट्स वीक' शीर्षक प्रकाशित किए गए।

9.3.4 दृश्य एवं प्रचार निदेशालय ने वित्त मंत्रालय की ओर से दो प्रकाशन निकाले। इनके शीर्षक थे—'हाउ टू कम्प्यूट योर सेलरी इंकम' और 'इन्डाइरेक्ट टैक्सेज इन इंडिया'।

9.3.5 स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विषय के अंतर्गत इन विषयों पर सामग्री प्रकाशित की गई—'मलेरिया', 'गर्भवती महिलाओं का मलेरिया से बचाव', 'मलेरिया नियंत्रण—एक प्रयास', 'हाई रिस्क बिहेवियर स्टडी-फ्राम 18 सिटीज', 'एस.टी.आई. और आर.टी.आई. उपचार दिशा निर्देश', 'मलेरिया—स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षा', 'हाईब्लड प्रेशर इज ए साइलेंट किलर', 'सोर थ्रोट कैन डैमेज हर्ट', 'लॉन्गर द वेस्ट लाइन—शॉर्टर द हार्ट लाइन', 'तम्बाकू या स्वास्थ्य—किसी एक को चुनना होगा', 'अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन व्यायाम करो', 'उच्च रक्तचाप से दिल, दिमाग, आंखों और गुर्दे को नुकसान होता है', 'नहरुआ रोग', 'कार्यक्रम में उपभोक्ता को शामिल करने के बारे में कार्यशाला पर रिपोर्ट'।

9.3.6 दृश्य एवं प्रचार निदेशालय ने अपने बजट से कुछ प्रकाशन प्रकाशित किए। ये हैं—'महान शायर मिर्जा गालिब—200वीं शताब्दी-(1797-1997)', 'पत्र सूचना कार्यालय प्रत्यायन सूची 1998', 'आकाशवाणी राष्ट्रीय पुरस्कार', 'कार्यकुशल और उत्तरदायी शासन की ओर', 'राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग', 'वायरल हेपेटाईटिस (पीलिया)', 'अपील—हिंदी का प्रयोग', 'दिल्ली दूरदर्शन—तथ्य और आंकड़े 1998', 'सरदार पटेल स्मृति व्याख्यान' तथा 'मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा'।

9.3.7 केन्द्रीय बजट—1998-99 पर एक पुस्तिका - 'सुदृढ़ और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की ओर' हिंदी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित की गई। पंचायती राज, जवाहर रोजगार योजना, स्वरोजगार कार्यक्रम तथा रोजगार बीमा योजना विषयों पर पुस्तिकाएं और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के बारे में कैलेंडर भी प्रकाशित किया गया।

9.3.8 दृश्य और प्रचार निदेशालय ने 45वें राष्ट्रीय फिल्मोत्सव पर पुस्तिका प्रकाशित की और 'दादा साहिब फाल्के पुरस्कार—कवि प्रदीप' प्रकाशन भी निकाला।

प्रदर्शनियां

9.4.1 निदेशालय ने अपनी 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों के माध्यम से, सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों के प्रचार के उद्देश्य से देश के विभिन्न भागों में कई

मुद्रित सामग्री
(अप्रैल-नवंबर 1998)

मुद्रित प्रकाशन — 343

मुद्रित प्रतियां — 92 लाख

प्रयुक्त भाषाएं — हिंदी, अंग्रेजी तथा सभी क्षेत्रीय भाषाएं

प्रदर्शनियां लगाईं। इन इकाइयों में सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण इकाइयां और 21 सामान्य प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं।

9.4.2 भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष के सिलसिले में लगाई गई प्रदर्शनियों के अलावा, राष्ट्रीय अखंडता, और साम्प्रदायिक सद्भाव विषय पर 'एक राष्ट्र एक प्राण', शीर्षक से लगभग सौ प्रदर्शनियां आयोजित की गईं। इनका आयोजन दिल्ली, गुजरात, मेघालय, असम, पश्चिम बंगाल और केरल सहित देश के विभिन्न भागों में किया गया।

9.4.3 परिवार कल्याण विषय पर लगभग 25 प्रदर्शनियां लगाई गईं। 'छोटा परिवार-सुख का आधार', छोटा परिवार-स्वस्थ परिवार' और 'छोटा परिवार-खुशियां अपार' नामक ये प्रदर्शनियां पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और दिल्ली में लगाई गईं।

9.4.4 '45वां राष्ट्रीय फिल्मोत्सव, नई दिल्ली', 'महात्मा गांधी', 'ग्राम विकास', 'पूर्वोत्तर प्रगति के पथ पर' 'जवाहरलाल नेहरु' और 'स्वतंत्रता संग्राम', नामक प्रदर्शनियां लगाई गईं। 'फोटो विजन ऑफ द नेशन', 'नेताजी सुभाषचंद्र बोस', 'संसद और भारत की लोकतांत्रिक विरासत' तथा 'भारत-अफ्रीका सहयोग' शीर्षकों से एक-एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

प्रेस विज्ञापन

9.5.1 निदेशालय ने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों, और कुछ स्वायत्तशासी निकायों की ओर से प्रेस विज्ञापन जारी किए।

प्रदर्शनियां
(अप्रैल-फरवरी 1999)

कुल प्रदर्शनियां	—	390
कुल प्रदर्शनी दिवस	—	1,938
प्रदर्शनियों का क्षेत्र	—	पूरे देश में

अप्रैल 1998 से नवंबर 1998 के दौरान 'साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए राष्ट्रीय आधार', 'उदारता से दान दें—झंडा दिवस', 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद' 'आई.सी.ए.आर. सोसायटी की 69वीं वार्षिक आम बैठक', 'विश्व आपदा कमी दिवस—14 अक्तूबर 1998', 'लोक शिकायत—क्या आप जानते हैं', '1948-1998—एन.सी.सी. स्वर्ण जयंती', 'एकता और अनुशासन के लिए एन.सी.सी.', 'एन.सी.सी. कैडेट्स हैव एन एज्', 'इंदिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार—1998', 'राजीव गांधी वन्यजीवन संरक्षण पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रण', आतिशबाजी का मज़ा कैसे लें' इत्यादि प्रेस विज्ञापन जारी किए गए।

9.5.2 सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्रालय की ओर से 'नशीले पदार्थों का सेवन और इनके अवैध व्यापार के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस', 'विकलांगों के लिए सहायक उपकरणों के निर्माता/आपूर्तिकर्त्ता', 'नशीले पदार्थों के खतरे से सावधान रहें' इत्यादि पर प्रेस विज्ञापन जारी किए गए।

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय की नई विज्ञापन दरें

लंबे समय से समाचारपत्र उद्योग विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय की विज्ञापन दरों को बढ़ाने की मांग करता रहा है। इस मांग के मद्देनजर सरकार ने तत्कालीन दरों के ढांचे का मूल्यांकन कर जरुरी होने पर नई दरें सुझाने के लिए सितंबर 1998 में एक समिति गठित की। समिति की अनुशंसा के आधार पर सरकार ने सभी स्तरों की प्रसार संख्या वाले समाचार पत्रों के लिए निदेशालय की विज्ञापन दरों को लगभग 30 प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय लिया है। नई दरें पहली जनवरी, 1999 से लागू हो गई हैं। अनुशंसा को स्वीकार करते समय सरकार ने छोटे और मझोले समाचार पत्रों के हितों को ध्यान में रखा है।

9.5.3 आयकर विभाग की ओर से विज्ञापनों की एक श्रृंखला के तहत हिंदी, अंग्रेजी और सभी क्षेत्रीय भाषाओं में ये प्रेस विज्ञापन जारी किए गए— 'वेतनभोगी करदाता', 'कंपनियों के लिए कर तिथि', 'जल्दी कीजिए और चूक से बचिए', 'पे रोल सेविंग्स स्कीम में शामिल हों', 'संचयिका दिवस - 15 सितंबर 1998', 'आयकर अपील दायर करने की संशोधित दरें', 'अगर आप पर इन छः में से कोई एक बात लागू होती है तो आयकर अधिकारी आपसे पूछताछ कर सकता है', 'पैन का उल्लेख अब आवश्यक है', 'जिन्होंने नई श्रृंखला के तहत स्थाई खाता संख्या (पैन) आबंटन के लिए आवेदन किया है

तथा इन्हें इस बारे में और जानकारी देने के लिए विभाग का पत्र मिला है' और 'क्या आपने अपना प्रत्यक्ष कर चालान ठीक से भरा है'।

9.5.4 स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विषय पर 'स्वैच्छिक रक्तदान दिवस—पहली अक्तूबर, 1998', 'नेत्रदान का 13वां राष्ट्रीय पखवाड़ा', 'पल्स पोलियो फिर क्यों', 'पोलियो रोकथाम में शामिल हों', 'भगवान न करे आपके बच्चे को कभी इनकी जरूरत पड़े', 'आज कुछ कदम बढ़ाएं, ताकि आपका नन्हा कल विश्वासपूर्वक चल सके', 'विज्ञापन हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए।

9.5.5 माननीय प्रधानमंत्री की 20 फरवरी, 1999 को पाकिस्तान की ऐतिहासिक बस यात्रा पर एक विज्ञापन जारी किया गया जिसमें भारत-पाक संबंधों में सुधार के लिए की गई नई पहल को प्रमुखता दी गई थी। इस पर निदेशालय एक चित्रमय पुस्तिका भी प्रकाशित कर रही है।

9.5.6 अन्य प्रेस विज्ञापन— 'पंडित गोबिन्द वल्लभ पंत पुरस्कार', 'साक्षरता/प्रौढ़ शिक्षा पर राष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिता', 'साक्षरता/प्रौढ़ शिक्षा पर छठी राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता', 'कार्य स्थल पर यौन शोषण', 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह', 'बाल दिवस—14 नवंबर 1998', 'महात्मा गांधी की 129वीं जयंती', 'कानूनी सेवा दिवस', 'संशोधित डाक दरें, प्रौद्योगिक दृष्टि के साथ, 21वीं सदी में बढ़ते कदम', 'लौह पुरुष बनें—इस्पात का अधिक प्रयोग करें', 'सौ दिन—भारतीय वस्त्र उद्योग, प्रगति के पथ पर', 'विशिष्टता पुरस्कार-पर्यटन', 'उद्योगों में अनुसंधान और विकास पर 12वां राष्ट्रीय सम्मेलन', जारी किए गए।

प्रेस विज्ञापन
(अप्रैल 1998 से फरवरी 1999)

वर्गीकृत विज्ञापन जारी किए	—	15,500
प्रदर्शन विज्ञापन जारी किए	—	360
कुल जारी विज्ञापन	—	15,860
प्रयुक्त भाषाएं	—	हिंदी, अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय भाषाएं
पैनल पर समाचारपत्र	—	6,241

बाह्य प्रचार

9.6.1 बाह्य मीडिया में राष्ट्रीय अखंडता तथा साम्प्रदायिक सद्भाव, उपभोक्ता अधिकार, नशीले पदार्थों से हानि, रोजगार बीमा योजना, जवाहर रोजगार योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना, राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना, पंचायती राज, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, नौसेना भर्ती, अग्नि सेवा सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा, कौमी एकता, सड़क सुरक्षा तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रम के बारे में होर्डिंग, कियोस्क, बस पैनल तथा वाल पेंटिंग प्रदर्शित किए गए।

9.6.2 उपभोक्ता अधिकार दिवस पर निदेशालय ने त्रिपुरा, मिजोरम, असम, मेघालय, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में होर्डिंग, केरल और तमिलनाडु में कियोस्क तथा कर्नाटक और आन्ध्रप्रदेश में बस पैनल प्रदर्शित किए। 18,272 सिनेमा स्लाइडों की दो शृंखलाएं तैयार कर देशभर के सिनेमाघरों में दिखाई गईं।

9.6.3 राष्ट्रीय अखंडता और साम्प्रदायिक सद्भाव विषय पर असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़, राजस्थान, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, मेघालय, मणिपुर और नगालैंड में होर्डिंग लगाए गए। उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और पश्चिम बंगाल में बस पैनल, तथा उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और नई दिल्ली में कियोस्क लगाए गए। कौमी एकता विषय पर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कियोस्क तथा एनीमेशन प्रदर्शित किए गए।

9.6.4 ग्रामीण विकास कार्यक्रमों — रोजगार बीमा योजना, पंचायती राज तथा जवाहर रोजगार योजना के बारे में राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश और बिहार में होर्डिंग लगाए गए। राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना, राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना पर सिनेमा स्लाइडें तैयार की गईं। विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के बारे में आंध्रप्रदेश में बस पैनल भी लगाए गए। आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और पांडिचेरी में वॉल पेंटिंग भित्ति चित्र लगाए गए। आंध्रप्रदेश और केरल में बस पैनल लगाए गए।

9.6.5 नई दिल्ली में आयोजित 45वें राष्ट्रीय फिल्मोत्सव के अवसर पर दो होर्डिंग, दो कार्यक्रम संबंधी बोर्ड, तथा 55 बैनर तैयार कर दिल्ली में प्रदर्शित किए गए। इनके अलावा दिल्ली में ही यूरोपीय फिल्मोत्सव, कोरियाई फिल्मोत्सव और श्रीलंका के फिल्मोत्सव के कार्यक्रम संबंधी बोर्ड, होर्डिंग तथा बैनर लगाए गए।

9.6.6 असम, मेघालय, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, मध्यप्रदेश,

बाह्य प्रचार सामग्री
(अप्रैल 1998 से फरवरी 1999)

होर्डिंग	--	485
कियोस्क	--	2,355
सजावटी रेलिंग	--	950
वॉल पेंटिंग	--	3,140
बस पैनल	--	3,475
बैनर	--	760
सिनेमा स्लाइड	--	46,094
बैज	--	2,50 लाख
प्रयुक्त भाषाएं	--	हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाएं
प्रचार-क्षेत्र	--	देशभर में

राजस्थान तथा जम्मू-कश्मीर में नशीले पदार्थों की बुराई के बारे में होर्डिंग लगाए गए। सड़क सुरक्षा के ढाई सौ सज्जित रेलिंग और एनीमेशन प्रदर्शित किए गए।

श्रव्य और दृश्य प्रचार

9.7.1 निदेशालय ने नौ साप्ताहिक रेडियो प्रायोजित कार्यक्रम तैयार कर प्रसारित किए। ये कार्यक्रम थे—कल्याण योजनाओं संबंधी—'आओ हाथ बढ़ाएं', स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संबंधी—'हसीन लम्हें' और 'यह भी खूब हुई', महिला और बाल विकास संबंधी—'नया सवेरा', उपभोक्ता अधिकारों संबंधी—'अपने अधिकार', अपरंपरागत ऊर्जा संसाधनों संबंधी—'नई राह अपनाओ', एड्स संबंधी—'जीओ और जीने दो' तथा ग्रामीण विकास संबंधी—'गांव, विकास की ओर' और 'चलो गांव की ओर'। ये कार्यक्रम आकाशवाणी के तीन विज्ञापन सेवा प्रसारण चैनलों से हिन्दी तथा अन्य सभी क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारित किए जा रहे हैं। इनमें से कुछ कार्यक्रमों का प्रसारण अब पूर्वोत्तर क्षेत्रों से भी हो रहा है।

9.7.2 श्रव्य और दृश्य कार्यक्रम अन्य विषयों पर भी तैयार किए गए हैं। ये विषय हैं—आहार और पोषण, हृदय रोग, मुख कैंसर, मानसिक तनाव, तम्बाकू सेवन, बिक्रीकर इत्यादि। पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम पर तीन श्रव्य जिंगल तैयार किए गए। इन्हें आकाशवाणी के 127 प्रमुख चैनलों और तीस विज्ञापन प्रसारण केन्द्रों से प्रसारित किया गया। डाक जीवन बीमा पर दो वीडियो स्पॉट हिन्दी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किए गए।

9.7.3 निदेशालय ने, जन्म और मृत्यु का पंजीकरण, विषय पर 25 भाषाओं में वीडियो स्पॉट; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विषय पर 14 ऑडियो स्पॉट तथा आई.एस.आई. चिन्ह के बारे में दो ऑडियो स्पॉट तैयार किए। मलेरिया, ड्रॉप्सी तथा मानवाधिकारों के बारे में ऑडियो स्पॉट तैयार किए गए। राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना, राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना तथा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना विषयों पर तीन ऑडियो और तीन वीडियो स्पॉट तैयार किए गए।

9.7.4 निदेशालय द्वारा बनाए गए कार्यक्रमों का प्रसारण/प्रदर्शन, देशभर में आकाशवाणी, दूरदर्शन तथा क्लोज सर्किट टेलिविजन के माध्यम से किया जा रहा है।

श्रव्य तथा दृश्य कार्यक्रम
(अप्रैल 1998 से फरवरी 1999)

श्रव्य कार्यक्रम	—	7,000
रेडियो प्रसारण	—	46,092
वीडियो कार्यक्रम	—	260
टेलीविजन प्रसारण	—	3,652
प्रयुक्त भाषाएं	—	हिंदी, अंग्रेजी तथा क्षेत्रीय भाषाएं।

मास मेलिंग

9.8 मास मेलिंग में 15 लाख से अधिक पते हैं जो 545 श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं। इन श्रेणियों में स्कूल, कालेज, अस्पताल, सामाजिक व स्वयंसेवी संगठन, राज्य सूचना विभाग, खंड विकास कार्यालय, क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, महत्वपूर्ण व्यक्ति, सांसद, विधायक आदि शामिल हैं।

प्रेषित सामग्री
(अप्रैल 1998 से फरवरी 1999)

प्रेषित सामग्री	—	1.46 करोड़ प्रतियां
नवीनीकृत पते	—	41,131
नये पते	—	17,058
कुल पते	—	15 लाख
कुल वर्ग	—	545
प्रचार क्षेत्र	—	पूरा देश

10

फोटो प्रचार

फोटो प्रभाग

10.1.1 फोटो प्रभाग का मुख्य कार्य देश में हो रहे विकास और विशिष्ट परिवर्तनों का फोटोग्राफों के जरिए दस्तावेज तैयार करना और गतिविधियों को दृश्यगत समर्थन देना है। प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न माध्यम एककों तथा केंद्र और राज्य सरकारों के अन्य मंत्रालयों/विभागों को फोटो उपलब्ध कराता है। इसमें राष्ट्रपति सचिवालय, उप-राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय तथा उनके निवास, लोकसभा, राज्यसभा सचिवालयों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास शामिल हैं। इन दूतावासों को विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार प्रभाग द्वारा सामग्री भेजी जाती है। प्रभाग प्रचार कार्य न करने वाले संगठनों और आम लोगों को भी श्वेत-श्याम तथा रंगीन फोटोग्राफ सशुल्क उपलब्ध कराता है। अप्रैल-नवंबर 1998 के दौरान प्रभाग ने फोटो की आपूर्ति करके 6.15 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।

फोटो प्रभाग द्वारा आयोजित 11वीं राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता का कैटलॉग जारी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ एम.एस. गिल और राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक डॉ मधु पंत

10.1.2 प्रभाग के दिल्ली स्थित मुख्यालय में विभिन्न प्रकार के श्वेत-श्याम व रंगीन फोटोग्राफिक कार्यों के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएं और उपकरण हैं। प्रभाग के दिल्ली स्थित मुख्यालय में एक न्यूज फोटो नेटवर्क भी स्थापित किया गया है। सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को जोड़ने के नेटवर्क पर भी काम चल रहा है। ताजा घटनाओं पर फोटोग्राफों का संग्रह करने का काम भी प्रगति पर है। यह पत्र सूचना कार्यालय को फोटाग्राफ मुहैया कराता है, जो इन्हें इंटरनेट के अपने होम पेज पर उपलब्ध कराता है। मुंबई, चेन्नई, कलकत्ता और गुवाहाटी में प्रभाग के चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

स्वतंत्रता के 50 वर्ष

10.2.1 देशभर में मनाए जा रहे स्वतंत्रता के 50वें वर्ष के अवसर पर प्रभाग ने कलकत्ता, चेन्नई, मुंबई और लखनऊ में फोटो प्रदर्शनियां लगाईं। प्रभाग ने फोटोग्राफ पर दूसरा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया जिसमें राज्य सरकारों के सूचना एवं जनसंपर्क विभागों द्वारा भेजे गए 52 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

10.2.1 फोटो प्रभाग ने अपनी 11वीं राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता का विषय था 'राष्ट्र के भविष्य की संकल्पना'। इसमें प्रतियोगियों ने 149 श्वेत-श्याम और 582 रंगीन फोटो भेजे। निर्णायक मंडल ने सभी का निरीक्षण किया और हर वर्ग में 26 विजेता फोटोग्राफों का चयन किया। इसके अलावा जूरी ने प्रदर्शनी के लिए 80 चित्रों का चयन किया।

10.2.3 फोटो प्रभाग द्वारा अप्रैल से नवंबर 1998 के दौरान श्वेत-श्याम और रंगीन फोटोग्राफ खींचने एवं नेगेटिव प्रिंट/एलबम तैयार करने का विवरण निम्न प्रकार है :

1.	समाचार एवं फीचर (श्वेत-श्याम और रंगीन)	2,357
2.	नेगेटिव (श्वेत-श्याम व रंगीन)	71,085
3.	रंगीन स्लाइड/पारदर्शियां	1,010
4.	श्वेत-श्याम प्रिंट	3,01,504
5.	रंगीन प्रिंट	30,022
6.	कुल श्वेत-श्याम एवं रंगीन प्रिंट	3,31,526
7.	कुल फोटो एलबम/वालेट निर्माण/निर्मित	85.

11

गीत और नाटक

गीत और नाटक प्रभाग

11.1 गीत और नाटक प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय का माध्यम एकक है जिसका कार्य मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में विकास के लिए संचार माध्यमों का उपयोग करना है। अभिनय कलाओं को संचार माध्यम के रूप में प्रयोग करने वाला यह देश का सबसे बड़ा संगठन है। यह लोक एवं परम्परागत कलारूपों का उपयोग करता है, जिनमें गायन, कठपुतली, और यहां तक कि युगों पुरानी परम्परा वाली जादूगरी के कौशल शामिल हैं। इसके अलावा साम्प्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, सांस्कृतिक धरोहर का उत्थान, स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा, आदि व्यापक राष्ट्रीय विषयों पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए प्रभाग आधुनिक तकनीक के साथ ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रमों का उपयोग भी करता है।

संगठनात्मक ढांचा

11.2 दिल्ली स्थित मुख्यालय के साथ-साथ प्रभाग के दस क्षेत्रीय कार्यालय, सात सीमावर्ती केन्द्र, छह विभागीय नाटक मंडलियां, सशस्त्र बल मनोरंजन विंग की नौ मंडलियां, तीन ध्वनि और प्रकाश इकाइयां और रांची में एक जनजातीय प्रायोगिक

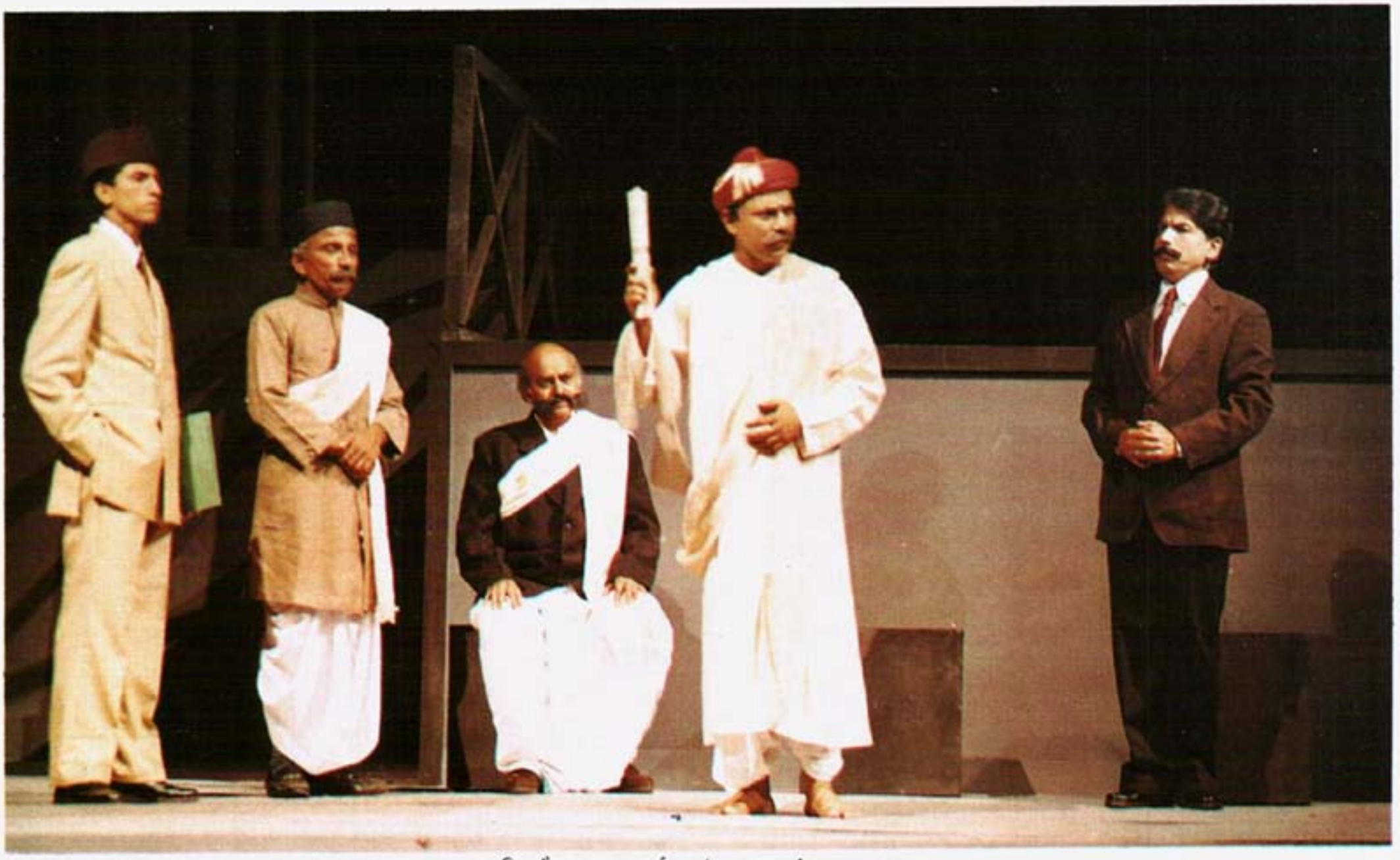

ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम 'समर यात्रा' का एक दृश्य

परियोजना है। इसके अलावा, विभिन्न वर्गों की लगभग 700 पंजीकृत मंडलियां और 1,000 सूचीबद्ध कलाकार हैं।

सीमा प्रचार मंडलियां

11.3 प्रभाग के पास 28 सीमा प्रचार मंडलियां हैं जो इम्फाल, जम्मू, शिमला, नैनीताल, दरभंगा, जोधपुर और गुवाहाटी स्थित सात सीमावर्ती केन्द्रों में कार्यरत हैं। इन मंडलियों ने दूरदराज के सीमावर्ती इलाकों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने और सीमा पार से होने वाले दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए प्रचार किया है। वर्ष 1998-99 (दिसम्बर 1998 तक) के दौरान इन मंडलियों द्वारा एस.एस.बी., सीमा सुरक्षा बल और अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से 995 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विभागीय नाटक मंडलियां

11.4 वर्ष के दौरान पुणे, पटना, हैदराबाद, भुवनेश्वर, श्रीनगर और दिल्ली स्थित विभागीय नाटक मंडलियों ने परिवार कल्याण, एड्स, नशाखोरी, राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सद्भाव, पर्यावरण संबंधी मुद्दे और ऐसे ही अन्य विषयों पर नाटकों के 230 प्रदर्शन किए। इन मंडलियों ने खासतौर पर स्थानीय मेलों और त्यौहारों में, जहां लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा होते हैं, नाटक प्रदर्शित किए। महाराष्ट्र में गणेश-उत्सव, उड़ीसा में रथयात्रा, बोध गया में बुद्ध-महोत्सव के अवसर पर कार्यक्रम प्रदर्शित किए गए।

सशस्त्र सेना मनोरंजन मंडलियां

11.5 प्रभाग की सशस्त्र सेना मनोरंजन विंग सीमावर्ती इलाकों में तैनात जवानों के मनोरंजन के लिए कार्यक्रम आयोजित करती है। दिल्ली और चेन्नई में इसकी नौ मंडलियां हैं। वर्ष के दौरान, इन मंडलियों ने फरवरी 99 तक 261 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। ये कार्यक्रम सैन्य अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त इन मंडलियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा लेह और लद्दाख में आयोजित सद्भावना समारोह, स्वर्ण जयंती समारोहों, शांति मार्च, पल्स पोलियो अभियान, ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार कार्यक्रम, मलेरिया की रोकथाम, बालिका शिशु सप्ताह, एड्स की रोकथाम आदि पर प्रचार अभियानों में हिस्सा लिया।

जनजातीय प्रचार

11.6 सूचना शिक्षा और संचार गतिविधियों में जनजातीय सांस्कृतिक मंडलियों को शामिल करने के लिए स्थापित रांची जनजातीय केन्द्र का दर्जा बढ़ा दिया गया है ताकि वह अपनी गतिविधियों का विस्तार कर सके और अधिकाधिक जनजातीय लोगों को विकास की प्रक्रिया में शामिल कर सके। 1998-99 (फरवरी 1999 तक) के दौरान इन मंडलियों द्वारा बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश के जनजातीय इलाकों में जनजातीय लोगों से सम्बद्ध विभिन्न परियोजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए 746 कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न आदिवासी उत्सवों पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूर्वोत्तर राज्यों की जनजातीय आबादी से सम्पर्क बढ़ाने के विशेष प्रयासों के तहत गुवाहाटी क्षेत्रीय केन्द्र में विकास संबंधी मुद्दों के प्रचार के लिए मंडलियां तैनात की गईं।

ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम

11.7 आम लोगों को और विशेष रूप से युवाओं को देश की गौरवपूर्ण विरासत तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के बारे में शिक्षा देने के उद्देश्य से प्रभाग की ध्वनि और प्रकाश इकाइयों ने भव्य ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम आयोजित किए, जिसे हजारों दर्शकों ने देखा। दिल्ली इकाई ने भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के समापन समारोह के अवसर पर अगस्त 1998 में विशेष ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम समर यात्रा और पुष्कर, राजस्थान में 'मंजिलें और भी हैं' कार्यक्रम आयोजित किए। बंगलौर इकाई ने चेन्नई में 'सुब्रह्मण्य भारती', धारवाड़ में 'कर्नाटक वैभव' और हम्पी में 'कृष्णदेव राय' तथा अनंतपुर, आंध्रप्रदेश में 'जाति की ऊपिरी स्वातंत्र्यम्' कार्यक्रम का आयोजन किया। इन इकाइयों ने 1998-99 (फरवरी, 1999 तक) के दौरान 82 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गोवा मुक्ति दिवस के अवसर पर प्रभाग ने दिसम्बर 1998 में विशेष ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम 'समर यात्रा' का आयोजन किया।

व्यावसायिक और विशेष सेवाएं

11.8 प्रभाग लोक और परंपरागत कलाकारों वाली सांस्कृतिक मंडलियों को अपने निजी सांस्कृतिक संदर्भों के साथ लोगों से संवाद स्थापित करने के लिए तैनात करता है। निजी मंडलियों का पंजीकरण कर उन्हें ग्रामीण लोगों के बीच विकास संबंधी विषयों का प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। 700 से भी ज्यादा मंडलियों के लगभग 7000 कलाकार और 1,000 से भी ऊपर सूचीबद्ध कलाकार प्रभाग की गतिविधियों में लगे हुए हैं। फरवरी, 1999 तक इन कलाकारों ने 28,594 से ज्यादा कार्यक्रम

आयोजित किए। इन मंडलियों ने एड्स जागरूकता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक सद्भाव, नई आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, बालिका शिशु सप्ताह और मलेरिया की रोकथाम, आदि विषयों पर प्रभाग द्वारा आयोजित प्रचार अभियानों में भाग लिया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

11.9 स्वास्थ्य रक्षा, छोटा परिवार, मां और शिशु, सफाई, टीकाकरण आदि विभिन्न पहलुओं का प्रचार करने के लिए प्रभाग कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कलाओं के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करता है ताकि उन सुदूरवर्ती और पिछड़े इलाकों में भी पहुंचा जा सके जहां इलेक्ट्रोनिक और मुद्रित समाचार माध्यमों की पहुंच नहीं है। इन कार्यक्रमों के बारे में प्रभाग के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर और मंडलियों के लिए राज्य स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। पल्स पोलियो टीकाकरण पर एक प्रचार अभियान चलाया गया, जिसमें 5,000 कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले सहित महत्वपूर्ण मेलों और समारोहों में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। नवम्बर 1998 तक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के बारे में 6,000 से अधिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

प्रमुख गतिविधियां

11.10 प्रभाग ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, मलेरिया की रोकथाम, एड्स की रोकथाम, पल्स पोलियो टीकाकरण, नशाखोरी, राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव, संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली और नई आर्थिक नीति पर प्रमुखता से प्रचार अभियान चलाए। प्रभाग द्वारा इस वर्ष आयोजित किए गए प्रतिष्ठापूर्ण कार्यक्रमों में 'सद्भावना समारोह', भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह, ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम 'समर यात्रा' और स्वतंत्रता संघर्ष पर 'मंजिलें और भी हैं', कर्नाटक के इतिहास एवं संस्कृति पर 'कृष्णदेव राय ऑफ विजयनगर एम्पायर,' 'कर्नाटक वैभव' और स्वाधीनता आंदोलन पर 'सुब्रह्मण्य भारती' शामिल हैं। पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू कश्मीर, पंजाब तथा देश के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में विशेष प्रचार किया गया। इन प्रचार कार्यों में जनजातीय, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक वर्गों की सांस्कृतिक मंडलियों को शामिल किया गया। प्रभाग की गतिविधियां विभिन्न योजना और गैर-योजनागत कार्यक्रमों के तहत चलाई जाती हैं।

भारत की स्वाधीनता का स्वर्ण जयंती वर्ष

11.11 भारत की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोहों पर अपनी गतिविधियों के रूप में प्रभाग ने अगस्त 1997 से देश के विभिन्न इलाकों में कार्यक्रम आयोजित किए। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कलकत्ता में 'अमर भारती' नाम का विशेष कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। चेन्नई में मरिना बीच पर एक पखवाड़े तक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त प्रभाग ने इस अवसर पर नेपाल में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम

11.12.1 गीत और नाटक प्रभाग ने निम्नलिखित ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम भी आयोजित किए :

(क) **दिल्ली, गोवा और अहमदाबाद**— 'समर यात्रा' — 1857 से 1947 तक भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से सम्बद्ध कार्यक्रम।

(ख) **पुष्कर (राजस्थान)**— 1857 में हुई आजादी की पहली लड़ाई पर विशेष बल देते हुए हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करने वाला कार्यक्रम 'मंजिलें और भी हैं'।

(ग) **चेन्नई (तमिलनाडु)**— आजादी हासिल करने में महाकवि सुब्रह्मण्य भारती के योगदान को प्रस्तुत करने वाला ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम 'सुब्रह्मण्य भारती'।

(घ) **अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)**— भारत के स्वाधीनता आंदोलन में महान घटना को दर्शाने वाला कार्यक्रम 'जाति की ऊपिरी स्वातंत्रयम'।

(ङ) **धारवाड़ (कर्नाटक)**— स्वाधीनता आंदोलन और कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाला कार्यक्रम 'कर्नाटक वैभव'।

(च) **हंपी (कर्नाटक)** साम्प्रदायिक एवं भाषायी सद्भाव के बारे में कार्यक्रम— 'श्री कृष्णदेव राय'।

(छ) **कलाडी (केरल)**— भारतीय स्वतंत्रता संग्राम तथा केरल की संस्कृति और इतिहास के बारे में कार्यक्रम—

'स्वातंत्रयम् तन्नाए जीवितम्'

11.12.2 जम्मू-कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में एक सद्भावना समारोह आयोजित किया गया। जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, कठुवा और उधमपुर जिलों में साम्प्रदायिक सद्भाव अभियानों के दौरान करीब 1000 कार्यक्रम आयोजित किए गए। असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में राष्ट्रीय एकता अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव के ऐसे ही अभियान आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी शुरू किए गए।

11.12.3 मलेरिया की रोकथाम के विशेष अभियान के तहत राजस्थान, उड़ीसा और मध्य प्रदेश के चुने हुए जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्य सरकारों के एड्स नियंत्रण सैलों के साथ तालमेल करते हुए हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में एड्स की रोकथाम के लिए विशेष अभियान शुरू किए गए। देश के ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के सहयोग से पंचायती राज, एन एस ए पी, रोजगार गारंटी योजना और जलसंभर कार्यक्रम के बारे में अभियान के तहत 1000 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रभाग ने सरकार द्वारा लागू की जा रही नई आर्थिक नीति के बारे में भी प्रचार किया। इसी तरह के कार्यक्रम संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बारे में विशेषकर जनजातीय और चुने हुए क्षेत्रों में चलाए गए। बालिकाओं के बारे में यूनिसेफ के सहयोग से पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में विशेष अभियान चलाया गया।

मेले, उत्सव और जन्म दिवस

11.13 प्रभाग ने लगभग सभी प्रमुख मेलों और उत्सवों में कार्यक्रम आयोजित किये। उड़ीसा के कार उत्सव, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल के दशहरा समारोह, केरल में ओणम का त्यौहार, पंजाब में बैशाखी, तमिलनाडु में पोंगल, असम में बिहु, मणिपुर में रास और याक्चुंग, महाराष्ट्र में गणेशोत्सव, पश्चिम बंगाल में होली और दुर्गा पूजा समारोह, नई दिल्ली में आयोजित होने वाला भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला आदि में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। गांधी जयंती, बाल दिवस, सद्भावना दिवस, शिक्षक दिवस, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, विनोबा भावे, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, स्वामी विवेकानंद तथा अन्य नेताओं के जन्मदिवस भी मनाए गए।

12

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग

12.1.1 गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों और उनके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सूचनाओं का संसाधन करने वाली एजेंसी के रूप में कार्य करता है। यह मीडिया इकाइयों के लिए सूचना बैंक और सूचनाएं जुटाने वाली इकाई के रूप में कार्य करता है और कार्यक्रम बनाने तथा प्रचार अभियानों में उनकी सहायता करता है। प्रभाग जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में प्रवृत्तियों का अध्ययन भी करता है और इस विषय पर संदर्भ तथा प्रलेखन कार्य करता है। यह मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों तथा जनसंचार के क्षेत्र में काम कर रहे अन्य संगठनों के उपयोग के लिए पृष्ठभूमि सामग्री, अनुसंधान व संदर्भ सामग्री तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है। प्रभाग भारतीय जनसंचार संस्थान के सहयोग से भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है जिससे जनशक्ति नियोजन और विकास पर मंत्रालय द्वारा दिया जा रहा जोर रेखांकित होता है।

12.1.2 वर्ष 1998-99 के दौरान प्रभाग की कार्यप्रणाली का विस्तारपूर्वक पुनर्निरीक्षण किया गया और प्रभाग को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत करने के लिये कदम उठाये गये। इंटरनेट सुविधा और ई-मेल सेवा शुरू की गई और एक वेब साईट स्थापित की

संदर्भ ग्रंथ 'भारत-1999' का लोकार्पण करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रमोद महाजन

12

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण

गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग

12.1.1 गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों और उनके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सूचनाओं का संसाधन करने वाली एजेंसी के रूप में कार्य करता है। यह मीडिया इकाइयों के लिए सूचना बैंक और सूचनाएं जुटाने वाली इकाई के रूप में कार्य करता है और कार्यक्रम बनाने तथा प्रचार अभियानों में उनकी सहायता करता है। प्रभाग जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में प्रवृत्तियों का अध्ययन भी करता है और इस विषय पर संदर्भ तथा प्रलेखन कार्य करता है। यह मंत्रालय, इसकी मीडिया इकाइयों तथा जनसंचार के क्षेत्र में काम कर रहे अन्य संगठनों के उपयोग के लिए पृष्ठभूमि सामग्री, अनुसंधान व संदर्भ सामग्री तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है। प्रभाग भारतीय जनसंचार संस्थान के सहयोग से भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है जिससे जनशक्ति नियोजन और विकास पर मंत्रालय द्वारा दिया जा रहा जोर रेखांकित होता है।

12.1.2 वर्ष 1998-99 के दौरान प्रभाग की कार्यप्रणाली का विस्तारपूर्वक पुनर्निरीक्षण किया गया और प्रभाग को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत करने के लिये कदम उठाये गये। इंटरनेट सुविधा और ई-मेल सेवा शुरू की गई और एक वेब साईट स्थापित की

संदर्भ ग्रंथ 'भारत-1999' का लोकार्पण करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री श्री प्रमोद महाजन

गई। 'संश्लिष्ट पुस्तकालय सूचना प्रबंध प्रणाली' स्थापित करने के लिये कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस प्रणाली से उपभोक्ताओं को ऑन-लाइन संदर्भ सेवा प्राप्त हो पायेगी। दो नई सेवाएं— डैवलपमैंट डाइजेस्ट (मासिक), जो कि विकास के मुद्दों पर जोर देता है और मीडिया अपडेट (पाक्षिक), जो कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया घटनाओं को उजागर करता है, शुरू की गई है।

12.1.3 प्रभाग दो वार्षिक संदर्भ ग्रंथों का संकलन करता है। 'भारत : एक संदर्भ ग्रंथ' भारत के बारे में प्रामाणिक संदर्भ ग्रंथ है जबकि 'भारत में जनसंचार' देश में जनसंचार की स्थिति पर एक विस्तृत प्रकाशन है। संदर्भ ग्रंथ 'भारत-1999' का 43वां संस्करण 31 दिसम्बर 1998 को जारी किया गया जबकि 'भारत में जनसंचार' मार्च 1999 में जारी होने की आशा है। इन दोनों पुस्तकों के संकलन और सम्पादन का काम प्रभाग में किया गया। संदर्भ ग्रंथ में सरकारी परिप्रेक्ष्य से संबंधित नवीनतम आंकड़ों और सूचना प्रौद्योगिकी की नीतियों को शामिल करने के लिये विशेष प्रयास किये गये। प्रभाग सर्व-समावेशी संक्षिप्त संग्रह (राष्ट्रीय घटनाओं की डायरी) पर भी कार्य कर रहा है, जिसमें स्वतंत्रता के पश्चात् के 50 वर्षों का भारतीय इतिहास शामिल किया गया है।

12.1.4 वर्ष 1998-99 (फरवरी 1999 तक) के दौरान प्रभाग ने हिंदी और अंग्रेजी में 44 संदर्भ कार्य पूरे किये। इनमें से मुख्य हैं: नोबेल पुरस्कार विजेता अर्मत्य सेन की जीवन-गाथा और संदर्भ दस्तावेज : 'परमाणु अनुसंधान के 50 वर्ष', 'अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की नई उपलब्धियां', 'जच्चा और बच्चा के स्वास्थ्य की देखरेख', 'परमाणु ऊर्जा— भारत का गौरवशाली अध्याय', 'सार्क— सहयोग का प्रतीक', 'सूचना का अधिकार', 'लोगों के लिये प्रसारण', 'इंटरनेट— नई सूचना तरंग', 'पिछले 50 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियां, 'भारत का अंटार्कटिक अनुभव' और 'केबल टीवी नेटवर्क तथा प्रसारण सेवाओं में नियमन तंत्र'। प्रभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की पाक्षिक डायरी को नए रूप में जारी करता जा रहा है।

संदर्भ पुस्तकालय

12.2 प्रभाग की एक सुसज्जित लाइब्रेरी है जिसमे विभिन्न विषयों पर बड़ी संख्या में दस्तावेज तथा चुनी हुई पत्रिकाओं के जिल्दबंद खंड और मंत्रालयों, आयोगों तथा समितियों की विभिन्न रिपोर्टें उपलब्ध हैं। इसके संग्रह में पत्रकारिता, जन-संपर्क, विज्ञापन तथा

गुटनिरपेक्ष तथा अन्य विकासशील देशों के लिए विकासात्मक पत्रकारिता पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का दीक्षांत समारोह

दृश्य-श्रव्य माध्यम, सभी प्रमुख विश्वकोष, वार्षिक संदर्भ ग्रंथ और समसामयिक लेख उपलब्ध रहते हैं। पुस्तकालय की सुविधाएं भारत तथा विदेशी समाचार माध्यमों के मान्यताप्राप्त संवाददाताओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। इस वर्ष पुस्तकालय में करीब 400 पुस्तकें आईं जिनमें विभिन्न विषयों पर हिन्दी किताबें भी शामिल हैं।

जनसंचार पर राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र

12.3.1 मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिश पर 1976 में जनसंचार के बारे में राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र स्थापित किया गया। इसका उद्देश्य जनसंचार के क्षेत्र में घटनाओं तथा प्रवृत्तियों के बारे में सूचनाओं का संकलन, विश्लेषण और प्रसार-प्रचार करना है। राष्ट्रीय जनसंचार प्रलेखन केन्द्र जनसंचार के बारे में उपलब्ध तमाम समाचारों, लेखों और अन्य सूचनात्मक सामग्री का प्रलेखन तथा सूचीकरण करता है। खंड की वर्तमान गतिविधियों में सूचनाओं को एकत्र तथा प्रलेखित करना है ताकि इनका दूसरे देशों में जनसंचार के विकास के लिए वितरण किया जा सके और अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रवाह में हिस्सा ले सके।

12.3.2 राष्ट्रीय जनसंचार प्रलेखन केन्द्र द्वारा संकलित सामग्री नियमित सेवा के जरिए प्रसारित की जाती है। इनमें 'समसमायिक जानकारी सेवा', 'ग्रंथ सूची सेवा', 'जनसंचार के क्षेत्र में कौन क्या है' और 'जनसंचार कर्मियों को प्रदत सम्मान' शामिल है। इस केन्द्र ने 1998-99 (फरवरी 1999 तक) के दौरान 36 पर्चे प्रकाशित किए।

प्रशिक्षण

12.4.1 भारतीय सूचना सेवा वर्ग क के 18 प्रोबेशनरों के बैच मे 11 महीने का ओरिएंटेशन और जनसंचार में मूल पाठ्यक्रम समाप्त किया। वे अब 12 महीने के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए विभिन्न मीडिया इकाइयों से जुड़े हुए हैं। वरिष्ठ श्रेणी के भारतीय सूचना सेवा वर्ग क के 11 नये अधिकारियों का बैच 11 महीने के ओरिएंटेशन और जनसंचार के मूल पाठ्यक्रम के लिए भारतीय जनसंचार संस्थान में आया हुआ है।

12.4.2 प्रभाग ने भारतीय जनसंचार संस्थान में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा भर्ती किये वरिष्ठ श्रेणी के भारतीय सूचना सेवा वर्ग ख के अधिकारियों के लिए 3-महीने का संचार में मूल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण से इन अधिकारियों को सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली विभिन्न मीडिया इकाइयों की कार्यप्रणाली का पता लगा। एन आई आई टी विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया विशेष कम्पयूटर प्रशिक्षण माड्यूल भी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया गया।

भारतीय जनसंचार संस्थान

12.5.1 जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए 17 अगस्त 1965 में भारतीय जनसंचार संस्थान का गठन किया गया था। यह एक स्वायत्त संस्था है जिसे भारत सरकार से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के जरिए सीधे धन प्राप्त होता है। 22 जनवरी 1996 को भारतीय समिति पंजीकरण अधिनियम (21), 1960 के अधीन इसका पंजीकरण कराया गया।

12.5.2 भारतीय जनसंचार संस्थान अध्यापन, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करता है, कार्यशालाएं, सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करता है और भारत व अन्य विकासशील देशों के लिए सूचना संबंधी उपयुक्त बुनियादी ढांचा खड़ा करने में योगदान देता है। राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की काफी अच्छी छवि है और अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, जैसे ए.एम आई सी, यूनीसेफ, यूनेस्को, डब्लू एच ओ, एफ ई एस और आई ए एम सी आर आदि द्वारा इसे 'उत्कृष्टता का केंद्र' की मान्यता प्राप्त है। केंद्र तथा राज्य सरकारों तथा सरकारी उपक्रमों के अनुरोध पर संस्थान परामर्श सेवाएं भी प्रदान करता है और संचार के विभिन्न माध्यमों से जुड़े प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों में मदद देता है।

12.5.3 वर्ष 1998-99 के दौरान संस्थान ने दो प्रशिक्षण कार्यक्रम और पांच डिप्लोमा कोर्स आयोजित किये। ये हैं : (i)भारतीय सूचना सेवा (वर्ग क) के अधिकारियों के लिये ओरिएंटेशन कोर्स, (ii) आकाशवाणी और दूरदर्शन के कर्मचारियों के लिए प्रसारण पत्रकारिता कोर्स, (iii) नई दिल्ली और ढेंकनाल (उड़ीसा) में पत्रकारिता (अंग्रेजी) का स्नातकोतर डिप्लोमा पाठ्यक्रम : (iv) हिंदी में पत्रकारिता का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: (v) विज्ञापन और जनसंपर्क का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम : (vi) रेडियो और टीवी पत्रकारिता से स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम: और (vii) गुट-निरपेक्ष देशों के लिये समाचार एजेंसी पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम।

दीक्षांत समारोह

12.6 23 अप्रैल, 1998 को संस्थान का 31वां वार्षिक दीक्षांत

सितंबर 1998 में नई दिल्ली में हुए राज्यों के सूचना मंत्रियों के सम्मेलन में प्रतिभागी

समारोह आयोजित किया गया। इसमें पांच स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के 159 सफल विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान किये गये। इनमें गुट-निरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 18 सदस्य भी थे। ढेंकनाल की भारतीय जनसंचार संस्थान शाखा का 5वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 9 मई, 1998 को आयोजित किया गया। 37 सफल विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान किये गये।

1998-99 का शैक्षिक सत्र

12.7.1 इस सत्र में 40 विद्यार्थियों को पत्रकारिता के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी), 41 को पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिंदी) 41 को विज्ञापन तथा जनसंपर्क के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम और 29 को रेडियो व टी वी पत्रकारिता के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए चुना गया। ढेंकनाल (उड़ीसा) में पत्रकारिता (अंग्रेजी) के छठे स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रवेश के लिये 38 विद्यार्थियों को चुना गया।

12.7.2 संस्थान ने अप्रैल से दिसम्बर 1998 के बीच 22 अल्पकालीन पाठ्यक्रम कार्यशालायें और सेमिनार आयोजित किये। गुट निरपेक्ष और अन्य विकासशील देशों में विकास पत्रकारिता के 31वें डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 19 देशों के 22 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। यह पाठ्यक्रम 6 जुलाई से 27 नवम्बर, 1998 के बीच आयोजित किया गया। इस श्रृंखला में 32वां पाठ्यक्रम 7 दिसम्बर, 1998 को शुरू हुआ।

अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन

12.8 अप्रैल से दिसम्बर 1998 के बीच संस्थान ने निम्न अनुसंधान/मूल्यांकन अध्ययन किये।

i) आकाशवाणी का आकलन - उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों और पूर्वोत्तर इलाके में परियोजनाओं के लिये चल रहे क्षेत्रीय कार्यों के आधार पर, (मीडिया से जुडे) लोगों से प्राप्त जवाबों का विश्लेषण किया गया और आकाशवाणी के महानिदेशक को रिपोर्टें पेश की गईं। (क) आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग के आकलन और (ख) आकाशवाणी के विभिन्न आयामों से संबंधित थी।

ii) रेडियो (टाइम्स एफ एम) पर एन ए सी ओ के प्रायोजित कार्यक्रम का आकलन - प्रारंभिक रिपार्ट तैयार कर ली गई है।

iii) स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का मीडिया कवरेज (डब्लू एच ओ) विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू एच ओ)द्वारा संचालित यह अध्ययन दक्षिण पूर्व एशिया के आठ देशों में किया गया। सभी चुने हुऐ देशों में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का समाचार पत्रों, रेडियो और टेलीविजन प्रसारण में कवरेज का विश्लेषण किया गया। अध्ययन से निकले निष्कर्षों को डब्लू एच ओ, दिल्ली को बता दिया गया है।

iv) फिल्म सेंसर अध्ययन (अखिल भारतीय)

v) जल तथा स्वच्छता के बारे में आधार रेखा सर्वेक्षण (अखिल भारतीय)

vi) चुनावों के दौरान मीडिया की भूमिका

प्रकाशन

12.9 संस्थान कम्युनिकेटर (अंग्रेजी) और संचार माध्यम (हिंदी) नामक दो त्रैमासिक पत्रिकाएं और विद्यार्थी इको, आई आई एम सी टाइम्स, और जनसंचार नामक अनेक प्रयोगशाला पत्रिकाएं प्रकाशित कर रहे हैं। संस्थान ने सर्विंग बॉसिस बिग एंड स्माल : रेमिनिसेंसिज आफ एन इंफोरमेशन ऑफिसर नामक पुस्तक प्रकाशित की। भारत प्रेस परिषद की ओर से 'प्रेस एज लीडर ऑफ सोसायटी' नामक पुस्तक प्रकाशित की गई।

शाखाएं

12.10 जनसंचार के क्षेत्र में गुणात्मक शिक्षा और प्रशिक्षण की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये क्षेत्रीय आधार पर भारतीय जनसंचार संस्थान की चार शाखाएं खोली गई हैं। पहली शाखा की स्थापना 14 अगस्त, 1993 को ढेंकनाल (उड़ीसा) में की गई। बाकी तीनों शाखाओं -कोट्टायम (केरल), झबुआ (मध्य प्रदेश) और दीमापुर (नगालैंड) के लिये भूमि अधिग्रहण/निर्माण कार्य विभिन्न चरणों पर है। फिर भी इन शाखाओं ने अलग-अलग अवधि के अल्पकालीन पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित करने शुरू कर दिये हैं।

13

योजना और गैर-योजना कार्यक्रम

योजना व्यय

13.1.1 योजना आयोग ने नौवीं योजना के लिए 2970.34 करोड़ रुपये तथा वार्षिक योजना 1998-99 के लिए 661.93 करोड़ रुपये मंजूर किया है। नौवीं योजना तथा वार्षिक योजना (1998-99) के व्यय का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है :

13.1.2 सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के योजना और गैर-योजना कार्यक्रम के बजट का विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।

13.1.3 वर्ष 1998-99 के दौरान योजना कार्यक्रमों से संबंधित प्रचार इकाइयों की वित्तीय तथा विभिन्न उपलब्धियों को आगे दर्शाया गया है।

(करोड़ रुपये में)

क्षेत्र	नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002)	वार्षिक योजना (1998-99)
	स्वीकृत राशि	स्वीकृत राशि
1. प्रसार भारती	2684.34	599.40
अ. आकाशवाणी	848.34	150.00
ब. दूरदर्शन	1836.00	449.40
2. सूचना क्षेत्र	98.30	19.55
3 फिल्म क्षेत्र	187.70	42.98
कुल	2970.34	661.63

सूचना स्कंध

पत्र सूचना कार्यालय

13.2.1 पत्र सूचना कार्यालय के लिए वार्षिक योजना (1998-99) राशि 4.63 करोड़ रुपये मंजूर की गई है। इस दौरान पत्र सूचना कार्यालय ने सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित सूचना के प्रसार के लिए नेटवर्क में सुधार के निरंतर प्रयास किए। कम्प्यूटर नेटवर्क के विस्तार के द्वारा इस सुधार में अत्यधिक तेजी लाई गई। कार्यालय ने इंटरनेट पर पी.आई.बी. वेब साइट भी विकसित कर लिया है। इससे अब ब्यूरो की सामग्री अंतर्राष्ट्रीय उपयोग के लिए उपलब्ध है। पत्र सूचना कार्यालय की गतिविधियों के आधुनिकीकरण तथा कम्प्यूटरीकरण की योजना के अंतर्गत आधुनिक उपकरणों की आपूर्ति तथा संचार नेटवर्क को अद्यतन बनाने के लिए कार्यालय की कार्यशैली को आधुनिक स्वरूप देने का प्रस्ताव है। इस वर्ष ब्यूरो के दो कार्यालयों के आधुनिकीकरण का प्रस्ताव है। क्षेत्रीय तथा शाखा कार्यालयों में भी कम्प्यूटरों को उन्नत बनाने और वी.एस.ए.टी. की स्थापना का प्रस्ताव है।

13.2.2 वर्ष 1998-99 के दौरान 'पत्र सूचना कार्यालय में अधिक गतिशीलता' योजना के अंतर्गत चार वाहनों की खरीद का प्रस्ताव है। पत्र सूचना कार्यालय की शाखाएं खोलने की योजना का लक्ष्य आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय भाषा और बोलियों के समाचारपत्रों तथा अन्य माध्यमों द्वारा सूचना नेटवर्क को फैलाना है। यह काम पूर्वोत्तर के राज्यों में विकास गतिविधियों में 'जनजातीय उपयोजना' के तहत नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। जनजातीय उपयोजना के अंतर्गत ही जनजातीय क्षेत्रों में प्रेस पार्टियों के आयोजन और संयोजन में पत्रकारों तथा स्तंभकारों के पांच छोटे दल ले जाए गए।

प्रकाशन विभाग

13.3 चालू वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रकाशन विभाग को 64 लाख रुपये आबंटित किए गए : (1) आधुनिकीकरण, जिसमें (क) डेस्क टॉप पब्लिशिंग हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की खरीद, (ख) विक्रय केंद्रों का आधुनिकीकरण, (ग) मानव संसाधन विकास (प्रशिक्षण), (घ) संपूर्ण गांधी वांड्मय पर इलेक्ट्रोनिक बुक और मल्टी मीडिया सी डी सहित प्रकाशन विभाग को इंटरनेट पर उपलब्ध कराना। (2) पूर्वोत्तर क्षेत्र में सचल बिक्री केन्द्रों और (3) उड़िया भाषा में 'योजना' का प्रकाशन। संपादकीय और कला अनुभाग के कम्प्यूटरीकरण के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर खरीदे गए। विभिन्न विक्रय केंद्रों के लिए आधुनिक फोटो कॉपी मशीन, फैक्स और इलेक्ट्रोनिक टाइपराइटर इत्यादि की खरीद की गई है। संपादन एवं प्रकाशन के क्षेत्र में अधिक कुशलता लाने के लिए विभाग के अधिकारियों ने अनेक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

फोटो प्रभाग

13.4 फोटो प्रभाग के आधुनिकीकरण के लिए 1998-99 की वार्षिक योजना में 76 लाख रुपये आबंटित किए गए हैं। आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत फोटो प्रभाग द्वारा फोटोग्राफों के संरक्षण के लिए एक फोटो लाइब्रेरी प्राप्त करने का प्रस्ताव है। डिजिटल कैमरा प्रणाली और डिजिटल मुद्रण प्रणाली की खरीद कर फोटो संग्रहण उपकरण को भी आधुनिक करने का प्रस्ताव है।

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय

13.5 विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय की वार्षिक योजना 1998-99 के लिए 1.44 करोड़ रुपये आबंटित किए गए हैं। यह विकासोन्मुख प्रचार कार्यक्रमों और निदेशालय की गतिशीलता बढ़ाने के लिए रखा गया है। भारत की स्वतंत्रता के पचासवें वर्ष पर आयोजित प्रचार कार्यक्रमों में देश की उपलब्धियों को दर्शाया गया। 'इलेक्ट्रानिक माध्यमों पर सूचना का प्रचार' उपशीर्षक से श्रव्य स्पॉट्स के जरिये आकाशवाणी पर ड्राप्सी के बारे में जानकारी दी गई। इसी तरह भारतीय स्वतंत्रता की पचासवीं वर्षगांठ पर श्रव्य स्पॉट्स के जरिये मानवाधिकारों की सार्वजनिक घोषणा को जिंगल के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसे आकाशवाणी ने राष्ट्रीय प्रसारण सेवा से प्रसारित किया। 'बाह्य प्रचार' के अंतर्गत भारतीय स्वाधीनता की पचासवीं वर्षगांठ का लोगो तैयार कर स्कूली बच्चों में बांटा गया। विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय को आधुनिकीकरण तथा उसे मजबूती प्रदान करने और सचलता बढ़ाने की योजना के अंतर्गत स्थानों आदि की तैयारी का दूसरा और अंतिम चरण पूरा कर लिया गया है।

सूचना भवन

13.6 सूचना भवन में एक ही परिसर के भीतर मंत्रालय के कई मीडिया एकक कार्यरत हैं। इसके चतुर्थ खंड का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके लिए इस वार्षिक योजना (1998-99) के दौरान 2.40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

वेतन एवं लेखा संगठन का कम्प्यूटरीकरण

13.7 वित्तीय वर्ष 1998-99 में सी.सी.ए. संगठन और पी.ए.ओ. (सचिवालय) नई दिल्ली के कम्प्यूटरीकरण के लिए 25 लाख रुपये आबंटित किए गए हैं। नागरिक एवं विद्युत कार्य सम्पन्न कर लिए गए हैं। कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद के लिए लगभग 11 लाख रुपये के आदेश दिए गए हैं। इस वित्तीय वर्ष के एक चौथाई भाग के दौरान बचे हुए कार्य को सम्पन्न किए जाने का प्रस्ताव है।

गीत और नाटक प्रभाग

13.8 इस प्रभाग के लिए वर्ष 1998-99 के दौरान 1.82 करोड़ रुपये व्यय की योजना बनाई गई है। प्रभाग ने संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में प्रचार योजना और सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए विशेष प्रचार योजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर के संवेदनशील क्षेत्रों तथा जम्मू व कश्मीर, पंजाब और देश के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों को देश की मुख्यधारा में लाना तथा सीमा पार से चलाए जा रहे प्रचार को रोकना है। इन योजनाओं के

तहत सितंबर 1998 तक 1,,448 कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रभाग ने लेह (लद्दाख), पूर्वोत्तर के राज्यों और जम्मू तथा कश्मीर में भारत की आजादी की पचासवीं सालगिरह पर सद्भावना समारोह की एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए। प्रभाग की ध्वनि एवं प्रकाश इकाई ने अनंतपुर, दिल्ली, धारवाड़ और गुवाहाटी में कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

13.9 निदेशालय के लिए वार्षिक योजना 1998-99 में 2.73 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। निदेशालय ने इस दौरान पांच, भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए और वित्तीय वर्ष के अंतिम दो महीनों में दो और भ्रमण कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। 8 कम्प्यूटरों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, 5 एम.एस. ऑफिस 97, 5 यू.पी.एस. और कंप्यूटर संबंधी अन्य वस्तुएं खरीदी गईं। 'वीडियो प्रोजेक्टर/जेनरेटर की खरीद' योजना के तहत पचास हल्के जेनरेटर और वीडियो प्रोजेक्टर उठाने के लिए 75 केस खरीदे गए। पचास वीडियो प्रोजेक्टरों की खरीद के लिए आगे की कार्रवाई की गई। निदेशालय ने 10 फिल्मों के 355 वी.एच.एस. कैसेटों की खरीद की। नई इकाई खोलने और उनके रख-रखाव की योजना के तहत वर्ष 1997-98 के दौरान शुरू की गई आठ क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों के रख-रखाव का कार्य चल रहा है। इन इकाइयों के लिए आठ वाहन खरीदने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है।

भारतीय जनसंचार संस्थान

13.10 संस्थान के लिए वर्ष 1998-99 के दौरान योजना कार्यक्रमों के मद में 3.80 करोड़ रुपये के व्यय को मंजूर किया गया है। इस अवधि के दौरान संस्थान ने 6 शोध और मूल्यांकन कार्य शुरू किये हैं। जिनमें से तीन अध्ययन पूरे हो गए हैं और बाकी प्रगति पर हैं। संस्थान ने रेडियो समाचार संग्रहण की सुविधा के विस्तार के लिए 20 व्यावसायिक टेप रिकार्डर, माइक्रोफोन व अन्य उपकरण खरीदे। नए रंगीन टेलीविजन, वी.सी.आर. और बड़ी संख्या में यू-मैटिक टेप खरीदे गए हैं। संचार के क्षेत्र में खासकर कम्प्यूटर आधारित संपादन और प्रकाशन के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए संस्थान ने चार टर्मिनलों सहित 28 पर्सनल कम्प्यूटर और एक डेस्क टॉप पब्लिशिंग सिस्टम खरीदा ताकि छात्रों को इलेक्ट्रोनिक संपादन और कम्प्यूटर आधारित ग्राफिक ले-आउट डिजाइन और पृष्ठ सज्जा में सुविधा मिल सके। संस्थान में वीडियो निर्माण के लिए दो कैमकार्डर इकाइयां हैं। इनमें डिजीटल तकनीक में इस्तेमाल के लिए टाइम कोड सुविधा सहित दो एच.आई.-8 कैमरे और वीडियो टाइपराइटर सहित कम्प्यूटर संपादन सूट शामिल हैं। एच.आई.-8 कैमरे में उच्च गुणवत्ता के लिए बिटा कैम सुविधा भी है। संस्थान के नई दिल्ली स्थित परिसर में एक नया शिक्षण खंड शुरू हो गया है। कोट्टायम में संस्थान की भूमि पर एक स्थल कार्यालय का निर्माण कर लिया गया है।

ब्रॉडकास्ट इंजिनियरिंग कंसलटेंट्स इंडिया लिमिटेड (बेसिल)

13.11.1 1998-99 की वार्षिक योजना में आंतरिक और अतिरिक्त संसाधन के लिए बेसिल ने 1.03 करोड़ रुपये मंजूर किए। 1998-99 के दौरान इसने अपना मुख्य ध्यान श्रव्य प्रणालियों, वीडियो, स्टूडियो प्रणालियों और उपग्रह अपलिंक तथा डाउनलिंकिंग के क्षेत्र में परामर्शदात्री और टर्नकी परियोजनाओं को जारी रखने पर लगाया। साथ ही इन क्षेत्रों में विदेशी बाजार में प्रवेश करने की कोशिश भी की गई। इसे ध्यान में रखते हुए बेसिल ने निम्नलिखित में भागीदारी की :

1. ब्रॉडकास्ट एशिया-98 प्रदर्शनी, सिंगापुर।
2. कुवैत में रेडियो तथा टेलीविजन ट्रांसमीटरों और सउदी अरब में भू-केंद्र के संचालन और रख-रखाव के लिए अनुबंध।
3. इंदिरा गांधी सेंटर फार इंडियन कल्चर (आई.जी.सी.आई.सी.) मॉरिशस में मंच प्रकाश और मंच सज्जा की परियोजना का काम पूरा किया गया।
4. नेपाल रेडियो के लिए आर.डी.एस. सेवाओं के बारे में परामर्श देने और उससे अवगत कराने की व्यवस्था करना।

13.11.2 बेसिल द्वारा लखनऊ स्थित सभागार के लिए ध्वनि डिजाइन वीडियो प्रणाली और कान्फ्रेंस प्रणाली के कार्य किए जा रहे हैं। आकाशवाणी के एफ.एक्स. ट्रांसमीटरों और दूरदर्शन के डी.आर.एस. के लिए दुतरफा संचार सुविधा का कार्य प्रगति पर है। दूरदर्शन केंद्रों में टेक्स्ट और ग्राफिक्स में तारतम्य आपूर्ति और जांच-परख की परियोजना के कार्य भी चल रहे हैं। बेसिल राष्ट्रीय बीज निगम के लिए भी सूचनातंत्र की योजना बना रहा है।

13.11.3 इस वर्ष के दौरान सम्पन्न किए गए मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और भारतीय जनसंचार संस्थान दिल्ली को ध्वनि प्रणाली उपलब्ध कराना। पटना हवाई अड्डे पर उद्घोषणा प्रणाली लगाना, ओरटेल,

भुवनेश्वर को माइक्रोवेव संबंधी परामर्श देना, अशोक होटल के सम्मेलन कक्ष में ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था के बारे में सलाह देना, आकाशवाणी के लिए आ.डी.ए.टी. रिकार्डिंग उपकरण और विविध प्रकार के स्टूडियो तैयार करना, दूरदर्शन तथा अन्य टी.वी. चैनलों के लिए डी.एस.एन.जी.। बेसिल ने विदेश संचार निगम लिमिटेड की टेलेस्ट्रा वी-कॉम सेवा के डी.एस.एन. संचालन के लिए विशेषज्ञ भी उपलब्ध कराए हैं।

फिल्म प्रभाग

13.12 1998-99 में फिल्म प्रभाग का योजना परिव्यय 5.25 करोड़ रुपये रखा गया है। अप्रैल 98 से अक्टूबर 98 के दौरान प्रभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में आए सांस्कृतिक और खास बदलावों पर विशेष आठ वृत्तचित्र और लघुचित्रों का निर्माण किया। इसके अलावा राष्ट्रीय एकता, दहेज प्रथा, अस्पृश्यता, बंधुआ मजदूर, अनुसूचित जाति-जनजाति के उत्थान और निरक्षरता जैसे विभिन्न विषयों पर 29 लघुचित्र और वृत्तचित्र निर्माणाधीन हैं। 'व्यावसायिक प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम' योजना के अंतर्गत प्रभाग ने 56 तकनीकी और गैर-तकनीकी कर्मचारियों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भेजा। प्रभाग द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघुचित्र एवं एनीमेशन फिल्म समारोह आयोजित करता है। अगला फिल्म समारोह सन् 2000 में फरवरी-मार्च में आयोजित किया जाएगा। फिल्म में विपणन और विक्रय की संभावनाएं तैयार करने की योजना के तहत फिल्म प्रभाग ने 2,550 कैसेटों, 34 प्रिंटों और स्टॉकशाटों की बिक्रीकर कुल 16.98 लाख रुपये कमाए। निम्नांकित के लिए प्रावधान किया गया है : (1) पुराने उपकरणों का आधुनिकीकरण और उन्हें बदलना। (2) प्रभाग को वीडियो सुविधाओं से सुसज्जित करना, (3) गुलशन महल का नवीनीकरण, (4) अभिलेखीय सामग्रियों के संरक्षण के लिए भवन निर्माण के वास्ते संशोधित योजना और व्यय अनुमान तैयार करना।

फिल्म समारोह निदेशालय

13.13 निदेशालय ने जुलाई 1998 में नई दिल्ली में 45वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह और 10 से 20 जनवरी, 1999 के बीच हैदराबाद में 30वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1999 के लिए 250 फिल्में प्राप्त की गईं। इस समारोह में लगभग 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वर्ष के दौरान विदेशों में फिल्म सप्ताह, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम और फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत फिल्में प्रदर्शित की गई।

भारत का राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार

13.14 राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार को वर्ष 1998-99 के लिए 2.52 करोड़ रुपये का बजट अनुदान मंजूर हुआ, जिसके तहत सात चालू योजनाएं और दो नई योजनाएं शामिल हैं। अप्रैल-दिसम्बर '98 के बीच अभिलेखागार ने 191 किताबें, 90 पटकथाएं' 72 डिस्क रिकार्ड, 88 प्री-रिकॉर्डेड ऑडियो कैसेट, 6 पुस्तिकाएं, 1358 स्टिल चित्र, 323 गीत पुस्तिकाएं, 1093 भीत्ति चित्र, 408 स्लाइड और 3 ऑडियो काम्पैक्ट डिस्क खरीदे गए। इसी दौरान 71 फिल्में और 92 वीडियो कैसेट की भी खरीद की गई।

नाइट्रेट फिल्मों के लिए विशेष वोल्ट की निर्माण योजना के अंतर्गत तकनीकी कार्य पूरा होने वाला है। अभिलेखागार ने 1998 के मई-जून में पुणे में चार सप्ताह का समालोचना पाठ्यक्रम आयोजित किया। दूसरे केन्द्रों पर भी अल्पावधि पाठ्यक्रम चलाए गए। अभिलेखीय आंकड़ों का कम्प्यूटरीकरण और प्रशासनिक कार्य बड़ी तेजी से चल रहे हैं। स्टाफ क्वार्टरों का 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

भारत का फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे

13.15 संस्थान का वर्ष 1998-99 के लिए योजना कार्यक्रमों पर स्वीकृत परिव्यय 7.00 करोड़ रुपये का है। इसमें फिल्म एवं टीवी खंड के लिए मशीनों और उपकरणों की खरीद के लिए किया गया प्रावधान शामिल है। खरीद के लिए प्रस्तावित अधिकांश वस्तुएं पुराने अथवा खराब पड़ गए उपकरण हैं। उपकरणों की खरीद का कार्य प्रगति पर है।

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

13.16 निगम के विभिन्न योजना कार्यक्रमों के लिए वर्ष 1998-99 का स्वीकृत वार्षिक योजना परिव्यय 8.70 करोड़ रुपये है, जिसके लिए धन की व्यवस्था पूर्णतया निगम द्वारा निर्देशित आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से की गई है। निमम ने इस वर्ष 13 फिल्में/फिल्म उपकरण का निर्माण किया है अथवा उनके लिए वित्त उपलब्ध कराया है। निगम ने संयुक्त रूप से पांच सिनेमाघरों के निर्माण के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराई है। इसने सिनेमाघरों और वीडियो तथा टीवी के लिए 100 फिल्मों का आयात किया है।

राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म केंद्र

13.17 इस वर्ष के लिए केन्द्र का योजना परिव्यय 5.60 करोड़ रुपये है। वर्ष के दौरान तीन फीचर फिल्मों का निर्माण

कार्य पूरा कर लिया गया और तीन अन्य के निर्माण का काम प्रगति पर है। एक टीवी धारावाहिक की 26 किश्तें पूरी कर ली गई हैं तथा एक लघु एनीमेशन फिल्म का निर्माण कार्य प्रगति पर है। केन्द्र ने इस वर्ष के दौरान ग्यारह अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लिया और दसवें अंतर्राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म समारोह की तैयारियां पूरी कर ली हैं। हैदराबाद में प्रस्तावित बाल एवं युवा फिल्म परिसर के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहित कर ली गई है। उम्मीद है 1999-2000 के दौरान निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

13.18 बोर्ड की पहले से चल रही पांच योजनाओं के लिए 1998-99 के दौरान 61 लाख रुपये का परिव्यय मंजूर किया गया है। कम्प्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली की स्थापना की योजना के अंतर्गत मुम्बई कलकत्ता और चेन्नई में कम्प्यूटर लगाए गए हैं। हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के लिए कम्प्यूटर खरीद लिए गए हैं जबकि क्षेत्रीय कार्यालय बंगलौर के लिए कम्प्यूटर खरीदने की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। 'केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की वृद्धि' की योजना के तहत बंगलौर क्षेत्रीय कार्यालय के लिए एक स्टीन बैक संपादन मशीन की खरीद के लिए भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। 'प्रशिक्षण और अध्ययन पाठ्यक्रम आयोजित करने की योजना के अंतर्गत मुम्बई के टाटा समाज विज्ञान संस्थान में बोर्ड के सदस्यों एवं अफसरों के लाभार्थ एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। फिल्मों में हिंसा और सेक्स के प्रभाव पर एक अध्ययन कार्य नई दिल्ली के भारतीय जनसंचार संस्थान को सौंपा गया है।

सत्यजीत राय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता

13.19 संस्थान के लिए वार्षिक योजना (1998-99) परिव्यय के लिए 10.00 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। इस संस्थान में तत्काल विभिन्न पाठ्यक्रमों के तहत 64 छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यहां महत्वपूर्ण फिल्म निर्माताओं को आमंत्रित कर निर्देशन, छायांकन, संपादन और ध्वन्यांकन सहित फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर सेमीनार आयोजित कराया जाता है। इस संदर्भ में छात्र प्रोसेसिंग और आधुनिक लैब का अद्यतन प्रशिक्षण पाने भुवनेश्वर के कलिंग प्रसाद स्टूडियो गए।

संस्थान ने छात्रों के लाभार्थ प्रतिदिन फिल्म दिखाने का अभिनव कार्यक्रम शुरू किया है। इसने 29 लघु/वृत्तचित्रों सहित 153 फिल्में प्रदर्शित की। संस्थान ने अपने पुस्तकालय के लिए 731 भारतीय और विदेशी किताबें खरीदीं। पुस्तकालय में 381 वी एच एस कैसेट, 283 सी डी, 26 एलडी और 31 ऑडियो कैसेट संग्रहित किये गए। मार्च 2000 की प्रतियोगिता के मद्देनजर विभिन्न निर्माण कार्य प्रगति पर है।

प्रसारण स्कंध

आकाशवाणी

13.20.1 आकाशवाणी का 1998-99 का स्वीकृत परिव्यय 150.00 करोड़ रुपये हैं। वर्ष के दौरान सम्बलपुर और गुलबर्गा में स्थित ट्रांसमीटरों की क्षमता बढ़ाई गई। इसके अलावा एक 50 कि.वा. शॉर्टवेव क्षमता वाला ट्रांसमीटर रांची में स्थापित किया गया जिससे पूरे बिहार में मीडियम वेव के साथ-साथ शॉर्टवेव पर भी बुनियादी कवरेज उपलब्ध हो सकेगी। दिल्ली में विदेश प्रसारण सेवा को सुदृढ़ करने के लिए 250 किलोवाट वाले दो उच्च शक्ति के शॉर्टवेव ट्रांसमीटर लगाए गए। पूर्वोत्तर में पांच सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित किए गए जो क्रमशः विलियमनगर (मेघालय), मोन (नगालैंड), त्वेनसांग (नगालैंड), नोंगस्टोइन (मेघालय) और सैहा (मिजोरम) में स्थित हैं। इसके अलावा दिल्ली, कलकत्ता, मुम्बई, चेन्नई, गुवाहाटी और कटक के स्टूडियो को नवीनतम उपकरण उपलब्ध कराकर और आधुनिक बनाया गया।

13.20.2 वर्तमान में आकाशवाणी के 195 केन्द्र हैं। 302 ट्रांसमीटरों (मीडियम वेव-144, शार्टवेव-55 और एफ एम-103) के मौजूदा नेटवर्क के द्वारा देश के 90 प्रतिशत क्षेत्र में फैली 97.3 प्रतिशत जनसंख्या को कवर किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य केन्द्र, जो चमोली (उत्तर प्रदेश), कोकराझार व धुबरी (असम), जिरो (अरुणाचल प्रदेश) और चूड़ाचांदपुर (मणिपुर) तथा जमशेदपुर (बिहार) में सी बी एस के लिए 10 किलो वाट एफ एम ट्रांसमीटर परियोजना, सिलीगुड़ी (प.बंगाल), कोयम्बतूर (तमिलनाडु) एवं पांडिचेरी में 20-20 किलोवाट की मीडियमवेव परियोजना के मार्च 1999 तक तकनीकी रूप से तैयार हो जाने की संभावना है।

13.20.3 पहली अप्रैल 98 से 30 नवंबर, 1998 के दौरान दिल्ली स्थित कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) ने 71 पाठ्यक्रम आयोजित किए। इनमें दिल्ली के बाहर आयोजित 35 पाठ्यक्रम शामिल नहीं हैं। इन पाठ्यक्रमों में 1,190 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। भुवनेश्वर में एक क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) स्थापित किया गया।

दूरदर्शन

13.21.1 वर्ष 1998-99 के लिए दूरदर्शन का स्वीकृत योजना

कार्यक्रम 449.40 करोड़ रुपये है। वर्ष के दौरान प्राथमिक चैनल (डी.डी.-1) के प्रसारण क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से दो उच्च शक्ति, 54 अल्प शक्ति और 25 अतिअल्प शक्ति के ट्रांसमीटर तथा मैट्रो चैनल (डी.डी.-2) के प्रसारण के दायरे को बढ़ाने के लिए 5 अल्प शक्ति के ट्रांसमीटर लगाए गए। इसके अलावा, आंतरिक कार्यक्रम निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए चार स्टूडियो केन्द्र भी स्थापित किए गए। इनके स्थानों के नाम परिशिष्ट एक में दिए गए हैं। इन परियोजनाओं के चालू होने के बाद दूरदर्शन नेटवर्क के पास अब 45 स्टूडियो केन्द्र और 1,025 ट्रांसमीटर हो गए हैं (परिशिष्ट-दो), इसके अतिरिक्त चार स्टूडियो परियोजनाओं के एक उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, 14 अल्प शक्ति ट्रांसमीटर, (इनमें डी डी-2 सेवा के लिए एक शामिल है) और 6 अतिअल्प शक्ति ट्रांसमीटर तकनीकी रूप से तैयार हैं। इसके बारे में विस्तृत विवरण परिशिष्ट 3 में दिया गया है।

13.21.2 जिन अन्य परियोजना के 1998-99 के दौरान पूरा हो जाने की उम्मीद है उनमें निम्नांकित शामिल हैं—राजकोट, पुणे, विजयवाड़ा, भवानीपटना, सम्बलपुर (स्थायी सेटअप) में स्टूडियो केन्द्र, मुम्बई (विस्तारित), हसन, राजामुंदरी (स्थाई सेटअप) में उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, भुज में 300 मीटर ऊंचा एंटीना टावर और कोहिमा, इम्फाल, शिलांग, आइजोल, ईटानगर व अगरतल्ला में सेटेलाइट अपलिंक।

13.21.3 वर्ष 1999-2000 के लिए निर्धारित लक्ष्य इस प्रकार हैं: मथुरा, रांची, पटियाला और त्रिशूर में स्टूडियो परियोजनाओं को पूरा करना, डी डी-1 और डी डी-2 की सेवा के विस्तार के लिए 17 विभिन्न क्षेत्रों में एच पी टी की स्थापना, तीन स्थानों पर एच पी टी परियोजनाओं का स्थाई सेटअप पूरा करना और 90 अल्प शक्ति तथा अतिअल्प शक्ति के ट्रांसमीटरों की स्थापना। इनके अलावा पणजी, पोर्ट ब्लेयर, शिमला और श्रीनगर में सेटेलाइट अपलिंकिंग सुविधाओं सें युक्त परियोजनाएं और बंगलौर, हैदराबाद, कलकत्ता तथा तिरुअनंतपुरम में डिजिटली कंप्रेस्ड समाचार/ओबी फीड (साइमलकास्टिंग) के लिए अपलिंकिंग सुविधाओं की परियोजना भी है।

जनजातीय उपयोजना/विशेष अंगभूत योजना

प्रसारण क्षेत्र

प्रसार भारती : दूरदर्शन स्कंध

13.22.1 दूरदर्शन ने जनजातीय उपयोजना के जिलों में वर्ष 1998-99 के दौरान (12 दिसम्बर, 1998 तक) दो स्टूडियो, 15 अल्प शक्ति और 6 अतिअल्प शक्ति के ट्रांसमीटरों की स्थापना की। उपरोक्त परियोजनाओं के स्थानों के नाम नीचे दिए जा रहे हैं :

1. स्टूडियो
   - (अ) शांतिनिकेतन — स्थाई सेटअप (डब्ल्यू बी)
   - (आ) जलपाईगुड़ी (डब्ल्यू बी)
2. अल्प शक्ति ट्रांसमीटर
   - (क) तुनी (आंध्र प्रदेश)
   - (ख) गोहपुर (असम)
   - (ग) डिब्रूगढ़ डीडी-2 (असम)
   - (घ) मुशाबनी (बिहार)
   - (ड) राधनपुर (गुजरात)
   - (च) झगड़िया (गुजरात)
   - (छ) धरमपुर (गुजरात)
   - (ज) कण्णनूर-डीडी-2 (केरल)
   - (झ) सतना (महाराष्ट्र)
   - (ञ) उमरखेड़ (महाराष्ट्र)
   - (ट) मोहना (उड़ीसा)
   - (ठ) पादुआ (उड़ीसा)
   - (ड) चैयार (तमिलनाडु)
   - (ढ) कैलासहर डीडी 2 (त्रिपुरा)
   - (त) तलियामुरा (त्रिपुरा)
3. अति अल्पशक्ति ट्रांसमीटर
   - (क) निचार (हिमाचल प्रदेश)
   - (ख) उदयपुर (हिमाचल प्रदेश)
   - (ग) सारणगढ़ (मध्य प्रदेश)
   - (घ) कलामपुर (उड़ीसा)
   - (ड) कोकसारा (उड़ीसा)
   - (च) चित्रकोंडा (उड़ीसा)

13.22.2 टी एस पी जिलों में स्टूडियो की संख्या 11 और ट्रांसमीटरों की संख्या 333 हो चुकी है। खोले गए ट्रांसमीटर इस प्रकार हैं :

उच्चशक्ति ट्रांसमीटर-20

अल्पशक्ति ट्रांसमीटर-254

अति अल्पशक्ति ट्रांसमीटर-56

ट्रांसपोजर्स-3

13.22.3 सभी 119 टीएसपी क्षेत्र वर्तमान में या तो पूरी तरह अथवा आंशिक रूप से दूरदर्शन प्रसारण द्वारा कवर किए जाते हैं। कवरेज के विस्तारीकरण के लिए 102 अलग-अलग क्षमता वाले ट्रांसमीटरों (29 उच्च शक्ति ट्रांसमीटर सहित) को लगाने का कार्य टी एस पी क्षेत्रों में चल रहा है।

प्रसार भारती : आकाशवाणी स्कंध

आकाशवाणी जनजातीय कल्याण संबंधी कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों से संबंधित केन्द्रीय व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याण योजनाओं को आकाशवाणी केन्द्रों से प्रचारित किया जाता है। पूर्वोत्तर में पांच जगहों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित किए गए हैं और इनके संचालन और रख-रखाव के लिए अपेक्षित कर्मचारियों की मंजूरी मिलते ही इन्हें चालू कर दिया जाएगा। ये क्षेत्र हैं : विलियम नगर (मेघालय), मोन (नगालैंड), त्वेनसांग (नगालैंड), नोंगस्टोइन, (मेघालय) और सैहा (मिजोरम)।

सूचना माध्यम

पत्र सूचना कार्यालय

13.24 पत्र सूचना कायालिय ने वर्ष 1998-99 के दौरान जनजातियों के लाभार्थ दो योजनाओं की पहचान की है। इनमें से प्रत्येक योजना के लिए 10 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इनमें जनजातीय क्षेत्रों में प्रेस दलों को ले जाने की योजना का लक्ष्य, पूर्वोत्तर के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाना तथा राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष पांच प्रेस-यात्राएं आयोजित की गईं। टी एस पी के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय के शाखा कार्यालय खोलने की दूसरी योजना के अंतर्गत ईटानगर में कार्यालय शुरू करना है, ताकि पूर्वोत्तर राज्यों में सूचना के प्रसार को बढ़ावा मिल सके और लोगों को वह सुगमता से उपलब्ध हो सके।

प्रकाशन विभाग

13.25 विभाग ने 64 लाख के वार्षिक योजना परिव्यय में से जनजातीय लोगों के लाभार्थ 10 लाख रुपये निर्धारित कर रखा है, जनजातीय क्षेत्रों में सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी देने के उद्देश्य से डेस्क टॉप पब्लिशिंग व्यवस्था को उन्नत बनाने, पूर्वोत्तर क्षेत्र में सचल पुस्तक बिक्री केंद्रों की व्यवस्था, 'योजना' उड़िया का प्रकाशन जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

गीत एवं नाटक प्रभाग

13.26 1998-99 के दौरान अनुसूचित जातियों के लाभार्थ प्रभाग द्वारा दो विशिष्ट योजनाओं—'जनजातीय केन्द्र रांची' और 'जनजातीय/पर्वतीय/मरूभूमि क्षेत्र में प्रचार कार्यक्रम' की शुरुआत की गई। रांची केन्द्र ने सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित योजनाओं से लोगों को अवगत कराने के लिए कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वर्ष 1999-2000 के दौरान प्रभाग का इन क्षेत्रों में 450 कार्यक्रम प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है। प्रभाग के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों ने जनजातीय/पर्वतीय/मरूभूमि में प्रचार कार्यक्रम चलाए। वर्ष 1999-2000 के दौरान प्रभाग ने 1,500 कार्यक्रमों को प्रस्तुत करने का प्रस्ताव रखा है। विशेष अंग योजना के तहत 'संवेदनशील और अंदरूनी क्षेत्रों में प्रचार' कार्यक्रम का लक्ष्य सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाना तथा सीमापार के दुष्प्रचारों को रोकना। वर्ष 1999-2000 के दौरान प्रभाग का 2,650 कार्यक्रम प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है। दूसरी तरफ दिल्ली और बंगलौर में ध्वनि और प्रकाश इकाई की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य यहां के नागरिकों, खासकर युवाओं को स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास, संस्कृति व बलिदान और आजादी के बाद देश के विकास की जानकारी देना है। वर्ष 1999-2000 के दौरान उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्र में स्थित प्रभाग की प्रत्येक इकाई द्वारा 30-30 कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाने का विचार है।

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

13.27 वर्ष 1998-99 के दौरान निदेशालय ने सात भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र की चार इकाइयों सहित जनजातीय क्षेत्रों में स्थित 8 प्रचार इकाइयों का रख-रखाव और संचालन जारी रखा। वर्ष के दौरान टी एस पी के अंतर्गत 40 वीडियो प्रोजेक्टर, 50 जेनेरेटर और 5 पेंटियम कंप्यूटर हासिल करना भी अपेक्षित है।

14

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

भारत और यूनेस्को

14.1.1 भारत संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन-यूनेस्को का संस्थापक सदस्य है। यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान और टेक्नोलॉजी, सामाजिक विज्ञान, संस्कृति और जनसंचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। विकासशील देशों की प्रचार संबंधी क्षमता को बढ़ाने के लिए 1981 में यूनेस्को के 21वें महाधिवेशन में अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। भारत ने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह इस कार्यक्रम में शामिल विभिन्न देशों की सरकारों की परिषद और अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम को नियमित रूप से अंशदान देता आ रहा है और बीते वर्षों में उसने इसकी विभिन्न गतिविधियों में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम का संस्थापक सदस्य है और मंत्रालय यूनेस्को और ब्यूरो/अंतर्राष्ट्रीय संचार विकास कार्यक्रम के ब्यूरो/अधिवेशनों में भारत का प्रतिनिधित्व करता रहा है।

14.1.2 भारत ने ढाका (बांग्ला देश) में 25 और 26 अप्रैल 1998 को आयोजित पहले सार्क सूचना मंत्री सम्मेलन में भाग लिया। इस बैठक में समाचार एजेंसियों के समाचार कर्मियों के बीच अधिक सहयोग, सार्क दृश्य-श्रव्य आदान-प्रदान के अंतर्गत कार्यक्षेत्रों में सुधार और सार्क के बाहर इसकी छवि प्रस्तुत करने के उपायों की जरूरत पर चर्चा की गई।

14.1.3 भारत ने साइबरस्पेस के वैधानिक ढांचे पर एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विशेषज्ञों की 8 से 10 सितम्बर, 1998 के दौरान हुई बैठक में भाग लिया। भारत ने सिओल में सीमा पार उपग्रह प्रसारण संबंधी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए 14 से 16 सितम्बर, 1998 तक आयोजित तृतीय एशिया एवं प्रशांत विनियमन गोलमेज सम्मेलन में भी हिस्सा लिया।

भारत समाचार पूल डेस्क और गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल

14.2.1 गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसियों के पूल का विधिवत गठन 1976 में किया गया था। इसका उद्देश्य सूचनाओं के विश्व-व्यापी प्रवाह में असंतुलन दूर करना था। यह गुटनिरपेक्ष देशों की राष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के बीच समाचारों तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान की व्यवस्था है और इसमें एशिया, अफ्रीका, यूरोप तथा लातीनी अमरीका के देश शामिल हैं। इसके कामकाज की देशरेख एक समन्वय समिति करती है जिसका चयन हर तीन साल बाद किया जाता है। भारत इस समय इसका सदस्य है। पूल को चलाने में जो खर्च आता है, उसे सदस्य देश वहन करते हैं।

14.4.2 भारत सरकार की ओर से प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल के अंतर्गत इंडिया न्यूज पूल डेस्क का संचालन करता है। भारत पूल नेटवर्क की दैनिक समाचार फाइल के लिए प्रतिदिन काफी समाचार उपलब्ध कराता है। वर्ष 1998-99 के दौरान पूल डेस्क पर लगभग 20,000 शब्द प्रतिदिन की दर से समाचार प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान स्वयं इंडिया न्यूज पूल डेस्क ने साझेदार देशों को औसतन 7,000 शब्द प्रतिदिन की दर से समाचार उपलब्ध कराए।

15

प्रशासन

15.1.1 कार्य नियमों के आबंटन के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पास सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के संदर्भ में फिल्मों और मुद्रण तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से संबंधित कार्यों को लागू करने के लिए विस्तृत अधिकार हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के कार्य

- विदेशों में बसे भारतीयों सहित, आम जनता के लिए आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के जरिए समाचार सेवाएं प्रदान करना।
- रेडियो तथा टेलीविजन प्रसारण का विकास।
- फिल्मों का आयात एवं निर्यात।
- फिल्म उद्योग की उन्नति और विकास।
- फिल्म समारोहों का आयोजन और इस उद्देश्य के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
- भारत सरकार की ओर से विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार।
- भारत सरकार की नीतियों को प्रस्तुत करने और इनके बारे में जनप्रतिक्रिया हासिल करने के लिए प्रेस संबंध बनाना।
- समाचारपत्रों के संदर्भ में प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 का कार्यान्वयन।
- राष्ट्रीय महत्व की सूचनाओं का प्रकाशन कर देश-विदेश में जानकारी का प्रसार।
- मंत्रालय की मीडिया इकाइयों की मदद के लिए शोध, संदर्भ तथा प्रशिक्षण।
- मंत्रालय के संस्थानों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विशिष्ट कलाकारों, संगीतकारों, वादकों कलाकारों, नर्तकों और नाट्य कलाकारों के लिए वित्तीय सहायता।
- जन अभिरुचि वाले मुद्दों पर प्रचार कार्यक्रम चलाने के लिए अंतर-वैयक्तिक संवाद और पारंपरिक लोक तथा कला रूपों का उपयोग
- प्रसारण और समाचार सेवाओं में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

15.1.2 मंत्रालय के कार्यों में मदद और सहयोग करने के लिए 13 संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालय, छह स्वायत्त संगठन और दो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय का गठन

संबद्ध तथा अधीनस्थ संगठन	स्वायत्त एवं सार्वजनिक उपक्रम
1. भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय	1. प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम)
2. विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय	2. भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान
3. पत्र सूचना कार्यालय	3. भारतीय जनसंचार संस्थान
4. प्रकाशन विभाग	4. राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केन्द्र
5. क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय	5. भारतीय प्रेस परिषद
6. फिल्म समारोह निदेशालय	6. भारतीय सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान
7. गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग	7. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम
8. फिल्म प्रभाग	8. ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड
9. फोटो प्रभाग	
10. गीत और नाटक प्रभाग	
11. केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड	
12. भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार	
13. मुख्य लेखा नियंत्रक	

मुख्य सचिवालय

15.2 इस मंत्रालय के मुख्य सचिवालय का प्रमुख सचिव होता है जिसके सहयोग के लिए एक अतिरिक्त सचिव, एक वित्तीय सलाहकार-सह-अतिरिक्त सचिव, तीन संयुक्त सचिव और एक मुख्य लेखा नियंत्रक होते हैं। मंत्रालय के विभिन्न विभागों में निदेशक/उपसचिव स्तर के 11 अधिकारी, अवर सचिव स्तर के 15 अधिकारी, 43 अन्य राजपत्रित अधिकारी और 285 अराजपत्रित कर्मचारी हैं।

सूचना सुविधा केन्द्र

15.3 प्रशासन को ज्यादा कार्यकुशल और उत्तरदायी बनाने के सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार 4 जुलाई, 1997 को मंत्रालय में सूचना सुविधा कांउटर शुरू किया गया। यह सूचना सुविधा काउंटर शास्त्री भवन में भूतल पर गेट संख्या एक के निकट कार्यरत है और आम लोगों के लिए सभी कार्य दिवसों को सवेरे साढ़े नौ बजे से सायं साढ़े चार बजे तक खुला रहता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य लोगों के लिए एक स्थान पर ऐसी सारी सुविधाएं मुहैया कराना है जिससे जनता, मंत्रालय तथा उसकी माध्यम इकाइयों के किसी भी पहलू के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त कर सके। मंत्रालय तथा उसके माध्यम एककों के संबंध में, जनता के लिए उपयोगी बुनियादी सूचनाएं कम्प्यूटर द्वारा तैयार प्रारूप में तथा सूचना पत्र के रूप में उपलब्ध है। मंत्रालय के संबंध/अधीनस्थ कार्यालयों में सूचना सुविधा काउंटर स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। सूचना सुविधा काउंटर के कम्प्यूटर को मंत्रालय तथा अधीनस्थ कार्यालयों के कम्प्यूटरों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि मंत्रालय की किसी भी गतिविधि की जानकारी सूचना पटल पर समग्र रूप से प्राप्त की जा सके। इसके लिए मंत्रालय ने लोकल एरिया नेटवर्किंग योजना बनाई है और इसे शीघ्र ही कार्यान्वित किए जाने की संभावना है।

नागरिक अधिकार पत्र

15.4 प्रभावशाली और उत्तरदायी प्रशासन के लिए एक कार्यदल का गठन किया गया है जिसके अध्यक्ष संयुक्त सचिव (नीति और जन शिकायत) हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अधिकारी भी शामिल हैं। कार्यदल ने भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय के लिए नागरिक अधिकार पत्र तैयार

किया है। इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह अधिकार पत्र, समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा प्रदत्त सेवाओं के बारे में अधिकतम जानकारी उपलब्ध कराएगा। इसमें, ये सेवाएं पाने वाले आम लोगों के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं, सेवाएं प्रदान करने में अपनाए जाने वाले मानदंडों और असंतोषप्रद सेवाओं के कारण होने वाली शिकायतों को दूर करने के तरीकों के बारे में जानकारी होगी। सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए अलग से एक जानकारी ब्रोशर भी उपलब्ध है, जिसे मंत्रालय और समाचारपत्रों के पंजीयक के सूचना सुविधा काउंटर तथा इसके कलकत्ता, चेन्नई और मुंबई स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त किया जा सकता है।

जन शिकायतें

15.5 मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में एक जन शिकायत प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है। इसके प्रमुख संयुक्त सचिव (नीति) हैं। मंत्रालय की शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए इसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न कार्यकलापों को पूरा करने के लिए समय सीमा तय की गई है। मंत्रालय के सभी अधीनस्थ संगठनों में शिकायत अधिकारी नियुक्त किए गए हैं जिन्हें शिकायतों के समय पर निवारण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिकायत निवारण में प्रगति की प्रभावी ढंग से निगरानी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने एक कम्प्यूटरीकृत शिकायत निगरानी प्रणाली विकसित की है। मंत्रालय में प्राप्त शिकायतें , इसके संबंद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों में संबंधित शिकायत अधिकारी के पास भेज दी जाती है। शिकायतों के बारे में निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय में समय-समय पर समीक्षा बैठकें की जाती है।

अनुसूचित जातियों/जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान

15.6.1 सरकार की घोषित नीति के तहत सरकार द्वारा इस संबंध में जारी आदेशों के अनुसार मंत्रालय अपनी नियंत्रणाधीन सेवाओं और पदों पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को समुचित प्रतिनिधित्व देने के पूरे प्रयास करता है। मंत्रालय लगातार इस कोशिश में है कि आरक्षण के लक्षित प्रतिशत और मंत्रालय तथा इसके संबंद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों की विभिन्न सेवाओं और पदों पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों के वास्तविक प्रतिनिधित्व में अंतर कम से कम हो। मंत्रालय, इसके संबंद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्तशासी निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कुल कर्मचारियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों का प्रतिशत पहली जून, 98 को निम्नलिखित था :

	वर्ग 'क'	वर्ग 'ख'	वर्ग 'ग'	वर्ग 'घ'
अनुसूचित जाति	10.94	14	16.5	31.8
अनुसूचित जनजाति	04.97	04.4	11.8	12

15.6.2 आरक्षण नीति लागू करने से संबंधित समन्वय और निगरानी के लिए निदेशक स्तर के संपर्क अधिकारी की देखरेख में मंत्रालय में एक प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले संबंद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालय, स्वायत्त निकाय और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में रोस्टर रखे जाते हैं।

15.6.3 भारत और विदेशों में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में, अनुसूचित जातियों/जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों के अधिकारियों की भागीदारी पर पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले संबंद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सेवाओं और पदों में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों/अन्य पिछड़े वर्गों की आरक्षण नीति का कड़ाई से पालन किया जाता है।

राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग

15.7.1 भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार यह मंत्रालय हिंदी के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है। मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वय समिति, सचिवालय और संबंद्ध व अधीनस्थ कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग में प्रगति पर नजर रखती है। इसकी हर तिमाही बैठक होती है। इन बैठकों में 1998-99 के वार्षिक कार्यक्रम के सभी विषयों पर विचार किया गया। मंत्रालय की सभी मीडिया इकाइयों को इस कार्यक्रम की प्रति भेजी गई। साथ ही उनसे यह भी अनुरोध किया गया कि वे निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पूरे प्रयास करें।

15.7.2 कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए 14 से 28 सितंबर, 1998 के दौरान मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस दौरान, हिंदी में निबंध लेखन, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, भाषण और श्रुतलेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और 44 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र दिए गए। इसी प्रकार मंत्रालय के संबंद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों में भी हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए। इसके अलावा कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए मंत्री महोदय ने एक अपील भी जारी की।

15.7.3 राजभाषा के रूप में हिंदी के इस्तेमाल की स्थिति का अवलोकन करने के लिए इस वर्ष अधिकारियों ने मंत्रालय के आठ कार्यालयों का निरीक्षण किया। हिन्दी में पत्राचार बढ़ाने के लिए 11 कर्मचारियों को प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ पाठ्यक्रमों में, और तीन टंककों को तथा पांच आशुलिपिकों को हिंदी में टंकण/ आशुलिपि के प्रशिक्षण के लिए चुना गया। राजभाषा नियमावली 1976 के नियम 10 (4) के अन्तर्गत मंत्रालय के जिन चार कार्यालयों को अपना अधिकतम काम हिंदी में करने के लिए अधिसूचित किया गया वहां के 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिंदी भाषा का कार्यकारी ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

15.7.4 राजभाषा अधिनियम के अनुच्छेद 3 (3) के तहत सभी कागजातों/प्रपत्रों को द्विभाषी रूप में जारी करने और हिंदी में प्राप्त पत्रों तथा हिंदी में प्राप्त तथा हस्ताक्षरित पत्रों के जवाब केवल हिंदी में दिया जाना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियंत्रण बिंदुओं को अधिक प्रभावी बनाया गया। इसके अलावा विभिन्न मीडिया इकाइयों तथा अनुभागों से प्राप्त प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा की गई और राजभाषा नीति के बेहतर अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाए गए।

15.7.5 मंत्रालय और इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संबद्ध/ अधीनस्थ कार्यालयों में हिंदी के इस्तेमाल की प्रगति की समीक्षा और हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के उपाय सुझाने के लिए हिंदी सलाहकार समिति है। इस समिति के अध्यक्ष मंत्री महोदय हैं।

15.7.6 संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति ने चालू वर्ष के दौरान (9 फरवरी, 1999 तक) मंत्रालय के चार कार्यालयों का निरीक्षण किया। इन निरीक्षण बैठकों का प्रतिनिधित्व मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने किया। समिति द्वारा दिए गए सुझावों को दर्ज करके सुधार कार्य आरंभ किए गए।

आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश

15.8.1 आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश, संगठन की कार्यकुशलता बढ़ाने के निरंतर उपाय कर रहा है। एकांश ने निम्नलिखित के संबंध में कार्य मापन रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया है :

(क) फिल्म समारोह निदेशालय, नई दिल्ली, (ख) केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, मुख्यालय, (ग) केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई, (घ) केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, चेन्नई (च) विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय, नई दिल्ली और भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, पुणे का स्टूडियो। सुझावों को लागू करने से प्रतिवर्ष लगभग 4 लाख 13 हजार रुपये की प्रत्यक्ष बचत हुई और 38 लाख 20 हजार रुपये का अनावश्यक खर्च बचाया गया।

15.8.2 व्यवस्थापन और विधि की ओर लगातार वैसे ही ध्यान दिया जा रहा है जैसे कि पहले दिया जाता था। मंत्रालय में रिकॉर्ड अधिकारी की नियुक्ति कर रिकॉर्ड प्रबंधन को प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष दो विशेष अभियान चलाकर 6,291 फाइलों का रिकॉर्ड रखा गया, 5,848 फाइलों की समीक्षा की गयी और 4,411 फाइलों की छंटनी की गई। अनुभागों /डेस्कों की व्यवस्थापन और विधि संबंधी जांच की गई ताकि दिन-प्रतिदिन के कार्यकलापों में कार्यालय प्रक्रिया नियमावली के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इन प्रावधानों के परिचालन हेतु प्रोत्साहन देने की दृष्टि से नकद पुरस्कार योजना शुरू की गई।

लेखा संगठन

15.9.1 1976 में हुए सरकारी लेखे के विभागीकरण के फलस्वरूप केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों के सचिवों को मुख्य लेखा अधिकारी घोषित कर दिया गया था। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव मंत्रालय के प्रशासनिक प्रमुख होने के साथ-साथ मुख्य लेखा अधिकारी भी हैं। मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में सचिव अपना कार्य अतिरिक्त सचिव, वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा नियंत्रक की सहायता से संपन्न करते हैं।

15.9.2 सरकारी लेखे के विभागीकरण की आरंभिक अवस्था में 1976 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक ने कार्य आरंभ किया। उनके नियंत्रण में 475 विभागीय कर्मचारियों के साथ 13 वेतन और लेखा इकाइयां थी। 1976 में वे 204 आहरण और संवितरण अधिकारियों की जरूरतें पूरी कर रहे थे। 31 अक्तूबर, 1998 को 578 विभागीय कर्मचारियों के साथ 14 वेतन एवं लेखा अधिकारी कार्य कर रहे थे जिनके अधीन लगभग 569 आहरण और संवितरण अधिकारी थे। (182 चेक जारी करने वाले आहरण और संवितरण अधिकारी तथा 387 ऐसे आहरण और संवितरण अधिकारी जो चेक जारी करने के लिए अधिकृत नहीं थे।)

15.9.3 मंत्रालय के भुगतान संबंधी कार्य जैसे, भुगतान की रसीदों का लेखा, आंतरिक लेखा परीक्षण और लेखा प्रबंधन, पूर्ण रूप से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक के कार्य क्षेत्र में हैं। संविधान के अनुच्छेद 150 के अंतर्गत संसद में प्रमाणित वार्षिक विनियोजन लेखा और संघ का सम्मिलित

वित्तीय लेखा प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रपति जिम्मेदार है। संसद के प्रति सरकार की यह जिम्मेदारी वित्त मंत्रालय के महा लेखा नियंत्रक द्वारा पूरी की जाती है। मंत्रालय से संबंधित लेन-देन में महा लेखा नियंत्रक के इस उत्तरदायित्व को मुख्य लेखा नियंत्रक पूरा करता है।

15.9.4 मुख्य लेखा नियंत्रक अपने कार्य नई दिल्ली स्थित मुख्य लेखा कार्यालय के जरिए संपन्न करता है। उसके कार्य में एक लेखा नियंत्रक, दो उप लेखा नियंत्रक और 14 वेतन एवं लेखा अधिकारी सहयोग करते हैं। वेतन एवं लेखा कार्यालय दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई, लखनऊ, नागपुर और गुवाहाटी में स्थित हैं। लेखा संगठन मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्यों के लिए जिम्मेदार है: (क) विनियोजन पर व्यय नियंत्रण; (ख) रसीदों का सामयिक लेखा; (ग) वित्त मंत्रालय के लेखा महानियंत्रक को प्रस्तुत करने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के लेखे को एकत्रित और एकीकृत करना; (घ) राजस्व प्राप्तियों का विवरण, सार्वजनिक खातों, ब्याज तथा ऋणों के भुगतान की रसीदें चुकता करना, ब्याज भुगतान, पेंशन तथा सेवानिवृत्ति लाभ, मंत्रालय की ओर से बजट अनुमान (अनुदान संख्या 56 और 57) तैयार करना; (च) तुरंत भुगतान की व्यवस्था; (छ) पेंशन, भविष्यनिधि तथा अन्य दावों का त्वरित निबटान; (ज) मंत्रालय तथा मीडिया इकाइयों का आंतरिक लेखा परीक्षण; (झ) संबद्ध अधिकारियों को लेखा संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराना। इनके अलावा फिल्म समारोह निदेशालय, पत्र सूचना कार्यालय, प्रकाशन विभाग और गवेषणा, संदर्भ तथा प्रशिक्षण प्रभाग को आंतरिक वित्तीय सलाह देने जैसे कार्यों का निर्वहन भी लेखा नियंत्रक तथा लेखा उप-नियंत्रक द्वारा किया जाता है।

15.9.5 इस संगठन का एक विशेष कार्य, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र की सहायता से कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था द्वारा मंत्रालय तथा संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में सेवारत लगभग 5,000 राजपत्रित अधिकारियों को वेतन देना और उनके व्यक्तिगत दावों का भुगतान करना है।

15.9.6 अप्रैल '98 से फरवरी '99 के दौरान 2,16,275 बिल (इसमें वेतन और लेखा कार्यालय, 'इर्ला' द्वारा निपटाए गए राजपत्रित अधिकारियों के 44,880 दावे शामिल हैं) निपटाए गए। इनके अलावा इस अवधि में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की पेंशन/पेंशन पुनर्निरीक्षण/पारिवारिक पेंशन से संबंधित 3,158 मामले तथा भविष्यनिधि के अंतिम भुगतान के 417 मामले निपटाए गए।

सतर्कता

15.10.1 मंत्रालय का सतर्कता विभाग सचिव की देखरेख में काम करता है। इस कार्य में संयुक्त सचिव के स्तर का एक मुख्य सतर्कता अधिकारी, एक निदेशक, एक अवर सचिव, एक अनुभाग अधिकारी तथा अन्य अधीनस्थ कर्मचारी उसके साथ सहयोग करते हैं। मंत्रालय के संबद्ध तथा अधीनस्थ इकाइयों में सतर्कता एकक, सतर्कता अधिकारी के अधीन हैं। मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और पंजीकृत समितियों में सतर्कता का काम इन कार्यालयों के मुख्य सतर्कता अधिकारी देखते हैं। संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों, पंजीकृत संस्थाओं तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सतर्कता संबंधी गतिविधियां, मंत्रालय के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा समन्वित की जाती हैं।

15.10.2 भ्रष्टाचार की आशंका कम करने के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाने की कोशिशें जारी हैं। संदेहास्पद निष्ठा वाले व्यक्तियों पर नजर रखी गई। संवेदनशील पदों पर बारी-बारी से निश्चित अवधि के बाद फेर-बदल किया जाता है। नियमों और प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किए गए। वर्ष 1998-99 के दौरान 151 नियमित और 36 अचानक निरीक्षण किए गए, जिनमें 10 ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई जिन पर निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर सरकार द्वारा चलाए गए भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी को बतौर संपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया। रिपोर्ट की अवधि के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त 16 शिकायतों में से छह शिकायतें निपटाई गईं और शेष दस पर कार्यवाही चल रही है।

15.10.3 अप्रैल 1998 से मार्च 1999 तक, मंत्रालय और उसकी मीडिया इकाइयों में विभिन्न स्थानों से 204 नई शिकायतें प्राप्त हुईं। इनकी जांच के बाद 56 मामलों में प्राथमिक जांच के आदेश दिए गए जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपे गए दो मामले भी शामिल हैं। वर्ष के दौरान 32 मामलों की प्राथमिक जांच की रिपोर्ट प्राप्त हुई। 31 मामलों में भारी दंड और 10 मामलों में हल्का दंड के लिए नियमित विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई। छः मामलों में भारी दंड और सात मामलों में हल्का दंड दिया गया। वर्ष के दौरान आठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। दो मामलों में कार्यवाही रोक दी गई। एफ. आर. 56 (जे) के प्रावधानों के तहत दो अधिकारियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई और 23 मामलों में प्रशासनिक चेतावनियां आदि जारी की गईं। अपील के एक मामले का निपटारा किया गया और इसमें दंड को कम करके अनिवार्य सेवानिवृत्ति का दंड दिया गया। इसके अलावा 19 मामलों में नियमित विभागीय कार्यवाही शुरू की गई है।

सांगठनिक चार्ट (28.2.1999 की स्थिति)

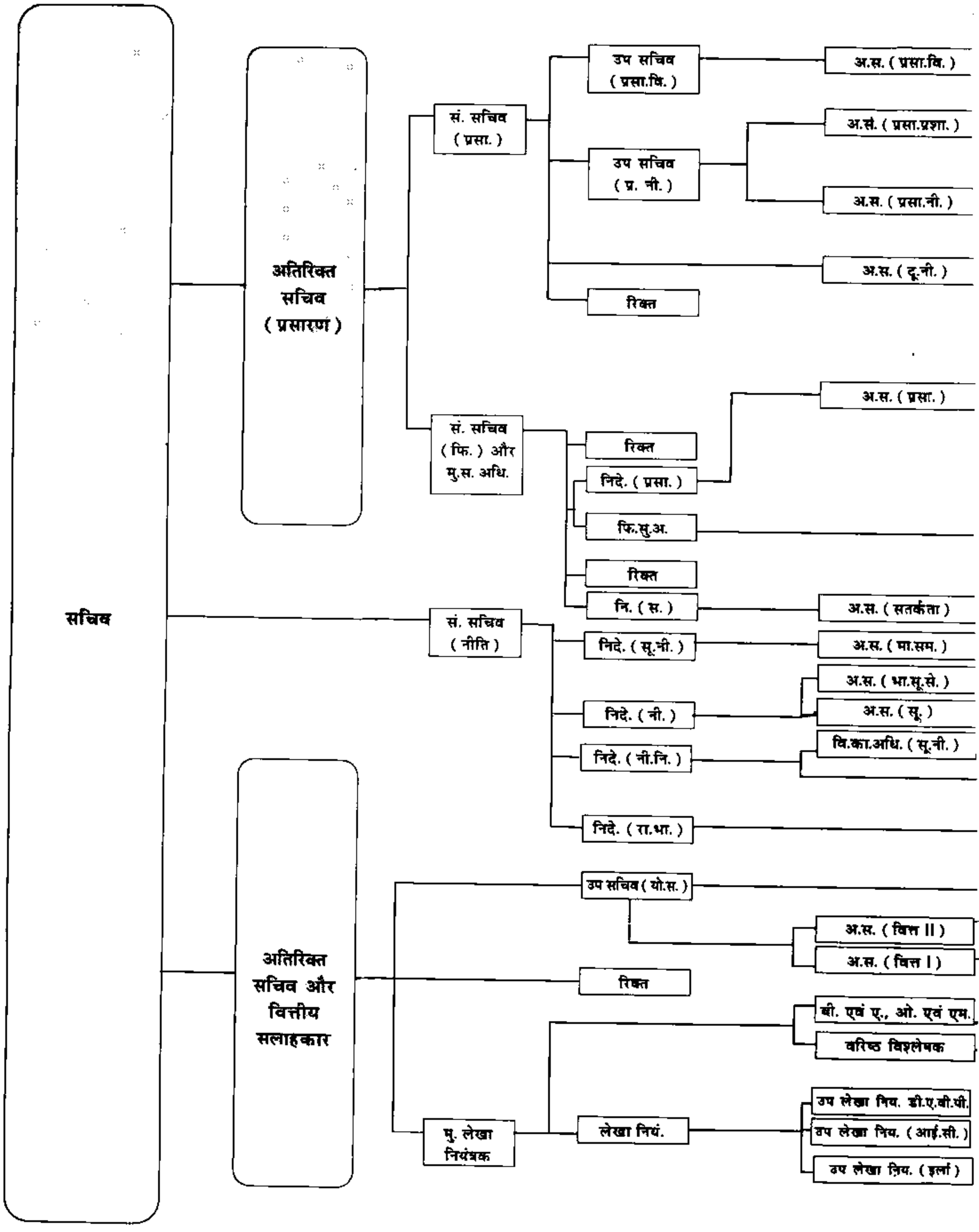

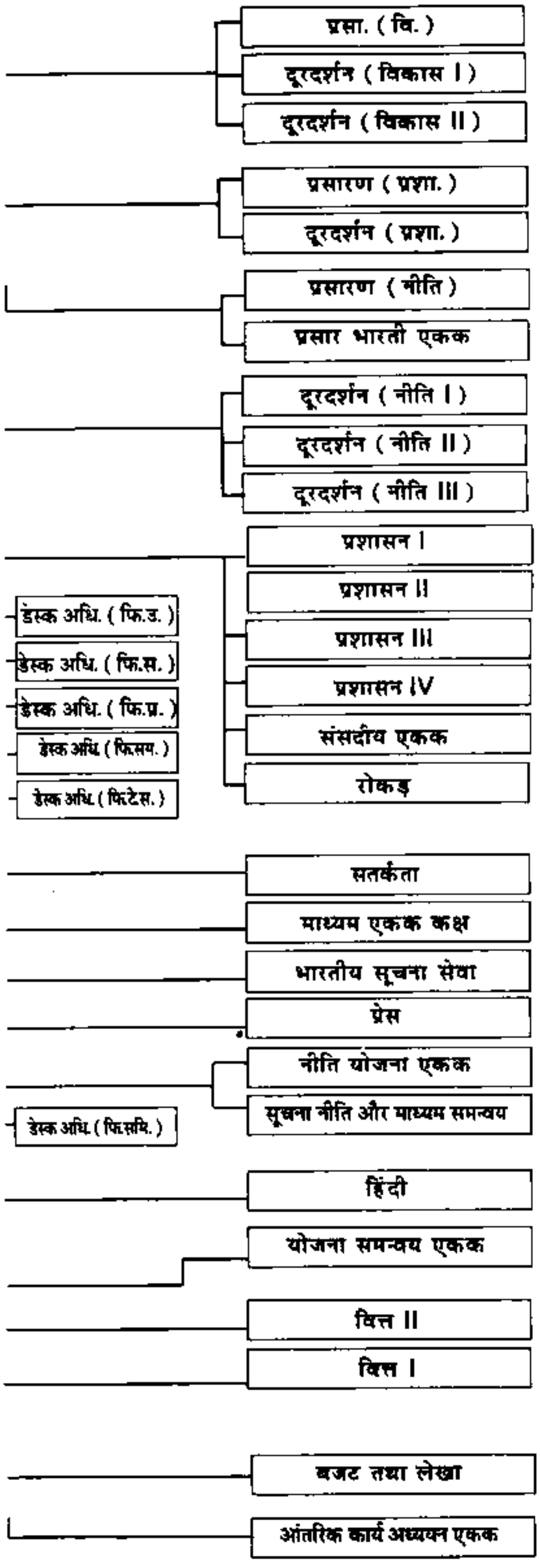

मंत्रालय में पदनाम

ए एस एंड एफ ए	अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
ए एस	अतिरिक्त सचिव
जे एस (पी)	संयुक्त सचिव (नीति)
जे एस (फि) तथा मु. सतर्क अधि.	संयुक्त सचिव (फिल्म) तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी
जे. एस (बी)	संयुक्त सचिव (प्रसारण)
सी सी ए	मुख्य लेखा नियंत्रक
डायें. (पी.पी.)	निदेशक (नीति नियोजन)
डायें. (सी)	निदेशक (समन्वय)
डायें. (पी)	निदेशक (नीति)
डायें. (ए)	निदेशक (प्रशासन)
डायें. (बी पी)	निदेशक (प्रसारण नीति)
डायें. (ओ एल)	निदेशक (राजभाषा)
डी एस (पी सी)	उप सचिव (योजना समन्वय)
डी एस (आई पी)	उप सचिव (सूचना नीति)
डी एस (बी डी)	उप सचिव (प्रसारण विकास)
एफ एफ ओ	फिल्म सुविधा अधिकारी
सी ए	लेखा नियंत्रक
यू एस (ए)	अवर सचिव (प्रशासन)
यू एस (बी एंड ए)	अवर सचिव (बजट एवं लेखा)
यू एस (फाइ. I)	अवर सचिव (वित्त-I)
यू एस (फाइ. II)	अवर सचिव (वित्त-II)
यू एस (आई आई एस)	अवर सचिव (भारतीय सूचना सेवा)
यू एस (एम सी)	अवर सचिव (माध्यम समन्वय)
यू एस (आई)	अवर सचिव (सूचना)
यू एस (वी)	अवर सचिव (सतर्कता)
यू एस (बी ए)	अवर सचिव (प्रसारण प्रशासन)
यू एस (बी डी)	अवर सचिव (प्रसारण विकास)
यू एस (टीवी-पी)	अवर सचिव (दूरदर्शन कार्यक्रम)
यू एस (बी पी)	अवर सचिव (प्रसारण नीति)
ओ एस डी (आई पी)	विशेष कार्याधिकारी (सूचना नीति)
डी सी ए (हैडक्वां.)	उप लेखा नियंत्रक (मुख्यालय)
डी सी ए (इर्ला)	उप लेखा नियंत्रक (इर्ला)
डी सी ए (आई सी)	उप लेखा नियंत्रक (आई सी)
डी सी ए (डी ए वी पी)	उप लेखा नियंत्रक (डी ए वी पी)
एस ए	वरिष्ट विश्लेषक
डी ओ (एफ एस)	डेस्क अधिकारी (फिल्म समितियां)
डी ओ (एफ टी आई)	डेस्क अधिकारी (फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट)
डी ओ (एफ सी)	डेस्क अधिकारी (फिल्म प्रमाणन)
डी ओ (एफ ए)	डेस्क अधिकारी (फिल्म प्रशासन)
डी ओ (एफ एफ)	डेस्क अधिकारी (फिल्म समारोह)
डी ओ (एफ आई)	डेस्क अधिकारी (फिल्म उद्योग)
एडमिन. I	प्रशासन I
एडमिन. II	प्रशासन II
एडमिन. III	प्रशासन III
एडमिन. IV	प्रशासन IV
कैश	रोकड़
पार्लिया.	संसदीय एकक
विज.	सतर्कता
बी (ए)	प्रसारण (प्रशासन)
टीवी (ए)	दूरदर्शन (प्रशासन)
बी (डी)	प्रसारण (विकास)
टी वी (डी-I)	दूरदर्शन (विकास-I)
टी वी (डी-II)	दूरदर्शन (विकास-II)
टी वी (पी-I)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-I)
टी वी (पी-II)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-II)
टी वी (पी-III)	दूरदर्शन (कार्यक्रम-III)
बी (पी)	प्रसारण (नीति)
पी बी सी	प्रसार भारती एकक
आई आई एस	भारतीय सूचना सेवा
एम यू सी	मीडिया यूनिट एकक
प्रेस	प्रेस
बी पी सी	नीति योजना एकक
आई पी एंड एम सी	सूचना नीति और माध्यम समन्वय
फाइ. I	वित्त I
फाइ. II	वित्त II
पी सी सेल	योजना समन्वय एकक
हिंदी	हिंदी एकक
आई डब्ल्यू एस यू	आंतरिक कार्य अध्ययन एकक
बी एंड ए	बजट एवं लेखा

परिशिष्ट - II
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
योजना तथा गैर-योजनागत बजट विवरण
मांग संख्या 55 — सूचना, फिल्म और प्रचार

क्र.सं.	माध्यम इकाई का नाम / गतिविधि	बजट अनुमान 1998-99		
		योजना	गैर-योजना	योग
1	2	3	4	5
	राजस्व खंड			
	मुख्य शीर्ष "2251"			
	सचिवालय — सामाजिक सेवाएं			
1.	मुख्य सचिवालय वेतन और लेखा कार्यालय सहित	25,00	10,70,00	10,95,00
	मुख्य शीर्ष "2205"			
	— कला और संस्कृति			
	सिनेमेटोग्राफिक फिल्मों का सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणीकरण			
2.	केंद्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड	61,00	1,23,00	1,84,00
3.	फिल्म प्रमाणीकरण अपील न्यायाधिकरण	—	5,00	5,00
	कुल : मुख्य शीर्ष '2205'	**61,00**	**1,28,00**	**1,89,00**
	मुख्य शीर्ष "2220" — सूचना और प्रचार			
4.	फिल्म प्रभाग	2,00,00	22,73,95	24,73,95
5.	फिल्म समारोह निदेशालय	2,86,00	3,12,42	5,98,42
6.	भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार	1,22,00	87,68	2,09,68
7.	सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता	9,00,00	-	9,00,00
8.	राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म केंद्र को सहायता अनुदान	5,60,00	15,00	5,75,00
9.	भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान, पुणे को सहायता अनुदान	7,00,00	4,57,73	11,57,73
10.	फिल्म समितियों को सहायता अनुदान	4,00	-	4,00
11.	गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग	5,00	79,82	84,82
12.	भारतीय जनसंचार संस्थान को सहायता अनुदान	3,80,00	2,17,51	5,97,51
13.	विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय	1,44,00	40,94,44	42,38,44
14.	पत्र सूचना कार्यालय	91,00	14,80,48	15,71,48
15.	भारतीय प्रेस परिषद	-	1,60,84	1,60,84
16.	पी.टी. आई. को ऋण के ब्याज पर सबसिडी	-	12,25	12,25
17.	व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	-	38,22	38,22
18.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय	1,63,00	16,57,79	18,20,79
19.	गीत और नाटक प्रभाग	1,62,00	11,03,25	12,65,25
20.	प्रकाशन विभाग	64,00	9,67,45	10,31,45
21.	रोजगार समाचार	-	13,50,62	13,50,62
22.	भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक	-	1,35,77	1,35,77
23.	फोटो प्रभाग	5,00	2,06,78	2,11,78
24.	संचार के विकास के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए अंशदान	-	12,00	12,00
	कुल : मुख्य शीर्ष "2220"	**37,86,00**	**146,64,00**	**184,50,00**
	कुल : राजस्व खंड	**38,72,00**	**158,62,00**	**197,34,00**

(हजार रुपये में)

संशोधित अनुमान 1998-99			बजट अनुमान 1999-2000		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
35,00	12,29,00	12,64,00	56,00	12,43,00	12,99.00
56,00	1,35,00	1,91,00	60,00	1,48,00	2,08,00
-	5,00	5,00	-	6,00	6,00
56,00	**1,40,00**	**1,96,00**	**60,00**	**1,54,00**	**2,14,00**
2,00,00	23,26,39	25,26,39	2,95,00	25,20,00	28,15,00
2,86,00	3,32,13	6,18,13	2,85,00	3,51,98	6,36,98
69,40	88,64	1,58,04	1,15,00	93,68	2,08,68
8,89,04	-	8,89,04	5,00,00	-	5,00,00
4,10,00	15,00	4,25,00	6,50,00	15,00	6,65,00
5,00,00	5,05,00	10,05,00	5,00,00	5,30,25	10,30,25
4,00	-	4,00	4,00	-	4,00
15,20	80,82	96,02	18,00	89,50	1,07,50
3,80,00	2,55,64	6,35,64	3,70,00	3,47,03	7,17,03
1,44,00	40,73,63	42,17,63	1,45,00	43,27,13	44,72,13
91,00	15,99,35	16,90,35	1,08,00	16,54,36	17,62,36
-	3,50,94	3,50,94	-	2,26,90	2,26,90
-	12,25	12,25	-	12,25	12,25
-	28,75	28,75	-	38,22	38,22
1,38,36	18,69,75	20,08,11	1,36,00	19,11,21	20,47,21
1,62,00	11,44,33	13,06,33	1,80,00	13,26,00	15,06,00
64,00	10,15,30	10,79,30	60,00	10,51,10	11,11,10
-	13,24,10	13,24,10	-	15,04,40	15,04,40
-	1,54,25	1,54,25	-	1,82,43	1,82,43
5,00	2,14,73	2,19,73	4,00	2,41,56	2,45,56
-	13,00	13,00	-	13,00	13,00
33,58,00	**154,04,00**	**187,62,00**	**33,70,00**	**164,36,00**	**198,06,00**
34,49,00	**167,73,00**	**202,22,00**	**34,86,00**	**178,33,00**	**213,19,00**

क्र.सं.	माध्यम इकाई का नाम गतिविधि	बजट अनुमान 1998-99		
			योजना	गैर-योजना
1	2	3	4	5
	पूंजी खंड			
	मुख्य शीर्ष "4220"			
	— सूचना और प्रचार के लिए पूंजी परिव्यय			
	अ) मशीनें और उपकरण			
1.	फिल्म प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	2,98,00	-	2,98,00
2.	पत्र सूचना कार्यालय के लिए उपकरणों की खरीद	92,00	-	92,00
3.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के लिए उपकरणों की खरीद	1,10,00	-	1,10,00
4.	गीत और नाटक प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	20,00	-	20,00
5.	फोटो प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद	71,00	-	71,00
6.	मुख्य सचिवालय के लिए उपकरणों की खरीद	-	-	-
	आ) भवन			
7.	फिल्म प्रभाग की बहुमंजिला इमारत का मुख्य निर्माण कार्य	27,00	-	27,00
8.	भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के कार्यालय भवन का मुख्य निर्माण कार्य	1,30,00	-	1,30,00
9.	फिल्म समारोह परिसर में नए निर्माण तथा पुराने में परिवर्तन संबंधी प्रमुख निर्माण कार्य	40,00	-	40,00
10.	कलकत्ता में फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान की स्थापना -- भूमि अधिग्रहण तथा भवन निर्माण	1,00,00	-	1,00,00
11.	सूचना भवन परिसर — प्रमुख निर्माण कार्य	2,40,00	-	2,40,00
12.	क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के अंतर्गत कार्यालय तथा आवासीय भवनों का प्रमुख निर्माण कार्य	-	-	-
13.	पत्र सूचना के लिए राष्ट्रीय प्रेस केंद्र और लघु-मीडिया केंद्र की स्थापना	2,80,00	-	2,80,00
	कुल : पूंजी खंड	**14,08,00**	**-**	**14,08,00**
	कुल : मांग संख्या 55	**52,80,00**	**158,62,00**	**211,42,00**

(हजार रुपये में)

संशोधित अनुमान 1998-99			बजट अनुमान 1999-2000		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
2,98,00	-	2,98,00	3,10,00	-	3,10,00
92,00	-	92,00	64,00	-	64,00
1,10,00	-	1,10,00	86,00	-	86,00
20,00	-	20,00	20,00	-	20,00
71,00	-	71,00	1,46,00	-	1,46,00
-	-	-	1,19,00	-	1,19,00
78,00	-	78,00	25,00	-	25,00
57,00	-	57,00	65,00	-	65,00
40,00	-	40,00	41,00	-	41,00
1,00,00	-	1,00,00	2,00,00	-	2,00,00
1,10,00	-	1,10,00	2,00,00	-	2,00,00
-	-	-	-	-	-
20,00	-	20,00	38,00	-	38,00
9,96,00	**-**	**9,96,00**	**13,14,00**	**-**	**13,14,00**
44,45,00	**167,73,00**	**212,18,00**	**48,00,00**	**178,33,00**	**226,33,00**

मांग संख्या-56-प्रसारण सेवाएं

क्र.सं.	माध्यम इकाई/ गतिविधि का नाम	बजट अनुमान 1998-99		
		योजना	गैर-योजना	योग
1	2	3	4	5
	राजस्व खंड			
	मुख्य शीर्ष "2221"			
	आकाशवाणी			
1.	निर्देशन तथा प्रशासन	464.00	1582.00	2046.00
2.	परिचालन तथा रखरखाव	415.00	7142.00	7557.00
3.	विज्ञापन प्रसारण सेवा	0.00	3043.00	3043.00
4.	कार्यक्रम सेवाएं	943.00	27373.00	28316.00
5.	समाचार सेवा प्रभाग	0.00	2119.00	2119.00
6.	श्रोता अनुसंधान	0.00	205.00	205.00
7.	विदेश सेवा प्रभाग	69.00	445.00	514.00
8.	योजना और विकास	258.00	897.00	1155.00
9.	अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	130.00	461.00	591.00
10.	उचंत	0.00	6700.00	6700.00
11.	एन.एफ.एल. में अंतरण	0.00	9000.00	9000.00
12.	अन्य व्यय	1.00	525.00	526.00
	कुल : आकाशवाणी (राजस्व)	**2280.00**	**59492.00**	**61772.00**
	दूरदर्शन			
1.	निर्देशन तथा प्रशासन	1.00	1900.00	1901.00
2.	परिचालन तथा रखरखाव	2350.00	12572.00	14922.00
3.	विज्ञापन सेवाएं	0.00	10179.00	10179.00
4.	कार्यक्रम सुवाएं	10088.00	26092.00	36180.00
5.	श्रोता अनुसंधान	1.00	138.00	139.00
6.	उचंत	0.00	8500.00	8500.00
7.	एन.एफ.एल. में अंतरण	0.00	56025.00	56025.00
8.	अन्य व्यय	0.00	488.00	488.00
	योग : दूरदर्शन (राजस्व)	**12440.00**	**115894.00**	**128334.00**
	कुल : मुख्य शीर्ष "2221"	**14720.00**	**175386.00**	**190106.00**
	कुल : राजस्व खंड	**14720.00**	**175386.00**	**190106.00**
	भारित	**14720.00**	**175348.00**	**190068.00**
	भारित	**0.00**	**38.00**	**38.00**

संशोधित अनुमान 1998-99			बजट अनुमान 1999-2000		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
512.00	1916.00	2428.00	580.00	1901.00	2481.00
351.00	7559.00	7910.00	410.00	8732.00	9142.00
0.00	2917.00	2917.00	0.00	3265.00	3265.00
415.00	30666.00	31081.00	832.00	32799.00	33631.00
0.00	2525.00	2525.00	0.00	2493.00	2493.00
0.00	264.00	264.00	0.00	275.00	275.00
12.00	534.00	546.00	25.00	559.00	584.00
162.00	1241.00	1403.00	241.00	1309.00	1550.00
93.00	597.00	690.00	111.00	636.00	747.00
0.00	5440.00	5440.00	0.00	7050.00	7050.00
0.00	7500.00	7500.00	0.00	9375.00	9375.00
0.00	480.00	480.00	1.00	734.00	735.00
1545.00	**61639.00**	**63184.00**	**2200.00**	**69128.00**	**71328.00**
0.00	1740.00	1740.00	1.00	1827.00	1828.00
1591.00	13910.00	15501.00	3100.00	15195.00	18295.00
0.00	7559.00	7559.00	0.00	8686.00	8686.00
7089.00	28989.00	36078.00	6398.00	30067.00	36465.00
0.00	147.00	147.00	1.00	151.00	152.00
0.00	7000.00	7000.00	0.00	7500.00	7500.00
0.00	41500.00	41500.00	0.00	47725.00	47725.00
0.00	651.00	651.00	0.00	685.00	685.00
8680.00	**101496.00**	**110176.00**	**9500.00**	**111836.00**	**121336.00**
10225.00	**163135.00**	**173360.00**	**11700.00**	**180964.00**	**192664.00**
10225.00	**163135.00**	**173360.00**	**11700.00**	**180964.00**	**192664.00**
10225.00	**163114.00**	**173339.00**	**11700.00**	**180960.00**	**192660.00**
0.00	**21.00**	**21.00**	**0.00**	**4.00**	**4.00**

क्र.सं.	माध्यम इकाई/ गतिविधि का नाम	बजट अनुमान 1998-99		
		योजना	गैर-योजना	योग
1	2	3	4	5
	पूंजी खंड मुख्य शीर्ष "4221			
	आकाशवाणी			
1.	मशीनें और उपकरण	100.00	0.00	100.00
2.	स्टूडियो	4742.00	0.00	4742.00
3.	ट्रांसमीटर	4529.00	0.00	4529.00
4.	उचंत	0.00	485.00	485.00
5.	अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं)	3349.00	0.00	3349.00
	कुल : आकाशवाणी	**12720.00**	**485.00**	**13205.00**
	पारित	**12670.00**	**485.00**	**13155.00**
	भारित	**50.00**	**0.00**	**50.00**
	दूरदर्शन			
1.	मशीनें और उपकरण	70.00	0.00	70.00
2.	स्टूडियो	10427.00	0.00	10427.00
3.	ट्रांसमीटर	14375.00	0.00	14375.00
4.	उचंत	0.00	525.00	525.00
5.	अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं)	7628.00	0.00	7628.00
	कुल : दूरदर्शन	**32500.00**	**525.00**	**33025.00**
	पारित	**32480.00**	**525.00**	**33005.00**
	भारित	**20.00**	**0.00**	**20.00**
	कुल : मुख्य शीर्ष "4221"	**45220.00**	**1010.00**	**46230.00**
	कुल : पूंजी खंड	**45220.00**	**1010.00**	**46230.00**

(लाख रुपये में)

संशोधित अनुमान 1998-99			बजट अनुमान 1999-2000		
योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
6	7	8	9	10	11
30.00	0.00	30.00	51.00	0.00	51.00
3160.00	0.00	3160.00	2685.00	0.00	2685.00
2422.00	0.00	2422.00	4027.00	0.00	4027.00
0.00	450.00	450.00	0.00	450.00	450.00
3627.00	0.00	3627.00	3237.00	0.00	3237.00
9239.00	**450.00**	**9689.00**	**10000.00**	**450.00**	**10450.00**
9189.00	**450.00**	**9639.00**	**9950.00**	**450.00**	**10400.00**
50.00	**0.00**	**50.00**	**50.00**	**0.00**	**50.00**
64.00	0.00	64.00	65.00	0.00	65.00
6222.00	0.00	6222.00	8811.00	0.00	8811.00
14338.00	0.00	14438.00	14551.00	0.00	14551.00
0.00	525.00	525.00	0.00	560.00	560.00
3386.00	0.00	3386.00	6225.00	0.00	6225.00
24110.00	**525.00**	**24635.00**	**29652.00**	**560.00**	**30212.00**
23990.00	**525.00**	**24515.00**	**29620.00**	**560.00**	**30180.00**
120.00	**0.00**	**120.00**	**32.00**	**0.00**	**32.00**
33349.00	**975.00**	**34324.00**	**39652.00**	**1010.00**	**40662.00**
33349.00	**975.00**	**34324.00**	**39652.00**	**1010.00**	**40662.00**